CMYK

RNI.No. — GUJHIN/2012/45192

सूरत भूमि

हिन्दी दैनिक

संपादक : संजय आर. मिश्रा

वर्ष-10 अंक: 244 ता. 24 मार्च 2022, गुरूवार , कार्यालय:114, न्यु प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेंट, डिंडोली, डिंडोली, उधना सूरत (गुजरात) मो. 9327667842, 9825646069 पृष्ठ: 8 कीमत: 2:00 रुपये

ho@suratbhumi.com /Suratbhumi.com /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi

संक्षिप्त समाचार

पी चिदंबरम और कार्ति चिदंबरम को मिली बड़ी राहत, इस मामले में दिल्ली कोर्ट से मिली रेगुलर बेल

एजेंसी । एयरसेल-मैक्सिस केस में पूर्व वित्त मंत्री पी चिंदबरम और उनके बेटे कार्ति चिदंबरम को बड़ी राहत मिली है। दिल्ली की एक अदालत ने बुधवार को पूर्व केंद्रीय मंत्री पी. चिदंबरम और उनके बेटे कार्ति को एयरसेल-मैक्सिस सौदे के संबंध में क्रमशः सीबीआई और ईडी द्वारा दायर भ्रष्टाचार और धनशोधन मामलों में नियमित जमानत दे दी। अदालत, जिसने पहले मामले में दोनों आरोपियों को अग्रिम जमानत दी थी, ने दोनों मामलों में एक-एक लाख रुपये के जमानत बांड को स्वीकार कर लिया और नियमित जमानत दे दी। आरोपियों ने मामले में अदालत के समक्ष पेश होने के बाद राहत का अनुरोध करते हुए अपने वकील अर्शदीप सिंह के माध्यम से आवेदन दिया था। इससे पहले, अदालत ने एजेंसियों को एयरसेल-मैक्सिस मामले में एक स्थिति रिपोर्ट दाखिल करने का निर्देश दिया था। यह मामला एयरसेल-मैक्सिस सौदे में विदेशी निवेश संवर्धन बोर्ड की मंजूरी में कथित अनियमितताओं से जुड़ा है। इसे 2006 में मंजूरी दी गई थी जब चिदंबरम वित्त मंत्री थे। केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) और प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने आरोप लगाया था कि वित्त मंत्री के रूप में चिदंबरम ने कुछ लोगों को लाभ पहुंचाने के लिए अपने अधिकार क्षेत्र से बाहर जाकर सौदे को मंजूरी दी थी और इससे उन्हें भी फायदा मिला था।

भाजपा विधायक के बयान पर गुस्से से लाल हुए निर्दलीय विधायक, बोले- हां, हम हैं गांधी-नेहरू परिवार के गुलाम

एजेंसी ।राजस्थान विधानसभा में मंगलवार को निर्दलीय विधायक संयम लोढ़ा ने कहा कि इस देश का निर्माण गांधी-नेहरू परिवार ने किया है और वह गांधी-नेहरू परिवार के गुलाम हैं। सिरोही से निर्दलीय विधायक व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के सलाहकार लोढ़ा ने सदन में हरिदेव जोशी पत्रकारिता और जनसंचार यूनिवर्सिटी संशोधन विधेयक पर बहस के दौरान यह बात कही। भाजपा के एक विधायक के टिप्पणी की ओर इशारा करते हुए लोढ़ा ने कहा,'' सदन में अभी भाजपा के विधायक विचार व्यक्त कर रहे थे, तो यह कहा कि ये तो गांधी-नेहरू परिवार के गुलाम हैं। हां, हम हैं गुलाम। उन्होंने आगे कहा कि जब तक उनके शरीर में सांस है, तब तक गांधी नेहरू परिवार की गुलामी करेंगे क्योंकि इस देश का निर्माण गांधी-नेहरू परिवार ने किया है। उनके इस कथन पर सदन में हंगामा हो गया। भाजपा विधायक व उपनेता प्रतिपक्ष राजेंद्र राठौड़ ने कहा,''यह नई संस्कृति आई है। आपको बधाई हो। गुलामी के लिए। ये गुलाम हैं, आप क्या समाज में संदेश देंगे। सभापति जेपी चंदेलिया ने वक्ता को 'तय बिंदु पर ही अपनी बात रखने को कहा। विधेयक पारित होने से पहले इसे जनमत जानने के लिए भेजने वाले प्रस्ताव पर वोटिंग के दौरान भाजपा विधायकों ने हंगामा किया। भाजपा ने इस पर मत विभाजन की मांग की। सभापति ने ध्वनिमत से ही जनमत जानने के प्रस्ताव को खारिज कर दिया। नाराज भाजपा विधायकों ने हंगामा करते हुए सदन से बहिर्गमन किया। सदन में आज हरिदेव जोशी पत्रकारिता विश्वविद्यालय संशोधन विधेयक 2022 को पारित कर दिया गया।

उत्तराखंड ताजपोशी,

पुष्कर धामी की हुई ताजपोशी, शपथ ग्रहण में मौजूद रहे मोदी- योगी

देहरादून(एजेंसी)।

पुष्कर सिंह धामी ने उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पद की शपथ ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सहित कई केंद्रीय मंत्री और राज्यों के मुख्यमंत्री शपथ ग्रहण के साक्षी बने। राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल (सेवानिवृत्त) गुरमीत सिंह ने धामी को पद और गोपनीयता की शपथ दिलाई। वहीं धामी के शपथ ग्रहण समारोह में उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान, केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी और रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने हिस्सी लिया। उत्तराखंड के मनोनीत मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के शपथ ग्रहण समारोह में हिस्सा लेने के लिए हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री जयराम ठाकुर, हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर, असम के मुख्यमंत्री हेमंत बिस्वा सरमा और गोवा के मनोनीत मुख्यमंत्री प्रमोद सावंत देहरादून पहुंचे।

हाल ही में घोषित विधानसभा चुनाव परिणाम में भाजपा ने 70 में से 47 सीट पर जीत हासिल किया और दो-तिहाई से अधिक बहुमत के साथ लगातार दूसरी बार सत्ता में आई। हालांकि ''उत्तराखंड फिर मांगे, मोदी-धामी की सरकार के नारे के साथ विधानसभा चुनाव लड़ने वाली भाजपा की अगुवाई करने वाले धामी स्वयं अपनी पर'परागत खटीमा सीट से हार गए। इस कारण नेतृत्व को मुख्यमंत्री के नाम पर नए सिरे से मंथन करना पड़ा, जिसमें लगभग 11 दिन का वक्त लग गया। इससे पहले सोमवार शाम यहां बलबीर रोड स्थित पार्टी के प्रदेश मुख्यालय में पर्यवेक्षक और रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह तथा सह पर्यवेक्षक एवं विदेश राज्य मंत्री मीनाक्षी लेखी की मौजूदगी में भाजपा विधायक दल की बैठक हुई।

बीरभूमि हिंसा के बाद लोगों में दहशत, घर छोड़कर पलायन के लिए हुए मजबूर

एजेंसी । पश्चिम बंगाल के बीरभूमि जिले के रामपुरहाट में 8 लोगों को घर में जिंदा जलाए जाने के बाद लोगों में डर और दहशत का माहौल है। बीरभूमि की घटना ने राजनीतिक रूप ले लिया है लेकिन स्थानीय लोग अपने घरों से पलायन करने को मजबूर हैं। लोग अपने घरों को छोड़कर सुरक्षित स्थान पर जा रहे हैं। बता दें कि तृणमूल कांग्रेस के नेता की हत्या के बाद रामपुरहाट शहर के बाहरी इलाके में स्थित बोगतुई गांव में कथित तौर पर करीब एक दर्जन मकानों में आग लगा दी गई थी। ऐसा कहा जा रहा है कि कुछ लोगों ने अपने नेता की हत्या का बदला लेने के लिए मकानों में आग लगा दी। एक स्थानीय महिला ने बताया कि अब हमें यहां डर लग रहा है। इस घटना में मेरे देवर की मौत हो गई है। महिला ने बताया कि अगर पुलिस हमें सुरक्षा देती तो यह घटना नहीं होती। वहीं, विपक्षी भाजपा ने बुधवार को राज्य की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के इस्तीफे की मांग की। पार्टी ने आरोप लगाया कि दोषियों को बचाने की कोशिश की जा रही है। भाजपा सांसद और पार्टी की पश्चिम बंगाल इकाई के उपाध्यक्ष अर्जुन सिंह ने कहा कि मुख्यमंत्री को इस घटना की नैतिक जिम्मेदारी लेनी चाहिये और पद से इस्तीफा दे देना चाहिए। सिंह ने कहा, '' पहले विपक्षी कार्यकर्ताओं को निशाना बनाया जाता था। अब राज्य में टीएमसी बनाम टीएमसी हो रहा है। सत्तारूढ़ पार्टी के नेता आपस में ही लड़ रहे हैं। मुख्यमंत्री को तुरंत इस्तीफा देना चाहिए और बीरभूम हत्याकांड की जांच सीबीआई को सौंपनी चाहिए। पुलिस द्वारा मामले में लीपा-पोती करने की कोशिश की जा रही है। दोषियों को बचाने की कोशिश हो रही है। उसके सदस्य पिकनिक पर गए हुए हैं। राज्य में सत्तारूढ़ पार्टी ने भाजपा , '' भगवा खेमे ने जिले में जाने के दौरान रास्ते में पिकनिक मना रहे हैं।

नड में वाइन शॉप खोलने को लेकर जमकर मचा बवाल, लोगों ने सडक़ मार्ग पर उतकर जोरदार प्रदर्शन किया

साम्बा (एजेंसी) ।

जिला साम्बा की नड ब्लॉक में वाइन शाप खोलने का मामला अब बहुत अधिक तक तूल पकड़ गया और लोगों ने आज नड बाजार में जोरदार धरना प्रदर्शन किया। लोगों ने साम्बा-मानसर मार्ग के बीचों-बीच बैठकर कुछ समय के लिए एक्साइज विभाग के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। इससे पहले सुबह के समय ही नड ब्लॉब की विभिन्न पंचायतों के लोग, जिसमें स्कूली छात्र, महिलाए, कई पंचायतों के पंच और दुकानदार अपनी दुकाने बंद करके सडक़ किनारे धरने पर बैठ गए और हाथ में कई प्रकार के स्लोगन लिखे बैनर लेकर कड़े शब्दों में प्रशासन और एक्साइज विभाग के खिलाफ नारे लगाकर धरना दिया। प्रदर्शन की अगुवाई के दौरान सेवामुक्त प्रिं. दीदार सिंह, बी.डी.सी. चेयरमैन नड देवराज, सरपंच लबलू सम्बयाल, भाजपा युवा नेता रोशू शर्मा, पंच यशपाल, पंच सुभष कुमार, बलराम कुंडल, पंच रशपाल चंद, मोहन सिंह, महिला दर्शना कुमारी ने कहा कि नड के युवाओं को नशे की तरफ धकेलने के लिए जम्मू-कश्मीर प्रशासन पूरी तरह से काम कर रहा है, जिसे सहन नहीं किया जाएगा और नड में वाइन शॉप नहीं खोलने दी जाएगी। मुख्य वक्ताओं ने कहा कि उप-राज्यपाल कह रहे थे कि रोजगार दिए जाएगे, लेकिन उसके बदले उन्हें शराब की दुकाने दी जा रही है ताकि युवाओं को नशे में धकेला जा सके। उन्होंने कहा कि नड क्राइम फ्री क्षेत्र है और अगर शराब की दुकान खुलेगी तो बहन बेटियों को रात के समय घर से बाहर निकलना तक मुशिकल हो जाएगा, इसलिए जिला की डिप्टी कमिश्नर साम्बा इस पर कोई

सज्ञान लेकर इसे जहां पर नहीं खुलने दें। वहीं वक्ताओं ने साम्बा पुलिस से अपील करते हुए कहा कि नड में अवैध तौर पर शराब बेचने वाले लोगों को पकडक़र हिरासत में डाला जाए, क्योंकि व लोग महंगे दामों पर शराब बेच रहे हैं ।

जबकि कुछ मैटाडोर वाले भी इसमें शामिल है और उनकी भी गाडियों की जांच की जाए। वहीं सडक़ मार्ग पर पहुंचे लोगों को साम्बा थाना प्रभारी दीपक जसरोटिया ने शांत करके उन्हें वापिस भेज दिया। वहीं महिलाओं ने प्रशासन को चेतवानी देते हुए कहा कि अगर इस प्रदर्शन के बावजूद भी नड में शराब की दुकान खुल गई तो व तोडफ़ोड़ करने से पीछे नहीं हटेगी। उन्होंने कहा कि शराब की दुकान खुलने से उनका परिवार को बहुत अधिक नुक्सान होगा और बच्चों का भविष्य खराब हो जाएगा।

लड़ाई खत्म नहीं हुई तो पूरी दुनिया में मचेगी तबाही!

एजेंसी । हाल के वर्षों में, इथियोपिया, सीरिया, अफगानिस्तान और यमन में संघर्षों ने भारी पीड़ा दी है। उन्होंने स्थानीय आबादी के स्वास्थ्य और जीवन को तबाह कर दिया है और अनगिनत लोग अनावश्यक रूप से मारे गए हैं। यूक्रेन पर रूस का आक्रमण दुनिया को फिर एक बार युद्ध के घिनौने परिणाम से रूबरू करवा रहा है। साथ ही इन संघर्षों में प्रत्यक्ष रूप से हताहत होने के साथ-और बहुत से लोग बीमार होंगे और स्वास्थ्य प्रणालियों के बाधित होने और स्वच्छ पानी, भोजन, दवाओं या गर्म स्थान अथवा आश्रय तक पहुंच की कमी के कारण मृत्यु का शिकार होंगे। इन विकट परिस्थितियों में संक्रामक रोगों पर नियंत्रण कम हो जाता है। ऐसा ही एक संक्रामक रोग है तपेदिक (टीबी) । टीबी एक संक्रामक रोग है जो खांसने से फैलता है। इसने इतिहास में किसी भी अन्य एकल संक्रामक रोग की तुलना में अधिक लोगों को मार डाला है, जिसमें सार्स-कोव-2 भी शामिल है। टीबी का इलाज संभव है, लेकिन लोगों को कई महीनों तक इलाज कराने के लिए मदद की जरूरत होती है। बहुऔषध प्रतिरोधी टीबी (एमडीआर-टीबी) और व्यापक रूप से दवा प्रतिरोधी टीबी (एक्सडीआर-टीबी) का इलाज करना अधिक कठिन है, एमडीआर-टीबी एक प्रमुख वैश्विक सार्वजनिक स्वास्थ्य चुनौती है और रोगाणुरोधी प्रतिरोध से मृत्यु का एक प्रमुख कारण है।

बुलेट ट्रेन के कामकाज को लेकर खड़गे ने उठाए मोदी सरकार पर सवाल

नई दिल्ली। राज्यसभा में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खड़गे ने बुधवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की महत्वाकांक्षी बुलेट ट्रेन परियोजना की धीमी रफ्तार पर कटाक्ष करते हुए उसकी तुलना बैलगाड़ी की रफ्तार से की और भारतीय रेल को गरीबों के हक में बेहतर बनाने का आह्वान किया। राज्यसभा में रेल मंत्रालय के कामकाज पर जारी चर्चा में हिस्सा लेते हुए उन्होंने रेल को भारत की ''जीवनरेखा बताया और सरकार को इसके निजीकरण के प्रति आगाह किया। उन्होंने कहा, ''मोदी सरकार ने पहले रेल बजट 2014-15 में घोषणा की थी कि 2022 तक देश में बुलेट ट्रेन चलाई जाएगी। 14 सितंबर 2017 को इसका भूमिपूजन हुआ। लेकिन इसका काम बैलगाड़ी की रफ्तार से चल रहा है। खड़गे ने कहा कि एक लाख आठ हजार करोड़ रुपये की इस परियोजना के लिए जापान से ऋण और प्रौद्योगिकी ली जा रही है और इससे जापान को खूब मुनाफा होगा। उन्होंने कहा कि वह जब रेल मंत्री थे तब उन्होंने व्यक्तिगत रूप से इस परियोजना का विरोध किया था। उन्होंने कहा, ''मैंने कहा था कि 500 किमी रेल लाइन बनाने के लिए आप एक लाख आठ हजार करोड़ रुपये खर्च कर रहे हैं। वर्ष 2014-15 में सामान्य ट्रेन चलाने के लिए एक किलोमीटर रेल लाइन बिछाने का खर्च 10 करोड़ के करीब था जबकि हाईस्पीड ट्रेन के लिए ।

गुजरात में विधानसभा चुनाव से पहले केजरीवाल को झटका, सैकड़ों आप सदस्य भाजपा में शामिल

एजेंसी ।

आम आदमी पार्टी (आप) के कई पदाधिकारियों सहित सैकड़ों की संख्या में कार्यकर्ता बुधवार को राज्य में सत्तारूढ़ भाजपा में शामिल हो गए। उन्होंने आप के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल और पंजाब के नव नियुक्त मुख्यमंत्री भगवंत मान के अहमदाबाद दौरे और रोड शो से पहले भाजपा के गांधीनगर स्थित मुख्यालय में भगवा पार्टी की सदस्यता ली। हालांकि, स्थानीय 'आप नेताओं ने इस दल बदल को 'शर्मनाक करार देते हुए कहा कि उसके कुछ निष्कासित सदस्यों के अलावा जो भाजपा में शामिल हुए हैं उनका अरविंद केजरीवाल नीत पार्टी से कभी कोई संबंध नहीं रहा है। भाजपा ने बताया कि उसके राज्य मुख्यालय 'कमलम में गुजरात इकाई के अध्यक्ष सीआर पाटिल की उपस्थिति में सैकड़ों लोगों ने 'आप की टोपी उतार भगवा टोपी पहनी और पाटिल ने उनमें से कई को भगवा गमछा पहनाकर उनका स्वागत किया। भाजपा ने विज्ञप्ति में कहा कि बड़ी संख्या में गुजरात के 11 जिलों के 'आप पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने बुधवार को भाजपा के मुख्यालय में भगवा पार्टी की सदस्यता ली। भाजपा के मुताबिक अखंडवादी राष्ट्रवादी सेवादल के नेता और उनके समर्थक भी भगवा दल में शामिल हुए। भाजपा की वरिष्ठ नेता रजनी पटेल ने कहा, ''इन लोगों ने देखा कि हमारे प्रधानमंत्री कैसे देश के विकास और सुरक्षा व आम लोगों के उन्नयन के लिए काम कर रहे हैं। उन्होंने पार्टी में शामिल होने के लिए भाजपा से संपर्क किया और आज उन्हें शामिल किया गया। खुद को 'आप के तालुका अल्पसंख्यक मोर्चा का अध्यक्ष बताने वाले व्यक्ति ने दावा किया कि वह भाजपा में शामिल हो रहे हैं और आम आदमी पार्टी ने उन्हें निलंबित नहीं किया है। उन्होंने दावा किया, '' आप भ्रष्टाचार से युक्त पार्टी है।'आप में केवल उन्हें ही पद दिया जाता है जो रुपये की पेशकश करते हैं, जो मुझे पंसद नहीं है। इसलिए मैंने आप को छोड़ने का फैसला किया। उल्लेखनीय है कि पंजाब विधानसभा चुनाव में शानदार जीत दर्ज करने के बाद अब 'आप की नजर भाजपा के 'मजबूत गढ़ और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के गृह राज्य गुजरात पर है जहां इस साल दिसंबर में विधानसभा चुनाव होने हैं। केजरीवाल और मान द्वारा दो अप्रैल को अहमदाबाद में रोड शो आयोजित करने की उम्मीद है। 'आप के महासचिव मनोज सोराठिया ने भाजपा के दावे को 'बकवास करार देते हुए कहा कि सत्तारूढ़ पार्टी गुजरात विधानसभा चुनाव से पहले यहां की राजनीति में 'आप के उदय से भयभीत हो गई है। उन्होंने कहा कि 'आप गुजरात की सभी 182 विधानसभा सीटों पर चुनाव लड़ने की तैयारी कर रही है। उन्होंने कहा, '' भाजपा, आप से डर गई है। होते देखा जिन्हें पहले ही निलंबित किया चुका है। हमने कार्यक्रम में अपने चार-पांच हमारे सदस्यों को भाजपा में शामिल होते देखा जिन्हें पहले ही निलंबित किया चुका है। अन्य सदस्यों के शामिल होने को लेकर भाजपा नाटक कर रही है। सोराठिया ने चुनौती दी कि भाजपा साबित करे कि जो भगवा पार्टी में शामिल हुए हैं वे 'आप के सदस्य थे।

गोधरा कांड पर भी बने फिल्म, ट्रेनों में किस तरह कत्लेआम हुआ लोगों को पता लगना चाहिए- विधानसभा अध्यक्ष गिरिश गौतम

रीवा(एजेंसी)।

मध्यप्रदेश के विधानसभा अध्यक्ष गिरीश गौतम आज द कश्मीर फाइल फिल्म देखने रीवा के समदड़िया मल्टीप्लेक्स पहुंचे जहां पर फिल्म देखने के बाद उन्होंने निर्देशक विवेक अग्निहोत्री को धन्यवाद कहा और कांग्रेस पर जमकर निशाना साधा। इस दौरान गिरीश गौतम ने गोधरा कांड पर फिल्म बनाने की सहमति जताई है। विधानसभा अध्यक्ष ने कहा कि ट्रेनों में किस तरह कत्लेआम हुआ इसे दिखाना चाहिए। 90 के दशक में कश्मीर में हुए कश्मीरी पंडितों और हिंदुओं के नरसंहार और पलायन की कहानी को दर्शाती फिल्म द कश्मीर फाइल्स में 1990 से पहले कश्मीर कैसा था। इसके बाद 90 के दशक में कश्मीरी पंडितों को मिलने वाली धमकियों और जबरन कश्मीर और अपना घर छोड़कर जाने वाली उनकी पीड़ादायक कहानी को दर्शाया गया है, जिसको लेकर फिल्म निर्माता विवेक अग्निहोत्री ने यह फिल्म बनाई है, जिसे देखने आज मध्यप्रदेश विधानसभा के अध्यक्ष गिरीश गौतम रीवा के समदड़िया मल्टीप्लेक्स पहुंचे। फिल्म देखने के बाद गिरीश गौतम ने गोधरा कांड पर फिल्म बनाने में सहमति जताई है। उन्होंने कहा कि किस तरह ट्रेनों में कत्लेआम किया गया इसे जरूर दिखाना चाहिए। उन्होंने कहा कि किस तरह ट्रेनों में कत्लेआम किया गया इसे जरूर दिखाना चाहिए। वही द कश्मीर फाइल फिल्म को लेकर कांग्रेसियों के द्वारा की जा रही टिप्पणी पर भी विधानसभा अध्यक्ष ने निशाना साधा है और उन्होंने कहा कि कांग्रेस हमेशा तुष्टीकरण की राजनीति करती है।

2020 दिल्ली दंगे: उमर खालिद की जमानत याचिका पर सुनवाई टली

एजेंसी । दिल्ली की एक अदालत ने फरवरी 2020 में दिल्ली दंगों के सिलसिले में बृहद साजिश के एक मामले में जेएनयू के पूर्व छात्र उमर खालिद की जमानत याचिका पर बुधवार को अपना आदेश कल तक के लिये टाल दिया। अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश अमिताभ रावत को बुधवार को आदेश सुनाना था लेकिन उन्होंने यह कहते हुए इसे बृहस्पतिवार के लिए सूचीबद्ध किया कि यह अभी तैयार नहीं था। अदालत ने तीन मार्च को खालिद और अभियोजन पक्ष की ओर से पेश वकील की दलीलें सुनने के बाद आदेश सुरक्षित रख लिया था। बहस के दौरान, आरोपी ने अदालत से कहा था किअभियोजन पक्ष के पास उसके खिलाफ अपना मामला साबित करने के लिए पर्याप्त साक्ष्य नहीं हैं। अभियोजन पक्ष के पास उसके खिलाफ अपना मामला साबित करने के लिए पर्याप्त साक्ष्य नहीं हैं। खालिद और कई अन्य लोगों पर फरवरी 2020 के दंगों के ÷मास्टरमाइंड÷ होने के मामले में आतंकवाद विरोधी कानून -यूएपीए के तहत मामला दर्ज किया गया है। इन दंगों में 53 लोग मारे गए थे और 700 से अधिक घायल हो गए थे। संशोधित नागरिकता कानून और राष्ट्रीय नागरिकता पंजी के खिलाफ विरोध प्रदर्शन के दौरान हिंसा भड़क गई थी।

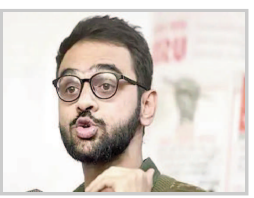

सुप्रीमकोर्ट की समिति के खुलासे को योगेंद्र यादव ने बताया साजिश, टिकैत बोले फिर शुरू करेंगे आंदोलन

नई दिल्ली ।

तीनों कृषि कानूनों की वापसी के करीब चार महीने के बाद सुप्रीम कोर्ट की ओर से बनाई गई कमेटी की रिपोर्ट को लेकर खूब चर्चा है। इस रिपोर्ट में कहा गया है कि 85।7 प्रतिशत किसान संगठन कृषि कानून के समर्थन में थे। जिसके बाद से ही किसान संगठन एक बार फिर सक्रिय हो गए हैं और बयानबाजी का नया दौर शुरू हो गया है। किसी को इसमें साजिश की आशंका नजर आ रही है तो कोई कृषि कानून को वापस लाए जाने की अटकलें लगा रहा है। किसान नेता राकेश टिकैत ने तो ऐसी किसी भी सूरत में आंदोलन वापस खड़ा करने की चेतावनी भी दे दी है। ऐसे में आइए जानते हैं कि क्या है इस रिपोर्ट में और किसान मोर्चा के नेता क्यों इससे इतने नाराज नजर आ रहे हैं। किसान नेता राकेश टिकैत ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट द्वारा गठित समिति के सदस्य अशोक घनवत केंद्र सरकार की कठपुतली थे। टिकैत ने ट्वीट किया तीन कृषि कानूनों के समर्थन में उच्चतम न्यायालय में घनवत की रिपोर्ट ने यह सार्वजनिक कर दिया है कि वह केंद्र सरकार की कठपुतली हैं। केंद्र को चेतावनी देते हुए टिकैत ने रिपोर्ट को लेकर मोदी सरकार की मंशा पर भी सवाल उठाए हैं। उन्होंने कहा कि केंद्र की मंशा इन विधेयकों को गुप्त रूप से वापस लाने की है, इसलिए देश में एक और बड़ा किसान आंदोलन शुरू होने में ज्यादा समय नहीं लगेगा। टिकैत ने कल अशोक घनवत द्वारा जारी एक रिपोर्ट के हवाले से यह टिप्पणी की। घनवत ने कहा था कि 73 में से 61 किसान संगठनों ने कृषि कानूनों का समर्थन किया था। संयुक्त किसान मोर्चा के सदस्य योगेंद्र यादव ने कहा कि समिति द्वारा निरस्त कानूनों की प्रशंसा महज मजाक नहीं, बल्कि निकट भविष्य में कृषि कानूनों को किसी न किसी रूप में वापस लाने की एक बड़ी साजिश का हिस्सा है। उन्होंने कहा कि समिति ने कृषि कानूनों का विरोध करने वाले एक भी किसान से बात नहीं की है। फिर किस आधार पर रिपोर्ट तैयार की गई कि किसानों के लिए कानून बहुत अच्छे हैं। उन्होंने कहा कि साजिश के तहत रिपोर्ट तैयार की गई है। इसलिए हमने पहले दिन से ही इस कमेटी का बहिष्कार किया।

बीरभूम नरसंहार को जायज नहीं ठहराया जा सकता, पर दूसरे राज्यों में भी ऐसा होता है : ममता

कोलकाता ।

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी का कहना है कि बीरभूम की हिंसा पर राजनीति हो रही है। उन्होंने कहा कि वह इस घटना को जायज नहीं ठहरा सकती, लेकिन ऐसा दूसरे राज्यों में भी होता है। बता दें कि सोमवार को बीरभूम जिले के रामपुरहाट के करीब एक गांव में कई झोपड़ियों में आग लगा दी गई। इस घटना में दो बच्चों और तीन महिलाओं समेत आठ लोगों की आग में झुलसकर मौत हो गई है। ममता ने कहा बीरभूम में हुई घटना को जायज नहीं ठहराया जा सकता, लेकिन ऐसी घटनाएं उत्तर प्रदेश, गुजरात, मध्य प्रदेश, बिहार और राजस्थान में भी होती हैं। हम निष्पक्ष तरीके से कार्रवाई करेंगे। सरकार हमारी है, हमें अपने राज्य के लोगों की चिंता है। हम कभी नहीं चाहेंगे कि किसी को तकलीफ हो। बीरभूम, रामपुरहाट की घटना दुर्भाग्यपूर्ण है। मैंने ओसी, एसडीपीओ को तत्काल बर्खास्त कर दिया है। बनर्जी ने कहा वह स्थिति का जायजा लेने के लिए गुरुवार को जिले का दौरा करेंगी। ममता बैनर्जी ने कहा कि बीरभूम की घटना के लिए जिम्मेदार सभी लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी, चाहे वे किसी भी राजनीतिक दल से संबंध रखते हों। मुख्यमंत्री ममता बैनर्जी ने यहां एक कार्यक्रम में कहा कि उन्हें जिले का अपना दौरा एक दिन के लिए स्थगित करना पड़ा क्योंकि अन्य राजनीतिक दल पहले से ही वहां जुटे हुए हैं। विपक्षी भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा कि पार्टी के नेता घटनास्थल पर जाते समय 'लंगचा' (पड़ोसी बर्दवान जिले के शक्तिगढ़ क्षेत्र में बनने वाली मिठाई) का स्वाद लेने के लिए रुक गए। भाजपा के नौ सांसदों के एक प्रतिनिधिमंडल के गृहमंत्री अमित शाह से दिल्ली में मुलाकात की। इस घटना पर केंद्रीय गृह मंत्रालय ने पश्चिम बंगाल सरकार से रिपोर्ट मांगी है। ममता बनर्जी ने कहा है कि वो बंगाल आने से किसी को नहीं रोकेंगी। उन्होंने कहा यह बंगाल है, उत्तर प्रदेश नहीं। मैंने तृणमूल कांग्रेस का एक प्रतिनिधिमंडल हाथरस भेजा था लेकिन हमें प्रवेश नहीं दिया गया। लेकिन हम किसी को यहां आने से नहीं रोक रहे हैं।

माना जा रहा है कि यह घटना सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के पंचायत अधिकारी की हत्या के प्रतिशोध स्वरूप हुई थी। अधिवक्ता तरुण ज्योति तिवारी ने मंगलवार को कहा था कि उन्होंने और भाजपा अधिवक्ता प्रकोष्ठ के नौ अन्य सदस्यों ने खंडपीठ के समक्ष घटना का उल्लेख करते हुए।

पति से अलग होने पर भी पत्नी को ससुराल में रहने का अधिकार : दिल्ली हाईकोर्ट

नई दिल्ली । पति-पत्नी और ससुराल के मामले में दिल्ली हाईकोर्ट ने एक अहम टिप्पणी की है। हाईकोर्ट ने कहा कि घरेलू हिंसा अधिनियम के तहत महिला को ससुर के घर में रहने का हक है, भले ही वह वैवाहिक अधिकारों की बहाली के लिए दाखिल पति की याचिका का विरोध कर रही है। मामले की सुनवाई के दौरान दिल्ली हाईकोर्ट ने कहा है कि ससुराल में निवास पाने का अधिकार हिंदू विवाह अधिनियम के तहत उत्पन्न होने वाले किसी भी अधिकार से अलग है। इसी के साथ हाईकोर्ट ने महिला के सास-ससुर की उस दलील को खारिज कर दिया, जिसमें उन्होंने कहा था कि जब बहू उनके बेटे के साथ रहने के लिए तैयार नहीं है तो उसे मकान में रहने का भी कोई अधिकार नहीं है। जस्टिटस चंद्रधारी सिंह ने निचली अदालत के फैसले के खिलाफ दंपति की याचिका खारिज कर दी। दंपति ने याचिका में निचली अदालत के घरेलू हिंसा अधिनियम के तहत महिला को ससुराल के घर में रहने का अधिकार दिए जाने के आदेश को चुनौती दी थी। दिल्ली हाईकोर्ट ने कहा है कि घरेलू हिंसा अधिनियम 2005 के तहत निवास का अधिकार, हिंदू विवाह अधिनियम 1955 की धारा 9 (वैवाहिक अधिकारों का पालन) के तहत उत्पन्न होने वाले किसी भी अधिकार से अलग है। याचिकाकर्ता ने बताया था कि उनकी बहू ने विवाद के बाद सितंबर 2011 में अपनी ससुराल को छोड़ दिया था। मुकदमे दायर किए गए हैं। इनमें से एक मामला महिला ने घरेलू हिंसा अधिनियम 2005 के तहत दायर किया था

फोन पर बात करने पर पिता ने कर दी बेटी की पीट-पीट कर हत्या, शव को खेत में जलाया

बाराबंकी । यूपी के बाराबंकी के गांव में कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालय की छात्रा की घर के अंदर पीटकर हत्या कर दी गई। इतना ही नहीं शव को पास के खेत में ले जाकर जला दिया गया। ग्रामीणों की सूचना पर पुलिस ने मौके पर पहुंचकर आग बुझाकर किशोरी का जला हुआ शव बरामद हुआ। किशोरी के पिता व परिवार घर छोड़कर फरार है। पुलिस मामले को संदिग्ध मानकर परिजनों की तलाश कर रही है। गांव में पुलिस तैनाती कर दी गई है। गांव वालों ने किशोरी की पहचान गांव की ही निवासी छात्रा के रूप में की। ग्रामीणों ने बताया कि कस्तूरबा गांधी आवासीय विद्यालय की छात्रा होली की छुट्टी पर गांव आई थी। पुलिस ने बताया कि किशोरी की मौत का रहस्य बरकरार है। जानकारी में आया है कि किशोरी फोन पर किसी से बात कर रही थी, इस लेकर घर में काफी विवाद हुआ था। कोठी थाना क्षेत्र के गांव में 15 वर्षीय छात्रा द्वारा फोन पर बात करने पर घर में विवाद हुआ था। बताया जा रहा है कि पिता ने अपनी पुत्री की पिटाई कर दी थी। जिससे उसकी मौत हो गई थी। इस घटना को छिपाने के लिए परिजनों ने सोमवार रात गांव से दूर खेत में शव जला दिया।

रिटायर होने वाले कश्मीरी प्रवासियों को सरकारी आवास रखने का हक नहीं

जम्मू ।

दिल्ली हाईकोर्ट ने बुधवार को कहा है कि रिटायर होने वाले कश्मीरी प्रवासियों को सरकारी आवास बनाए रखने का हक नहीं है। हाईकोर्ट ने अपने एकल पीठ के उस फैसले को बहाल रखते हुए यह टिप्पणी की है, जिसमें एक रिटायर्ड कश्मीरी प्रवासी को राहत देने से इनकार कर दिया गया था। उन्होंने रिटायरमेंट के बाद तीन साल की अवधि के लिए सरकारी आवास में रहने की अनुमति मांगी थी। कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश विपिन सांघी और न्यायमूर्ति नवीन चावला की बेंच ने कहा कि 'हम याचिकाकर्ता को राहत देने के पक्ष में नहीं हैं। पीठ ने कहा है कि तथ्यों को देखने से ऐसा नहीं लगाता है कि वे (सरकारी अधिकारी) आपके (याचिकाकर्ता) के साथ भेदभाव कर रहे हैं। पीठ ने कहा कि यदि हम आपको रिटायरमेंट के बाद भी सरकारी आवास में रहने की अनुमति देते हैं, तो सरकारी आवास पाने के लिए कतार में खड़े अन्य लोगों का क्या होगा? हाईकोर्ट ने कहा है कि सरकार के पास सीमित आवास हैं और इसके लिए काफी संख्या में कर्मचारी कतार में इंतजार कर रहे हैं। हाईकोर्ट ने एकल पीठ के 16 फरवरी, 2022 के आदेश के खिलाफ सुशील कुमार धर की अपील का निपटारा करते हुए फैसला दिया है। उन्होंने एकल पीठ के समक्ष रिटायरमेंट के बाद सरकार के संबंधित अधिकारी द्वारा सरकारी आवास खाली करने के आदेश को चुनौती दी थी। जस्टिस वी. कामेश्वर राव ने उन्हें राहत देने से इनकार करते हुए आवास खाली करने के आदेश पर रोक लगाने से इनकार कर दिया था। याचिकाकर्ता सुशील कुमार धर ने कश्मीरी प्रवासी होने का दावा करते हुए सरकारी आवास में रिटायरमेंट के बाद भी रहने देने की अनुमति मांगी थी। उन्हें 1983 में राष्ट्रीय नमूना सर्वेक्षण संगठन (फील्ड ऑपरेशन डिवीजन) उधमपुर, जम्मू और कश्मीर राज्य में एसआरओ के रूप में नियुक्ति मिली थी और बाद में उन्हें दिल्ली स्थानांतरित कर दिया गया। याचिकाकर्ता धर 31 मार्च, 2020 को सेवा से रिटायर हो गए। हाईकोर्ट में दाखिल याचिका में धर ने दावा कि केंद्र सरकार ने 28 मार्च, 2017 को एक योजना शुरुआत की थी, जिसके तहत जम्मू और कश्मीर राज्य से संबंधित केंद्र सरकार के रिटायर्ड कर्मचारियों को वैकल्पिक आवास प्रदान करने का प्रावधान किया था। याचिका में सुशील कुमार धर ने कहा था कि सुप्रीम कोर्ट ने 07 अक्टूबर, 2021 को पारित अपने एक फैसले में कहा है कि कश्मीरी प्रवासियों को रिटायरमेंट के बाद तीन साल की अवधि के लिए सरकारी आवास बनाए रखने की अनुमति दी। यह दलील देते हुए दिल्ली में सरकारी आवास खाली कराने के लिए की जा रही कार्रवाई पर रोक लगाने की मांग की थी।

रेलवे नवरात्रि में ट्रेनों में उपलब्ध कराएगी व्रत रखने वालों के लिए फलाहारी खाना

नई दिल्ली ।

नवरात्र के दौरान व्रत रखने वाले लोगों को ट्रेनों में सफर के दौरान किसी भी खाने पीने की परेशानी नहीं होगी। भारतीय रेलवे यात्रा के दौरान व्रत करने वाले लोगों का पूरा ध्यान रखेगा। आईआरसीटीसी ने यात्रा के दौरान लोगों को नवरात्र स्पेशल खाना देने का फैसला किया है। इस दौरान लोग अपना मनपसंद खाना आर्डर देकर सीट पर मंगवा सकेंगे। आईआरसीटीसी के अनुसार 2 अप्रैल से शुरू होने वाले नवरात्र में सफर के दौरान यात्रियों को व्रत का खाना दिया जाएगा। यात्री अपनी सुविधा अनुसार मनपसंद खाना ई कैटरिंग से या फिर 1323 पर बुक कर सीट पर मंगवा सकेंगे। यह खाना बिना लहसुन और प्याज का शुद्ध और सात्विक होगा। खाना बनाने में सेंधा नमक इस्तेमाल किया जाएगा। लोगों की पसंद को ध्यान में रखते हुए चार अलग-अलग तरह की थालियां उपलब्ध होंगी। इसकी कीमत 125 रुपये से लेकर 200 रुपये के बीच होने की संभावना है। इसके रेट आईआरसीटीसी आज फाइनल कर देगा। यह सुविधा 500 के करीब उन ट्रेनों में उपलब्ध होगी, जिनमें आईआरसीटीसी कैटरिंग की सुविधा दे रही है। व्रत का खाना केवल ट्रेनों में ही मिलेगा, स्टेशनों में आईआरसीटीसी के स्टाल में उपलब्ध नहीं होगा। रेलवे के संभावित मेनू में कुट्टू के पकौड़े और पूड़ी सब्जी, साबूदाना की खिचड़ी, लस्सी, फेश जूस (इसमें नमक, चीनी कुछ भी नहीं होगा), फल, चाय, रबड़ी, ड्राईफ्रूट्स की खीर आदि शामिल होंगे।

सुप्रीम कोर्ट ने बिहार सरकार को दिया मुजफ्फरपुर आश्रय गृह मामले में कार्रवाई रिपोर्ट दाखिल करने का निर्देश

नई दिल्ली ।

सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को बिहार सरकार को निर्देश दिया कि मुजफ्फरपुर आश्रय गृह यौन उत्पीड़न मामले में वह कार्रवाई रिपोर्ट दाखिल करे। प्रधान न्यायाधीश एनवी रमण और न्यायमूर्ति कृष्ण मुरारी की पीठ ने ध्यान दिलाया कि जांच पूर्ण हो चुकी है तथा 19 लोगों को दोषी करार दिया जा चुका है। पीठ ने कहा याचिकाकर्ता ने आश्रय स्थल की जांच के सिलसिले में पीठ से कोई निर्देश देने का आग्रह किया था। सीबीआई ने अधिकारियों को उनके मूल काडर में भेजे जाने के संबंध में अर्जी दी है। सीबीआई ने एक आश्रय गृह और बाद में अन्य के बारे में भी जांच की थी। मुख्य मामले में 19 की दोषसिद्धि हो चुकी है। अब दिल्ली उच्च न्यायालय के समक्ष अपील लंबित है। उसने कहा राज्य ने चूक करने वाले अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई को कहा है। राज्य को कार्रवाई रिपोर्ट दाखिल करने का निर्देश दिया जाता है। यह सीबीआई पर निर्भर करेगा कि वह सुनवाई अदालत के समक्ष पेश हुए वकील की सहायता ले या नहीं। राज्य को हर हाल में कार्रवाई रिपोर्ट दाखिल करनी है। इस आदेश से पहले याचिकाकर्ता की ओर से पेश हुए वकील शोएब आलम ने अदालत के समक्ष कहा था कि हाल में एक समाचार पत्र की खबर के अनुसार पटना उच्च न्यायालय ने मामले में संज्ञान लिया। यह मामला एक किशोरवय लड़की का है जो एक आश्रय गृह से तब भाग गई जब उसका कथित रूप से यौन शोषण किया गया। उन्होंने कहा सीबीआई ने विभिन्न अधिकारियों के विरूद्ध कार्रवाई की सिफारिश की है तथा इस बात की स्पष्टता नहीं है कि क्या कार्रवाई की गई क्योंकि समस्या यथावत है।

मंदिर के मेलों में मुस्लिमों को दुकान लगाने पर प्रतिबंध, कर्नाटक में लगाए जा रहे ऐसे पोस्टर

बेंगलुरु ।

कर्नाटक के स्कूलों और कॉलेजों में हिजाब पहनने पर पांबदी लगाई जा चुकी है। हाईकोर्ट के फैसले के बाद भी कर्नाटक में हिजाब विवाद थमने का नाम नहीं ले रहा है। हाईकोर्ट के फैसले के विरोध में कई मुस्लिम संगठनों ने राज्य में बंद का आह्वान किया है। अब खबर है कि कर्नाटक के तटीय इलाकों में लगने वाले मेलों में मुस्लिम संगठनों को दुकान लगाने से मना किया गया है। दक्षिणपंथी हिंदू संगठन आयोजन समिति पर दबाव बना रहे हैं और वे नहीं चाहते कि मेलों में मुसलमानों की दुकानें लगाई जाएं। पिछले दिनों कर्नाटक हाईकोर्ट ने शैक्षणिक संस्थानों में हिजाब पहनने पर प्रतिबंध लगा दिया था जिसके बाद कई मुस्लिम दुकानदारों ने इसके विरोध में आकर अपनी सारी दुकानें बंद कर दी थी। कर्नाटक के तटीय इलाकों के मंदिरों में हर साल उत्सव मनाया जाता है और इस दौरान भारी संख्या में अप्रैल-मई के महीने में मेले लगाए जाते हैं। इस मेले से करोड़ों का राजस्व मिलता है। कर्नाटक में कई सांप्रदायिक तनाव हुए लेकिन इस तनाव से कभी भी त्योहारों में समुदाय के बिजनेस को नुकसान नहीं पहुंचा है लेकिन इस हिजाब विवाद के कारण विरोध में मुसलमानों द्वारा दुकानों को बंद रखना और अब हिंदू के त्योहारों में मुसलमानों के प्रवेश पर रोक लगाने की मांग जारी हो गई है। आपको बता दें कि सलाना कर्नाटक के महालिंगेश्वर मंदिर में उत्सव आयोजकों द्वारा स्टॉल आवंटित की निलामी होती है लेकिन 20 अप्रैल को होने वाली इस निलामी में मुसलमान भाग नहीं ले पाएंगे। आयोजकों ने ऐलान किया है कि 31 मार्च को होने वाली निलामी में केवल हिंदू ही शामिल होंगे। वहीं मंदिरों के अधिकारियों की तरफ से अभी तक कोई बयान नहीं आया है।

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक हिंदू जागरण वेदिके के मंगलुरु डिवीजन के महासचिव प्रकाश कुक्केहल्ली ने कहा कि कर्नाटक हाईकोर्ट द्वारा हिजाब पर फैसला सुनाने के बाद मुस्लिम संगठनों ने विरोध में अपनी दुकानें बंद कर दी थी, जिससे स्थानीय मंदिर में पूजा करने वाले लोग काफी नाराज हो गए थे। वहीं दक्षिण कन्नड़ जिले में, बप्पनडुई दुर्गापमेश्वरी मंदिर के वार्षिक उत्सवों के एक होर्डिंग में लिखा गया है कि, जो लोग कानून को नहीं मानते और गायों की हत्या करते है जिन्हें हम पूजते हैं और जो एकता के खिलाफ हैं उन्हें बिजनेस करने की भी इजाजत नहीं दी जाएगी। उन्हें बिजनेस करने की भी इजाजत नहीं दी जाएगी। होर्डिंग में आगे लिखा था कि बिजनेस करने से रोका जाएगा और हिंदू जागरूक है। मंगलुरु शहर के पुलिस आयुक्त एन शशि कुमार ने बताया कि जांच हो रही है कि यह होर्डिंग किसने लगाए हैं। नागरिक एजेंसी अगर इसकी शिकायत दर्ज कराता है तो कानूनी टीम के साथ इसपर सख्त कारवाई की जाएगी।

31 मार्च से हट जाएंगी कोरोना संबंधी सभी पाबंदियां, मास्क और सोशल डिस्टेंसिंग जारी रहेंगे

नई दिल्ली । कोरोना वायरस संक्रमण के लगातार कम होते मामलों को देखते हुए गृह मंत्रालय ने करीब दो साल बाद 31 मार्च से कोविड-19 संबंधी सभी पाबंदियों को हटाने का फैसला किया है। हालांकि, मास्क लगाने और सामाजिक दूरी बनाए रखने के नियम लागू रहेंगे। केन्द्र सरकार ने 24 मार्च, 2020 को पहली बार देश में कोरोना वायरस का संक्रमण फैलने से रोकने के लिए आपदा प्रबंधन अधिनियम, (डीएम अधिनियम) 2005 के तहत कई दिशानिर्देश जारी किए थे और परिस्थितियों के अनुसार समय समय पर इनमें बदलाव भी किए। केन्द्रीय गृह सचिव अजय भल्ला ने सभी राज्यों के मुख्य सचिवों को भेजे पत्र में कहा कि पिछले 24 महीनों में, वैश्विक महामारी के प्रबंधन के विभिन्न पहलुओं, जैसे बीमारी का पता लगाने, निगरानी, संक्रमितों के सम्पर्क में आए लोगों का पता लगाने, उपचार, टीकाकरण, अस्पताल के बुनियादी ढांचे के विकास आदि के संबंध में कई महत्वपूर्ण कदम उठाए गए। उन्होंने कहा कि साथ ही, अब आम जनता भी कोविड-19 से निपटने के लिए आवश्यक उचित व्यवहार को लेकर काफी जागरूक है। उन्होंने कहा कि राज्यों तथा केन्द्र शासित प्रदेशों ने भी अपनी क्षमताओं तथा प्रणालियों को विकसित किया है और वैश्विक महामारी के प्रबंधन के लिए अपनी विस्तृत विशिष्ट योजनाओं को लागू किया है। पिछले सात हफ्तों में नए मामलों की संख्या में भारी गिरावट आई है। उन्होंने कहा कि 22 मार्च को कोविड-19 के उपचाराधीन मरीजों की संख्या घटकर 23,913 रह गई थी और संक्रमण दर 0।28 प्रतिशत थी। भल्ला ने पत्र में कहा वैश्विक महामारी के कम होते प्रकोप की स्थिति और सरकार की तैयारियों पर गौर करने के बाद, राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण ने फैसला किया है कि कोविड-19 रोकथाम उपायों के लिए ।

संक्षिप्त समाचार

एमएलसी चुनाव में सपा को एक और झटका मिर्जापुर के प्रत्याशी ने पर्चा वापस लिया

मिर्जापुर । यूपी एमएलसी चुनाव में समाजवादी पार्टी को एक और झटका लगा है। मिर्जापुर से सपा प्रत्याशी रमेश सिंह यादव ने अचानक अपना पर्चा वापस ले लिया है। सपा प्रत्याशी के नाम वापस लेने से भाजपा प्रत्याशी बाहुबली विनीत सिंह का निर्विरोध निर्वाचन तय हो गया है। एमएलसी चुनाव में बुधवार को नाम वापस लेने की अंतिम तारीख थी। इससे पहले मंगलवार की दोपहर से ही समाजवादी पार्टी के प्रत्याशी रमेश सिंह यादव अचानक लापता हो गए थे। उनका मोबाइल भी बंद बता रहा था। इससे समाजवादी पार्टी में चिंता की लकीरें भी दिखाई दीं। सपा जिलाध्यक्ष अपने प्रत्याशी के लापता होने की शिकात डीएम से करने जाने की तैयारी कर रहे थे। इसी बीच बुधवार को सपा प्रत्याशी रमेश यादव अचानक कलक्ट्रेट पहुंचे और अपना पर्चा वापस ले लिया। उनके पर्चा वापस लेने की खबर मिलते ही समाजवादी पार्टी नेताओं में खलबली मच गई। सपा जिलाध्यक्ष ने भाजपा पर दबाव देकर पर्चा वापस कराने का आरोप लगाया है। इससे पहले अलीगढ़-हाथरस संयुक्त सीट पर समाजवादी पार्टी के उम्मीदवार जसवंत सिंह का नामांकन खारिज हो गया। सपा अपने प्रस्तावक जिला निर्वाचन अधिकारी के समक्ष पेश नहीं कर पाए। भाजपा उम्मीदवार चौ. ऋषिपाल सिंह अलीगढ़ में निर्विरोध एमएलसी बनेंगे।

पुष्कर धामी के शपथग्रहण में पहुंची वसुंधरा, राजस्थान के लिए लगने लगीं अटकलें

देहरादून । उत्तराखंड के मुख्यमंत्री का ताज एक बार फिर पुष्कर सिंह धामी के सिर पर सज गया है। भाजपा पुष्कर सिंह धामी की अगुवाई में विधानसभा चुनाव मैदान में उतरी और बहुमत हासिल किया। धामी भले ही खुद चुनाव हार गए, पर उनके नेतृत्व में भाजपा ने बहुमत हासिल कर लिया। धामी की ताजपोशी का भव्य जश्न आयोजित किया गया। परेड ग्राउंड में इस दौरान पीएम से लेकर कई राज्यों के सीएम और मंत्री मौजूद रहे। गोवा के मनोनीत मुख्यमंत्री प्रमोद सावंत, असम के मुख्यमंत्री हेमंत बिस्वा सरमा, हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर, गुजरात के सीएम भूपेंद्र पटेल समेत तमाम राज्यों के मुख्यमंत्री देहरादून के मंच पर दिखे। लेकिन इसके साथ ही एक खास तस्वीर भी नजर आई। कभी कभार ही नजर आने वाली पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे सिंधिया भी मंच पर मौजूद थीं। धामी के शपथग्रहण समारोह में विभिन्न राज्यों के मुख्यमंत्रियों के साथ मंच पर वसुंधरा राजे भी दिखाई दीं। इसके बाद से ही इस बात की चर्चा होने लगी है कि क्या इसके माध्यम से भाजपा ने राजस्थान के लिए कोई संकेत दिया है। बताया जाता है कि विधानसभा सत्र के बीच पूर्व सीएम वसुंधरा राजे बुधवार को हेलीकॉप्टर के जरिये धौलपुर से देहरादून के लिए रवाना हुईं। पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे ने विश्व महिला दिवस के मौके पर शक्ति प्रदर्शन का नजारा भी दिखाया था। जिसमें करीब चार दर्जन पार्टी के विधायकों ने शिरकत की थी। राजे के जन्मदिन पर तीन निर्दलीयों समेत 48 भाजपा विधायक, 11 सांसद, 110 पूर्व विधायक एवं 8 पूर्व सांसदों की मौजूदगी रही। 10 जिलाध्यक्ष व 15 पूर्व जिलाध्यक्ष भी आए।

दिल्ली एयरपोर्ट पर लालू की बिगड़ी तबीयत, एम्स के इमरजेंसी वार्ड में भर्ती किया गया

नई दिल्ली । एम्स दिल्ली में भर्ती लिए जाने से इंकार के बाद रांची लौटने के लिए दिल्ली एयरपोर्ट पहुंचे लालू की तबीयत फिर बिगड़ गई है। जिसके बाद उन्हें दोबारा एम्स अस्पताल ले जाकर इमरजेंसी वार्ड में भर्ती किया गया है। इससे पहले मंगलवार को रांची से दिल्ली लाए गए बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री को एम्स के इमरजेंसी वार्ड में जांच पड़ताल के बाद डिस्चार्ज कर दिया गया था। लालू मंगलवार की रात एम्स की इमरजेंसी पहुंचे थे। वहां कुछ घंटे उन्हें निगरानी में रखकर जांच की गई थी। इसके बाद रात को ही इमरजेंसी से उन्हें छुट्टी दे दी गई। चारा घोटाला केस में दोषी पाए जाने के बाद सजा काट रहे लालू को बुधवार की सुबह रांची ले जाया जा रहा था। लालू प्रसाद (73) को किडनी में बढ़ते संक्रमण को देखकर मंगलवार की शाम लगभग 6 बजे विशेष विमान से दिल्ली स्थित अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) लाया गया, जहां उन्हें रात 9 बजे भर्ती किया गया था। रांची स्थित राजेन्द्र आयुर्विज्ञान संस्थान (रिम्स) के मेडिकल बोर्ड की बैठक में लालू यादव को दिल्ली भेजने पर फैसला किया गया था। सूत्र ने कहा, लालू को रातभर आपातकालीन विभाग में चिकित्सकों की निगरानी में रखा गया था। उन्हें तड़के करीब तीन बजे अस्पताल से छुट्टी दे दी गई। एम्स दिल्ली द्वारा बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री लालू प्रसाद को भर्ती करने से इनकार करने के बाद, राष्ट्रीय जनता दल (राजद) ने प्रमुख अस्पताल के कृत्य की कड़ी निंदा कर कहा कि इसके पीछे एक साजिश थी। मनेर से राजद विधायक और पार्टी के मुख्य प्रवक्ता भाई वीरेंद्र ने कहा, ÷यह हमारे नेता लालू को आपातकालीन वार्ड से छुट्टी देने और उन्हें आगे के इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती करने से इनकार करने के लिए एक सुनियोजित साजिश है।

ओआईसी के सदस्य देशों के व्यापारिक प्रतिनिधि जम्मू-कश्मीर में निवेश की तैयारी

नई दिल्ली । एक ओर जहां पाकिस्तान इस्लामिक सहयोग संगठन के 48वें सत्र में सदस्य देशों के समक्ष जम्मू-कश्मीर का मुद्दा जोर-शोर से उठा रहा है, वहीं दूसरी ओर ओआईसी के सदस्य देशों के प्रतिनिधि ही जम्मू-कश्मीर क्षेत्र में एक निवेश सम्मेलन को लेकर मौजूद हैं। ओआईसी के सदस्य देश सऊदी अरब और संयुक्त अरब अमीरात ने जम्मू-कश्मीर में एक निवेश सम्मेलन में हिस्सा लिया। हॉन्गकॉन्ग के प्रतिनिधि भी सम्मेलन में शामिल हुए। पाकिस्तानी मीडिया के मुताबिक इस्लामिक सहयोग संगठन की बैठक के बीच सऊदी अरब और यूएई के प्रतिनिधि कश्मीर में निवेश के लिए पहुंचे हैं। रिपोर्ट के अनुसार, मंगलवार से शुरू हुआ ये सम्मेलन आने वाले तीन दिनों तक जारी रहेगा। क्षेत्र में निवेश के अवसरों पर बात करने के लिए इन देशों की विभिन्न कंपनियों के 30 सदस्य इस सम्मेलन में हिस्सा ले रहे हैं। निवेश के उद्देश्य से सम्मेलन के दौरान दो हजार एकड़ की भूमि आवंटित की गई है। जम्मू-कश्मीर के प्रधान सचिव के अनुसार, प्रशासन ने निवेश के लिए उस भूमि को आवंटित नहीं किया है, लिए आवंटित किया गया है। अपनी जमीन को बेचने के मामले में स्वतंत्र रूप से निर्णय ले सकते हैं।

प्रधानमंत्री पद से इस्तीफा दे दें इमरान, ओआईसी बैठक के बाद सेना प्रमुख बाजवा ने जारी किया फरमान

इस्लामाबाद ।

पाकिस्तान के प्रधानमंत्री इमरान खान की कुर्सी संकट में पड़ गई है। इस्लामिक सहयोग संगठन (ओआईसी) की दो दिवसीय बैठक की समाप्ति के बाद बुधवार को सेना प्रमुख जनरल कमर जावेद बाजवा के नेतृत्व में पाकिस्तानी सेना के शीर्ष अधिकारियों ने उन्हें इस्तीफा देने को कहा है। पाक मीडिया ने बताया कि पाकिस्तानी सेना प्रमुख और इंटर-सर्विसेज इंटेलिजेंस (आईएसआई) प्रमुख नदीम अंजुम की इमरान खान से मुलाकात के बाद उन्हें सत्ता से बेदखल करने का फैसला बाजवा और तीन अन्य वरिष्ठ लेफ्टिनेंट जनरलों ने लिया था। रिपोर्टों के अनुसार, सभी चार सैन्य नेताओं ने क्रिकेटर से नेता बने इमरान खान को बचने का कोई रास्ता नहीं देने का फैसला किया है। पीटीआई सरकार के खिलाफ चल रहे अविश्वास प्रस्ताव के बीच इमरान खान ने शुक्रवार को सेना प्रमुख बाजवा से मुलाकात की थी। बैठक कथित तौर पर देश में हाल के राजनीतिक घटनाक्रमों के इर्द-गिर्द घूमती रही। स्थानीय मीडिया ने बताया कि एजेंडा में ओआईसी शिखर सम्मेलन, बलूचिस्तान में चल रही अशांति और इमरान खान सरकार के खिलाफ अविश्वास कदम शामिल हो सकता है। इमरान खान और सेना की स्थापना के बीच दरार तब दिखाई दी जब पूर्व ने 11 मार्च को अपने अभद्र भाषा वाले संबोधन में सेना प्रमुख बाजवा के विपक्षी नेताओं के खिलाफ अपमानजनक टिप्पणी का उपयोग नहीं करने के इससे पहले जेयूआई-एफ नेता मौलाना फजलुर रहमान का जिक्र करते हुए इमरान खान ने कथित तौर पर कहा मैं सिर्फ जनरल बाजवा (पाकिस्तानी सेना के प्रमुख) से बात कर रहा था और उन्होंने मुझसे फजल को डीजल नहीं कहने के लिए कहा था। मैं ऐसा नहीं कह रहा हूं। लोगों ने उनका नाम डीजल रखा है। इमरान खान ने अपनी पार्टी के दलबदलुओं के खिलाफ कार्रवाई की मांग करते हुए ।

भारत संयुक्त राष्ट्र फ्रेमवर्क के तहत जलवायु प्रतिबद्धताओं को पूरा करने के प्रति अड़िग : स्मृति

जेनेवा ।

केंद्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्री स्मृति ईरानी ने कहा कि भारत जलवायु परिवर्तन पर यूनाइटेड नेशन्स फ्रेमवर्क कन्वेंशन के तहत किए गए अपने सभी वादों को पूरा करने में दृढ़ता से यकीन रखता है। उन्होंने कहा कि महिलाएं देश की सतत विकास यात्रा का एक अनिवार्य हिस्सा हैं और आगे भी रहेंगी। उन्होंने सोमवार को कहा एक ओर, जलवायु परिवर्तन के महिलाओं पर पड़ने वाले अत्यधिक प्रभाव को समझा जा रहा है, जबकि दूसरी ओर, लैंगिक समानता और महिला सशक्तिकरण से इस क्षेत्र में जबरदस्त सामाजिक, आर्थिक और जलवायु अनुकूल फायदों को लेकर जागरूकता बढ़ रही है। ईरानी 66वें कमीशन ऑन द स्टेटस ऑफ वुमेन (सीएसडब्ल्यू) के कार्यक्रम एक दुनिया जो हम महिलाएं और लड़कियां चाहती हैं - पर्यावरण के लिए जीवनशैली को संबोधित कर रही थीं। मंत्री ने वर्चुअल कार्यक्रम में कहा भारत जलवायु परिवर्तन पर यूएन फ्रेमवर्क कन्वेंशन के तहत किए गए अपने सभी वादों को पूरा करने में दृढ़ता से यकीन रखता है और उसे गर्व है कि देश का प्रति व्यक्ति कार्बन फुटप्रिंट वैश्विक औसत से 60 प्रतिशत कम है। उन्होंने कहा कि भारत ने ग्लासगो में सीओपी26 के दौरान अपनी महत्वाकांक्षा बढ़ायी। उन्होंने कहा कि पर्यावरण निरंतरता जलवायु न्याय के जरिए ही हासिल की जा सकती है और हम सभी सहमत होंगे कि जलवायु परिवर्तन संबंधी सफल कार्रवाई के लिए पर्याप्त वित्त पोषण की भी आवश्यकता है। ईरानी ने कहा महिलाएं भारत की सतत विकास यात्रा का अनिवार्य हिस्सा हैं और रहेंगी, एक ऐसी यात्रा जो ऐसी दुनिया बनाएगी जो हम महिलाएं और लड़कियां चाहती हैं, निरंतरता की ताउम्र प्रतिबद्धता, एक भारतीय यात्रा जो सुनिश्चित करती है कि जीवन एक वैश्विक प्राथमिकता बन गया है। से लेकर सतत फैशन और चक्रीय अर्थव्यवस्था तक महिला उद्यमी सतत समाधानों के लिए ।

राष्ट्रपति बाइडन के कोविड-19 प्रतिक्रिया समन्वयक बने भारतीय मूल के डॉ आशीष झा

वॉशिंगटन ।

व्हाइट हाउस ने घोषणा की है कि भारतीय-अमेरिकी लोक स्वास्थ्य विशेषज्ञ डॉ आशीष झा अगले महीने राष्ट्रपति जो बाइडन के कोविड-19 प्रतिक्रिया समन्वयक का पद संभालेंगे। व्हाइट हाउस ने कहा है कि बाइडेन के कोविड -19 समन्वयक जेफ जेंट्स और उप समन्वयक नताली क्विलियन अगले महीने प्रशासन छोड़ रहे हैं। झा की नियुक्ति की घोषणा करते हुए बाइडन के बयान में अमेरिका में प्रमुख लोक स्वास्थ्य विशेषज्ञों में से एक के रूप में उनके कार्यों की प्रशंसा की गई। डॉक्टर आशीष झा ब्राउन यूनिवर्सिटी स्कूल ऑफ पब्लिक हेल्थ के डीन हैं। बाइडन ने कहा कि जैसा कि हम महामारी के एक नए दौर में प्रवेश कर रहे हैं कोविड-19 तैयारी की मेरी योजना पर अमल करने और कोविड से जोखिमों का प्रबंधन करने में डॉ. झा नौकरी के लिए एकदम सही व्यक्ति हैं। राष्ट्रपति ने कहा कि मैं जेफ जेंट्स और डॉ. झा दोनों की सराहना करता हूं कि उन्होंने एक सहज बदलाव सुनिश्चित करने के लिए मिलकर काम किया और मैं आने वाले महीनों में निरंतर प्रगति की आशा करता हूं। बाइडन ने उल्लेख किया कि अमेरिका कोविड से निपटने के वैश्विक प्रयास का नेतृत्व कर रहा है। उन्होंने कहा अमेरिकी किसी भी देश की तुलना में अन्य देशों को अधिक मुफ्त टीके पहुंचा रहा है। हॉपकिंस यूनिवर्सिटी ऑफ मेडिसिन के आंकड़ों के मुताबिक अमेरिका में संक्रमण से 9,68,300 से ज्यादा लोगों की मौत हुई है ।

अपने ऊपर से उड़ने वाली किसी भी चीज को खींच लेती है हीरे की रहस्यमय खदान

मास्को ।

रूस रहस्यों से भरा देश है। पूर्वी रूस के साइबेरिया इलाके में एक शहर है जो दुनिया में अपनी तरह का अकेला शहर है। आर्कटिक सर्कल से करीब 450 किमी दूर स्थित इस शहर का नाम मिर्नी है। शहर एक खुले मुंह वाली हीरे की खदान के आसपास बसा हुआ है जो 1722 फीट से अधिक गहरी है और इसका व्यास 3900 फीट है। यह दुनिया के सबसे बड़े %खुदाई वाले गड्ढों% में से एक है, जिसमें बड़ी मात्रा में हीरे मौजूद हैं। कहा जाता है कि यह गड्ढा अपने ऊपर उड़ने वाली किसी भी चीज को खींच लेता है। इस ठंडे शहर के कई किमी दूर तक सिर्फ निर्जन इलाका ही है। मिर्नी शहर में रहने वाली ज्यादातर आबादी एक ही कंपनी, अलरोसा के लिए काम करती है। यह आकार के हिसाब से दुनिया की सबसे बड़ी हीरे की खान है। इस शहर का निर्माण खंबों पर किया गया है, क्योंकि यहां की जमीन साल के सात महीने पर्माफ्रॉस्ट से ढकी रहती है। गर्मी के महीनों में पर्माफ्रॉस्ट कीचड़ में बदल जाता है और खंबे लोगों के घरों को पानी और कीचड़ से बचाते हैं। अनुमान है कि यह शहर 1955 में बसा था जब सोवियत संघ द्वितीय विश्व युद्ध के बाद खुद को दोबारा खड़ा कर रहा था। रिपोर्ट के अनुसार भूवैज्ञानिकों की एक टीम हीरों की उम्मीद में देश में खोज कर रही थी। आखिरकार उन्हें तलछट के माध्यम से इस क्षेत्र में हीरों के निशान मिले। 1957 में स्टालिन ने मिर्नी हीरे की खदान के निर्माण के आदेश दिए थे, लेकिन उबड़-खाबड़ इलाके और मौसम इस काम में सबसे बड़ी बाधा था। सर्दियों के दौरान मिर्नी में तापमान शून्य के 40 डिग्री नीचे चला जाता है।

ठंड का अंदाजा इससे लगाया जा सकता है कि यहां गाड़ियों के टायर फट जाते हैं और तेल जम जाता है।

संक्षिप्त समाचार

मुक्त हिंद-प्रशांत क्षेत्र में भारत अमेरिका का एक अहम भागीदार : नेड प्राइस

वाशिंगटन । अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन के प्रशासन के एक शीर्ष अधिकारी ने कहा है कि भारत, स्वतंत्र एवं मुक्त हिंद-प्रशांत क्षेत्र के साझा दृष्टिकोण को साकार करने के लिए क्वाड में अमेरिका का एक महत्वपूर्ण भागीदार है। भारत, अमेरिका और कई अन्य विश्व शक्तियां क्षेत्र में चीन की बढ़ती सैन्य गतिविधियों की पृष्ठभूमि में एक स्वतंत्र, मुक्त एवं समृद्ध हिंद-प्रशांत क्षेत्र को सुनिश्चित करने की जरूरत पर जोर दे रहे हैं। चीन लगभग पूरे विवादित दक्षिण चीन सागर पर अपना दावा करता है, हालांकि ताइवान, फिलीपीन, ब्रुनेई, मलेशिया और वियतनाम भी इसके कुछ हिस्सों पर दावा करते हैं। चीन ने दक्षिण चीन सागर में कृत्रिम द्वीप तथा सैन्य प्रतिष्ठान भी बनाए हैं। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता नेड प्राइस ने दैनिक संवाददाता सम्मेलन में कहा यह एक द्विपक्षीय संबंध है, जो पिछले 25 वर्षों में कई मायनों में गहरा हुआ है। यह द्विपक्षीय आधार पर ही संभव हो पाया है। प्राइस ने कहा यह जॉर्ज डब्ल्यू बुश प्रशासन की विरासत का एक हिस्सा है, जहां हमने अमेरिका और भारत के बीच इस द्विपक्षीय संबंध को विकसित होते देखा है और हमारे रक्षा एवं सुरक्षा संबंधों सहित कई क्षेत्रों में यह संबंध प्रगाढ़ हुए हैं। उन्होंने कहा कि तथ्य यह है कि हम भारत के भागीदार हैं। जब हम एक स्वतंत्र एवं मुक्त हिंद-प्रशांत क्षेत्र में साझा किए गए मूल्यों की बात करते हैं तो हम भारत के भागीदार हैं। हमने अपनी रक्षा तथा सुरक्षा के संदर्भ में इस संबंध में निवेश किया है। इसलिए ऐतिहासिक संबंधों के साथ ही अब हम भारत के पसंदीदा भागीदार हैं। प्राइस ने कहा कि क्वाड तथा द्विपक्षीय संबंधों के संदर्भ में एक स्वतंत्र एवं मुक्त हिंद-प्रशांत के साझा दृष्टिकोण को साकार करने के लिए भारत उनका एक आवश्यक भागीदार है।

पढ़ाई पूरी करने चीन लौटने का इंतजार कर रहे 23000 भारतीय छात्र, चीन ने साधी चुप्पी

बीजिंग । चीन भारत के 23 हजार से अधिक छात्रों को वापस बुलाने के मामले में चुप्पी साधे हुए है जबकि ऐसी खबरें हैं कि चीन अनेक देशों के छात्रों को अपनी पढ़ाई पूरी करने के लिए वापस लौटने की अनुमति दे रहा है। चीन के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता वांग वेनबिन से यह पूछे जाने पर कि पाकिस्तान, थाइलैंड, सोलोमन द्वीप आदि से छात्रों को चीन आने की अनुमति दे रहा है, इस पर उन्होंने कहा कि छात्रों की जरूरत के मुताबिक अनुमति दी जा रही है। उन्होंने कहा` कि चीनी सरकार विदेशी छात्रों को पढ़ाई पूरी करने के लिए लौटने को बेहद महत्व देती है। उन्होंने कहा कि महामारी की रोकथाम और नियंत्रण को सुनिश्चित करने के लिए बेहद कम छात्रों को बुलाने के समन्वित प्रयास किए जा रहे हैं, जिन्हें इनकी वास्तव में जरूरत है। गौरतलब है कि भारत के 23 हजार से अधिक छात्रों में से अधिकतर चीन में मेडिकल की पढ़ाई कर रहे हैं और पिछले दो वर्ष से भारत में फंसे हुए हैं। छात्रों और बीजिंग स्थित भारतीय दूतावास के लगातार अनुरोध पर भी चीन इस मामले में चुप्पी साधे हुए है। पिछले महीने खबर आई थी कि चीन ने कोविड-19 महामारी को लेकर अपने सख्त वीजा प्रतिबंधों के कारण 23,000 से अधिक भारतीय छात्रों की शीघ्र वापसी के लिए काम करने का भारत से वादा किया है।

यूक्रेन में अपना लक्ष्य पूरा करने में विफल रहा रूसः अमेरिका

वाशिंगटन । अमेरिका के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार जेक सुलिवन ने कहा कि यूक्रेन पर भीषण एवं क्रूर आक्रमण के जरिये रूस अपने तीन प्रमुख लक्ष्यों को हासिल करने में विफल रहा है। रूस द्वारा यूक्रेन के दोनेत्स्क और लुहांस्क क्षेत्रों की स्वतंत्रता को मान्यता देने के तीन दिन बाद 24 फरवरी को रूसी सेना ने यूक्रेन के खिलाफ एक विशेष सैन्य अभियान की शुरुआत की थी। सुलिवन ने संवाददाताओं से कहा कि यूक्रेन के खिलाफ अकारण हमला शुरू कर रूस अपने तीन बुनियादी लक्ष्यों को पूरा करना चाहता है। इनमें से सबसे पहला लक्ष्य यूक्रेन को अपने अधीन करना है। दूसरा, अंतरराष्ट्रीय स्तर पर रूस की ताकत एवं प्रतिष्ठा को बढ़ाना है, जबकि तीसरा लक्ष्य पश्चिमी देशों को विभाजित कर उन्हें कमजोर करना है। अमेरिका के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार ने कहा` कि रूस अब तक इन तीनों लक्ष्यों को पूरा करने में स्पष्ट रूप से विफल रहा है। वास्तव में रूस ने अब तक इन लक्ष्यों के विपरीत परिणाम ही हासिल किए हैं। सुलिवन ने कहा कि सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि यूक्रेन के बहादुर नागरिक आत्मसमर्पण करने से इनकार कर रहे हैं। वे डटकर रूसी सैनिकों का सामना कर रहे हैं। वे अपने घरों तथा अपने शहरों की रक्षा कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि हालांकि रूस अपने क्रूर सैन्य अभियान के जरिए कुछ और क्षेत्रों पर कब्जा कर सकता है, लेकिन यूक्रेन के लोगों से उनका देश नहीं छीन सकता। उन्होंने कहा` कि दूसरी ओर इस युद्ध के कारण रूस की ताकत एवं प्रतिष्ठा बुरी तरह प्रभावित हुई है। रूसी सेना की कार्रवाई बेहद कमजोर रही। रूसी अर्थव्यवस्था कड़े एवं कठोर प्रतिबंधों से हिल गई है। रूस के रक्षा क्षेत्रों पर प्रतिबंध लगाए जा रहे हैं। इसके अलावा रूस अंतरराष्ट्रीय समुदाय में पूरी तरह से अलग-थलग हो गया है। अमेरिकी अधिकारी ने कहा कि रूस के इस हमले से पश्चिमी देश पहले की अपेक्षा और अधिक एकजुट हुए हैं और दृढ़ता के साथ किसी चुनौती का सामना करने के लिए ।

रूस ने मारियुपोल जाने की कोशिश कर रहे मानवीय काफिले पर हमला किया : जेलेंस्की

कीव । यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने आरोप लगाया है कि रूसी सैन्य बलों ने आवश्यक आपूर्ति लेकर मारियुपोल पहुंचने की कोशिश कर रहे एक मानवीय काफिले को न केवल रोका, बल्कि कुछ बचाव कर्मियों तथा बस चालकों को बंदी भी बना लिया। उन्होंने कहा कि रूस इससे पूर्व काफिले को रास्ता देने को लेकर सहमत हुआ था। जेलेंस्की ने मंगलवार रात राष्ट्र के नाम एक वीडियो संबोधन में कहा ` कि हम मारियुपोल के निवासियों के लिए स्थिर मानवीय गलियारे बनाने की कोशिश कर रहे हैं, लेकिन दुर्भाग्य से हमारे लगभग सभी प्रयासों को रूस ने गोलाबारी कर या जानबूझकर हिंसक गतिविधियों से विफल कर दिया है। यूक्रेन की उप राष्ट्रपति इरिना वेरेश्चुक ने कहा कि रूसियों ने 11 बस चालकों और चार बचावकर्मियों को उनके वाहनों के साथ कब्जे में ले लिया है। उनके बारे में अभी तक कोई जानकारी नहीं मिल पाई है। जेलेंस्की ने कहा कि मंगलवार को मारियुपोल से 7,000 से अधिक लोगों को निकाला गया, लेकिन शहर में लगभग 1,00,000 लोग अब भी अमानवीय परिस्थितियों में, पूर्ण नाकाबंदी के कारण भोजन, पानी, दवा के बगैर और लगातार गोलाबारी के बीच रह रहे हैं। युद्ध से पहले इस बंदरगाह शहर की आबादी 4,30,000 थी।

यूक्रेन युद्ध में रूस ने दी खुली चेतावनी, कहा खतरा बढ़ा तो खुलकर इस्तेमाल करेंगे परमाणु हथियार

मास्को ।

रूस और यूक्रेन के बीच युद्ध को 28 दिन हो चुके हैं। पुतिन की सेना ने पूर्वी यूक्रेन के छोटे से देश का नक्शा पूरी तरह से बदल दिया है। इसके बावजूद कीव अभी भी आजाद है। ऐसा प्रतीत हो रहा है कि आने वाले समय में यह युद्ध और ज्यादा विध्वंसकारी साबित हो सकता है। क्रेमलिन के प्रवक्ता दिमित्री पेस्कोव ने बताया कि यूक्रेन युद्ध में अगर रूस अस्तित्व के खतरे का सामना करता है, तो वह सिर्फ परमाणु हथियारों का इस्तेमाल करेगा। क्रेमलिन के प्रवक्ता ने कहा कि घरेलू सुरक्षा को लेकर हमारा एक सिद्धांत है और यह सार्वजनिक है। आप परमाणु हथियारों के इस्तेमाल के सभी कारण पढ़ सकते हैं। इसलिए अगर हमारे देश के लिए अस्तित्व का खतरा पैदा होता है, तो इसका इस्तेमाल हमारे सिद्धांतों के अनुसार किया जा सकता है। पेस्कोव ने यह बयान तब दिया जब इंटरव्यू के दौरान उनसे पूछा गया कि क्या उन्हें पूरा भरोसा है कि पुतिन यूक्रेन युद्ध में परमाणु हथियारों का इस्तेमाल नहीं करेंगे।

रूस ने पिछले महीने 24 फरवरी को यूक्रेन पर हमला किया था। इसके कुछ दिन बाद ही 28 फरवरी को पुतिन ने घोषणा की थी कि उन्होंने परमाणु बलों को हाई अलर्ट पर रखा है।

पुतिन की इस घोषणा ने पूरी दुनिया की चिंता को बढ़ा दिया था। पेस्कोव के बयान और रूस के परमाणु रुख पर पूछे जाने पर पेंटागन के प्रवक्ता जॉन किर्बी ने कहा कि परमाणु हथियारों के संभावित इस्तेमाल पर मास्को की बयानबाजी खतरनाक है। उन्होंने कहा यह एक जिम्मेदारी परमाणु शक्ति के काम करने का तरीका नहीं है। दुनिया इसलिए भी चिंतित है क्योंकि रूस के पास दुनिया में सबसे अधिक परमाणु हथियार हैं।

ओआईसी बैठक में अफगान विदेश मंत्री मुत्ताकी की जगह विदेश मंत्रालय के अफसर ने लिया हिस्सा

इस्लामाबाद ।

लगता है पिछले साल दिसंबर में इस्लामाबाद में अफगानिस्तान पर आयोजित असाधारण सत्र के दौरान अफगान तालिबान के विदेश मंत्री आमिर खान मुत्ताकी की हल्की खातिरदारी अच्छी नहीं लगी, शायद इसलिए अफगान सरकार ने इस साल ओआईसी सीएफएम से परहेज किया है। इस्लामिक सहयोग संगठन (ओआईसी) के विदेश मंत्रियों की परिषद (सीएफएम) की 48वीं बैठक 22 से 23 मार्च तक इस्लामाबाद में हुई। इस बैठक में अफगान विदेश मंत्री अमीर खान मुत्ताकी की जगह विदेश मंत्रालय के एक अधिकारी को भेजा गया। यह दोनों पक्षों के नेतृत्व के बीच स्पष्ट नाराजगी और तनाव का संकेत है। उल्लेखनीय है कि दिसंबर, 2021 में इस्लामाबाद में आयोजित ओआईसी विदेश मंत्रियों के असाधारण सत्र के दौरान अफगानिस्तान का प्रतिनिधित्व मुत्ताकी ने किया था। पिछली बार मुत्ताकी की भागीदारी कई हलकों में बहस का हिस्सा बनी रही, क्योंकि तालिबान के नियंत्रण वाली अफगानिस्तान शासन को अभी तक अन्य देशों से मान्यता नहीं मिली है। मुत्ताकी ग्रुप पिक्चर के दौरान भी मौजूद नहीं थे। अफगान गणमान्य व्यक्ति के लिए समर्पित सीट भी खाली रही, क्योंकि मुत्ताकी को पिछली दो पंक्तियों में बैक बेंचर के रूप में बैठे। तालिबान ने ओआईसी शिखर सम्मेलन में अपनी भागीदारी को कम करने का फैसला किया है, इसलिए मंत्री के बजाय विदेश मंत्रालय के एक अधिकारी को भेजा है। ओआईसी के 57 सदस्यों में से किसी ने भी अब तक तालिबान शासन को मान्यता नहीं दी है। हालांकि, संयुक्त राष्ट्र जैसे वैश्विक मंचों ने अफगानिस्तान में मानवीय संकट पर ध्यान दिया है और मानवीय सहायता के माध्यम से देश की मदद करने के लिए तालिबान शासन से जुड़ने का आह्वान किया है। पाकिस्तान पर तालिबान आंदोलन के पीछे प्रेरक शक्ति होने का आरोप लगाया गया है।

कई लोगों का मानना है कि अफगानिस्तान में तालिबान का अधिग्रहण नाटो और संयुक्त राज्य अमेरिका (यूएस) के खिलाफ पाकिस्तान की जीत है। हालांकि, धरातल पर डूरंड रेखा से संबंधित मुद्दों और तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी), दाएश, इस्लामिक स्टेट और बलूच अलगाववादियों जैसे आतंकवादी समूहों द्वारा अफगान की धरती के उपयोग से संबंधित मुद्दों पर दोनों पक्षों के बीच एक स्पष्ट दरार है। अफगानिस्तान में कई तालिबान लड़ाके पाकिस्तान को अपनी जीत के अगले गंतव्य के रूप में देखते हैं और वहां भी इस्लामी कानून लागू करना चाहते हैं।

दुनिया में इस्लाम विरोधी नैरेटिव के प्रसार के लिए मुस्लिम समाज स्वयं जिम्मेदार : इमरान

इस्लामाबाद । पाकिस्तान के प्रधानमंत्री इमरान खान ने मंगलवार को इस्लामाबाद में संसद भवन में इस्लामिक सहयोग संगठन (ओआईसी) के 48वें विदेश मंत्री परिषद (सीएफएम) के उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए दुनियाभर में इस्लाम विरोधी नैरेटिव या इस्लामोफोबिया के प्रसार के लिए मुस्लिम समाज स्वयं जिम्मेदार है। मुस्लिम समाज ने लोगों को इस भय से बाहर निकलने के लिए कुछ नहीं किया। यही वजह है आज मुस्लिमों को शंका की नजर से देखा जाने लगा है। एक हथियारबंद शख्स द्वारा मस्जिद पर हमले की घटना का जिक्र करते हुए इमरान खान ने कहा बदकिस्मती से हमने इस गलत नैरेटिव को फैलने से रोकने के लिए कुछ नहीं किया। नतीजतन, पश्चिम ने इस पर यकीन कर लिया। उन्होंने कहा हमारे पास आत्मविश्वास नहीं है। हम किसी तरह की मदद के लिए दूसरों की ओर देखते हैं। हमें एक ब्लॉक के रूप में रहना चाहिए और खुद को अमन में भागीदार के रूप में दिखाना चाहिए। खान ने 15 मार्च को इस्लामोफोबिया का मुकाबला करने के लिए अंतर्राष्ट्रीय दिवस के रूप में चिह्नित करने के लिए संयुक्त राष्ट्र की ओर से प्रस्ताव पारित किए जाने पर ओआईसी सदस्यों को बधाई दी। मुस्लिम जगत को एक साझा एजेंडे पर एक साथ रहने और एक गुट के रूप में बने रहने की तत्काल जरूरत के बारे में बात करते हुए उन्होंने कहा कि दुनियाभर में मुसलमानों का कत्ल किया जा रहा है और गलत तरीके से आतंकवाद से जोड़ा जा रहा है। फिलिस्तीन और कश्मीर के मुद्दे पर बात करते हुए खान ने कहा कि उन क्षेत्रों में दिन के उजाले की लूट की जा रही है, जबकि मुस्लिम दुनिया इसे मौन रूप से देख रही है।

अस्तित्व का खतरा होगा तभी करेंगे परमाणु हथियारों का प्रयोग, हमारा उद्देश्य यक्रेन पर कब्जा करना नहीं : पेसकोव

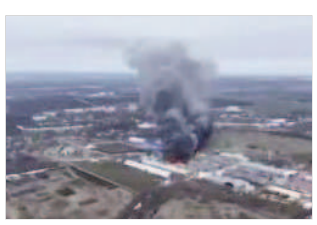

मास्को ।

रूस-यूक्रेन युद्ध में परमाणु हथियारों के इस्तेमाल की संभावनाओं को लेकर चिंताएं जारी हैं। इसी बीच क्रेमलिन ने कहा है कि अगर रूस अस्तित्व से जुड़े खतरे का सामना करता है, तो वह परमाणु हथियार का उपयोग करने से हिचकेगा नहीं। क्रेमलिन के प्रवक्ता दिमित्री पेसकोव ने यह जानकारी दी है। दोनों पड़ोसी देशों के बीच जारी संघर्ष को 28 दिनों का समय बीत चुका है। पेस्कोव ने कहा अगर हम अस्तित्व से जुड़े खतरे का सामना करेंगे, तो परमाणु हथियारों का इस्तेमाल करेंगे। उन्होंने कहा हमारा विचार घरेलू सुरक्षा का है और यह सार्वजनिक है। आप परमाणु हथियारों के इस्तेमाल से जुड़े सभी कारणों के बारे में पढ़ सकते हैं। उन्होंने कहा अगर हमारे देश के अस्तित्व के लिए खतरा आया, तो हमारे कॉन्सेप्ट के हिसाब इसे इनका उपयोग किया जा सकता है। यूक्रेन में रूस की गतिविधियों को लेकर पेस्कोव ने कहा उनका मकसद पड़ोसी देश पर कब्जा करना नहीं है। साथ ही उन्होंने जोर देकर कहा कि उनका देश आम नागरिकों को निशाना नहीं बना रहा है। कार्रवाई का मुख्य उद्देश्य यूक्रेन की सैन्य ताकतों से छुटकारा पाना है। उन्होंने कहा इसलिए हमारी सेना यूक्रेन की धरती पर केवल सैन्य लक्ष्यों और सेना से जुड़ी चीजों को निशाना बना रही हैं, नागरिकों को नहीं। यूक्रेन पर हमला करने के कुछ दिनों बाद ही रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने कहा था कि उन्होंने देश के रणनीतिक परमाणु ताकतों को हाई अलर्ट पर रखा है। 28 फरवरी को हुई इस घोषणा के बाद से ही दुनियाभर में चिंताएं बढ़ गई थी। इस घोषणा के बाद से ही दुनियाभर में चिंताएं बढ़ गई थी। पेस्कोव के बयान पर प्रतिक्रिया करते हुए पेंटागन के प्रवक्ता जॉन किर्बी ने मॉस्को के परमाणु हथियारों के संभावित इस्तेमाल को खतरनाक बताया है।

उन्होंने कहा यह एक जिम्मेदार परमाणु शक्ति के काम करने का तरीका नहीं होना चाहिए। खास बात यह है कि रूस के पास परमाणु हथियारों का दुनिया का सबसे बड़ा भंडार है। इधर, पश्चिमी देशों के रक्षा अधिकारियों का कहना है कि पुतिन की तरफ से फरवरी में हुई घोषणा के बाद उन्होंने रूस की परमाणु बलों को जुटाने से जुड़ी गतिविधियां नहीं देखी हैं।

सुविचार मुट्ठी भर संकल्पवान लोग जिनकी अपने लक्ष्य में दृढ़ आस्था है, इतिहास की धारा को बदल सकते हैं। - महात्मा गांधी

संपादकीय

मौसम और पानी

सब चकित हैं, मौसम अचानक बदल गया है। मार्च में ही अप्रैल जैसी गरमी का एहसास न केवल अध्ययन का विषय है, बल्कि संकेत है कि हम भी बदलते मौसम के प्रति पहले से कहीं ज्यादा सचेत हो जाएं। रविवार को मुंबई में जहां पारा 40 डिग्री सेल्सियस के पार चला गया, तो वहीं दिल्ली में इसने 10 साल का रिकॉर्ड तोड़ दिया। राजधानी में न्यूनतम तापमान 21.2 था, इसका मतलब है, गरम कपड़ों की जरूरत अचानक से खत्म हो चुकी है। पंखे तेज चल पड़े हैं, उनके बिना बचैनी महसूस होने लगी है। वैज्ञानिकों के अनुसार, इस वक्त पश्चिमी विक्षोभ के कारण बारिश होती थी, तो ठंडी हवा नसीब होती थी, लेकिन इस बार वह विक्षोभ देखने में नहीं आया है। दिन साफ होने लगे हैं और सूरज तपने लगा है। चूंकि घरों की दीवारें अभी ठंडी हैं, इसलिए गरमी कुछ कम महसूस हो रही है, वरना तापमान ने कोई कोर कसर नहीं छोड़ी है। आमतौर पर मार्च के महीने में आठ मिलीमीटर तक बारिश हो जाती है, पर इस महीने दिल्ली बारिश के लिए तरस रही है। इस महीने के आने वाले दिनों में भी मौसम विभाग को अनुमान है कि अधिकतम और न्यूनतम पारा कमोबेश यथावत ही रहेगा। इन दिनों न्यूनतम पारा को 15 डिग्री सेल्सियस तक होना चाहिए, लेकिन अब 20 डिग्री सेल्सियस के करीब चल रहा है। तेज धूप चुभेगी और लोग सिर छिपाने के लिए ठौर तलाशेंगे। मौसम बदलने का यह समय तरह-तरह के संक्रमण का भी समय हो सकता है, अत- सावधान रहने की जरूरत है। मौसमी बीमारियों का खतरा इसलिए भी ज्यादा है, क्योंकि हवा में प्रदूषण का स्तर भी ज्यादा है। ऐसा नहीं है कि गरमी कुछ ही क्षेत्रों तक सिमटी हुई हो, राजस्थान से बिहार तक अचानक बढ़ी गरमी की खूब चर्चा हो रही है। यह भी गौर करने की बात है कि विगत सप्ताह से अंटार्कटिका में भी तापमान रिकॉर्ड तोड़ रहा है। दुनिया के इस सबसे ठंडे स्थान पर तापमान सामान्य से 30 डिग्री सेल्सियस ऊपर चढ़कर माइनस 11 डिग्री सेल्सियस हो गया है। अंटार्कटिका में ऐसा कभी नहीं हुआ था, इससे वैज्ञानिकों में भी चिंता व्याप्त हो गई है। यह पृथ्वी और प्राकृतिक संसाधनों के बारे में गहराई से चिंतन का समय है। मौसम पर विचार इसलिए भी मौजू है, क्योंकि आज दुनिया में जल दिवस भी मनाया जा रहा है। जैसे-जैसे तापमान बढ़ेगा, वैसे-वैसे जल की जरूरत भी बढ़ती जाएगी। प्रदूषण के विरुद्ध भी पानी एक महत्वपूर्ण उपचार या दवा का काम करता है। यह बात किसी से छिपी नहीं है कि हमें विगत वर्षों से सुरक्षित पेयजल उपलब्ध कराने की चुनौती का सामना करना पड़ रहा है। जब भी मीठे पानी का ख्याल आता है, लोग नदियों, आर्द्रभूमि, झीलों या जलाशयों के बारे में सोचते हैं। हममें से बहुत से लोग पानी बर्बाद करते हुए यह भी ध्यान नहीं रखते हैं कि पृथ्वी पर पानी की कुल मात्रा में से 97.5 प्रतिशत खारा पानी है और केवल 2.5 प्रतिशत ही ताजा पानी है। मीठे पानी में से सिर्फ 0.3 प्रतिशत सतह पर तरल रूप में है। इसलिए लोगों को यह बार-बार बताने की जरूरत है कि हमारी दुनिया में जल संरक्षण कितना जरूरी है। बड़े-बड़े शहर भी पेयजल के लिए तरसने लगे हैं। हमारे देश में भी अनेक शहरों के पास इतना पानी नहीं कि वे सभी लोगों को उनकी जरूरत भर का पानी दे सकें। हमें अपने आसपास पानी बचाने पर अपना पूरा ध्यान केंद्रित करना होगा, दूर स्थित नदियां या जलाशय ज्यादा दिनों तक काम नहीं आएंगे।

अपनों के निशाने पर कांग्रेस पार्टी

- रमेश सर्राफ धमोरा

पांच राज्यों की विधानसभाओं के चुनाव में मिली करारी हार के बाद कांग्रेस पार्टी अपने ही नेताओं के निशाने पर आ गई है। जी-23 ग्रुप के नेता व पूर्व केंद्रीय मंत्री कपिल सिब्बल ने तो सीधे गांधी परिवार पर हमला करते हुए उन्हें पार्टी के सभी पदों से इस्तीफा देकर दूसरे किसी कांग्रेस जन को कांग्रेस अध्यक्ष बनाने तक की मांग कर डाली है। कपिल सिब्बल के बाद बहुत से नेताओं ने भी पार्टी संगठन में आमूलचूल बदलाव की मांग की है। कांग्रेस पार्टी इस समय अपने सबसे बुरे दौर से गुजर रही है। कांग्रेस पार्टी दो बार लोकसभा तथा राज्यों के विधानसभा चुनाव में लगातार हारती जा रही है। हाल ही में कांग्रेस पार्टी को उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, पंजाब, गोवा व मणिपुर में बहुत बड़ी हार का सामना करना पड़ा है। उत्तर प्रदेश जैसे बड़े प्रांत में तो कांग्रेस का सूपड़ा ही साफ हो गया है। 2014 में नरेंद्र मोदी के प्रधानमंत्री बनने के बाद जहां भाजपा का प्रदर्शन लगातार अच्छा होता जा रहा है। वहीं कांग्रेस दिनों दिन कमजोर होती जा रही है। कुछ दिनों पूर्व संपन्न हुए विधानसभा चुनाव में उत्तर प्रदेश में कांग्रेस महज दो सीटें ही जीत सकी है। जबकि 2017 में कांग्रेस 7 सीटों पर विजय हुई थी। इस बार कांग्रेस को 21 लाख 51 हजार 234 वोट मिले जो पिछली बार 54 लाख 16 हजार 540 वोटों की तुलना में 32 लाख 65 हजार 306 वोट यानी 3.92 प्रतिशत कम मिले हैं। इस बार कांग्रेस 397 सीटों पर चुनाव लड़ी थी। जबकि पिछली बार समाजवादी पार्टी से समझौता होने के चलते महज 114 सीटों पर ही चुनाव लड़ पाई थी। उत्तराखंड में कांग्रेस 70 में से 19 सीटें ही जीत पाई है। जबकि इस बार कांग्रेस को सबसे अधिक विश्वास उत्तराखंड में सरकार बनाने का था। मगर वहां 4.40 प्रतिशत वोट बढ़ने के बावजूद भी कांग्रेस सरकार बनाने से बहुत पीछे रह गई। इतना ही नहीं पूर्व मुख्यमंत्री हरीश रावत इस बार भी लालकुआं विधानसभा सीट से भाजपा के डॉ. मोहन सिंह बिष्ट से करीब 17 हजार वोटों से चुनाव हार गए। 2017 में भी हरीश रावत मुख्यमंत्री रहते दो विधानसभा सीटों से चुनाव हार गए थे। कांग्रेस को सबसे बुरी स्थिति का पंजाब में सामना करना पड़ा है। यहां कांग्रेस महज 18 सीटों पर ही सिमट कर रह गई। उसे 59 सीटों का नुकसान उठाना पड़ा है। कांग्रेस का वोट प्रतिशत भी घटकर 22.98 प्रतिशत रह गया है। जो पिछली बार की तुलना में 15.66 प्रतिशत कम है। कांग्रेस सरकार में मुख्यमंत्री रहे चरणजीत सिंह चन्नी दोनों विधानसभा सीटों चमकौर साहिब व भदौड़ से तथा प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष नवजोत सिंह सिद्धू अमृतसर पूर्व सीट से चुनाव हार गए हैं। इसके अलावा कांग्रेस के अधिकांश मंत्री व बड़े नेता चुनाव हार गए हैं। आम आदमी पार्टी ने दिल्ली के बाद पंजाब में भी कांग्रेस से सत्ता छीन ली है। राजनीति के जानकार गोवा विधानसभा चुनाव में भी कांग्रेस की सरकार बनने के कयास लगा रहे थे। लोगों का मानना था कि लगातार 15 साल से सत्ता में रहने के कारण भाजपा के खिलाफ सत्ता विरोधी लहर व्याप्त हो रही थी। जिसका लाभ कांग्रेस को मिलता नजर आ रहा था। मगर चुनाव परिणामों में कांग्रेस बुरी तरह पिछड़ गई। कांग्रेस को 40 में से महज 11 सीटों पर ही संतोष करना पड़ा। 20 सीटें जीतकर भाजपा फिर सरकार बनाने जा रही है। गोवा विधानसभा के चुनाव में कांग्रेस पार्टी को पिछली बार की तुलना में 6 सीटों का व 4.58 प्रतिशत वोटों का घाटा उठाना पड़ा है। गोवा के मतदाताओं ने कांग्रेस की पिछली बार की गलती को माफ नहीं किया है। रही सही कसर वहां आम आदमी पार्टी व तृणमूल कांग्रेस के प्रत्याशियों ने कांग्रेस के वोट काटकर पूरी कर दी। गोवा में तो लगता है कि कांग्रेस में आने वाले समय में कोई बड़ा नेता नहीं बचेगा। वहां आप, तृणमूल कांग्रेस व भाजपा की नजर कांग्रेस के नेताओं को तोड़कर अपने पाले में लाने पर लगी हुई है। मणिपुर विधानसभा के चुनाव में भी कांग्रेस बहुत कमजोर स्थिति में आ गई है। इस बार कांग्रेस महज 5 सीटें ही जीत पाई है। जबकि पिछली बार उसने 28 सीटों पर चुनाव जीता था। पिछली बार की तुलना में वहां कांग्रेस को 18.17 प्रतिशत वोट भी कम मिले हैं। उत्तर पूर्व के सभी आठों राज्यों में कांग्रेस सत्ता से बाहर हो गई है। 2014 में लोकसभा चुनाव हारने के बाद कांग्रेस केंद्र की सत्ता से बाहर हो गई थी। फिर 2019 के लोकसभा चुनाव में भी कांग्रेस हार गई थी। इसके साथ ही राज्य विधानसभाओं के चुनाव में भी कांग्रेस को लगातार हार का सामना करना पड़ रहा है। 2018 जरूर कांग्रेस के लिए कुछ अच्छा रहा। इस वर्ष कांग्रेस पार्टी ने कर्नाटक, मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़ व राजस्थान में अपनी सरकार बनाई। मगर पार्टी में नेताओं की आपसी गुटबाजी के चलते कर्नाटक व मध्य प्रदेश में भाजपा ने कांग्रेस में दलबदल करवा कर अपनी सरकार बनवा ली। कर्नाटक के मुख्यमंत्री व मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री कमलनाथ अपने साथी विधायकों को संतुष्ट नहीं कर पाए। जिसके चलते उन्हें सत्ता गंवानी पड़ी। अभी राजस्थान व छत्तीसगढ़ में कांग्रेस की सरकार चल रही है। महाराष्ट्र व झारखंड में कांग्रेस गठबंधन सरकार में शामिल है। कभी पूरे देश पर एकछत्र राज करने वाली कांग्रेस आज महज दो- चार प्रदेशों तक ही सिमट कर रह गई है। कांग्रेस के बड़े नेता जितिन प्रसाद, ज्योतिरादित्य सिंधिया, कैप्टन अमरिंदर सिंह, सुष्मिता देव, लुइजिन्हो फलेयरो, आर पी एन सिंह, आदिति सिंह ने कांग्रेस छोड़ दी है। पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव के नतीजों के बाद आयोजित कांग्रेस कार्यसमिति की मीटिंग में रश्मि तौर पर तो सभी ने गांधी परिवार पर भरोसा जताया। सोनिया गांधी को पद बने रहने का प्रस्ताव पास कर दिया था। मगर पार्टी के अंदर खाने लोगों में बदलाव की मांग तेज होती जा रही है। बहुत से वरिष्ठ कांग्रेसी नेता पार्टी का राष्ट्रीय अध्यक्ष गांधी परिवार से बाहर के व्यक्ति को बनाने की मांग कर रहे हैं। उत्तर प्रदेश जैसे बड़े राज्य में 397 सीटों पर चुनाव लड़ने पर कांग्रेस को महज 2.33 प्रतिशत वोट मिले। जबकि मात्र 34 सीटों पर चुनाव लड़ने वाले राष्ट्रीय लोकदल को कांग्रेस से अधिक 2.85 प्रतिशत वोट मिले हैं। उत्तर प्रदेश से लोकसभा की 80 सीटें आती हैं। वहां कांग्रेस का महज दो सीटों पर सिमट जाना पार्टी के लिए चिंतन मनन का विषय है। जबकि कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी पिछले तीन वर्षों से उत्तर प्रदेश में लगातार पार्टी को मजबूत करने में लगी हुई है। उनका पूरा फोकस उत्तर प्रदेश पर ही रहा है। पंजाब में ऐन चुनाव से पहले कैप्टन अमरिंदर सिंह को मुख्यमंत्री पद से हटाकर चरणजीत सिंह चन्नी को मुख्यमंत्री बनाना कांग्रेस के लिये आत्मघाती कदम साबित हुआ। पार्टी द्वारा नियुक्त प्रदेश प्रभारियों का खूब विरोध हो रहा है। अधिकांश प्रभारी ऐसे नेताओं को लगाया गया है जो स्वयं कई चुनाव हार चुके हैं। ऐसे नेता जो खुद चुनाव नहीं जीत सकते वो संगठन को कैसे मजबूत करेंगे। हरियाणा में सिटिंग विधायक रहते विधायक का चुनाव हारने वाले रणदीप सिंह सुरजेवाला के पास पार्टी के कई बड़े पद हैं। विवादों के चलते राजस्थान के प्रभारी महासचिव के पद से हटाये गये अविनाश पांडे को फिर से महासचिव व झारखंड का प्रभारी बना दिया गया हैं। दिल्ली में कांग्रेस का सफाया करने वाले अजय माकन पार्टी के महासचिव व राजस्थान के प्रभारी बने हुये हैं। माकन ही पंजाब में कांग्रेस की स्क्रीनिंग कमेटी के अध्यक्ष थे जिन पर काफी आरोप लगे हैं। केरल के केसी वेणुगोपाल संगठन महासचिव के रूप में पूरी पार्टी को चला रहे हैं। मौजूदा समय में कांग्रेस पार्टी में बड़े बदलाव की जरूरत है। राजस्थान व छत्तीसगढ़ जहां कांग्रेस की सरकारें चल रही हैं, वहां के मुख्यमंत्रियों के खिलाफ कांग्रेस विधायकों में व्याप्त असंतोष को पार्टी आलाकमान को समय रहते समाप्त करवाना चाहिए।

सोशल मीडिया भी बना रहा है डिप्रेशन का शिकार

- डॉ. राजेन्द्र प्रसाद शर्मा

बात भले अजीब लगे पर मनोविज्ञानी भी मानने लगे हैं कि सोशल मीडिया लोगों को तेजी से डिप्रेशन की ओर ले जा रहा है। देश-दुनिया में डिप्रेशन के आगोश में आने वाले लोगों की संख्या दिन दूनी रात चौगुनी बढ़ती जा रही है। पहली बात तो यह है कि क्या बड़े और क्या बालक और क्या पुरुष और क्या महिलाएं सभी का तेजी से रुझान सोशल मीडिया के किसी ना किसी माध्यम की और हो रहा है। दरअसल सोशल मीडिया अपनी बात कहने का प्लेटफार्म बन गया है तो लोगों को अपनी बात पोस्ट करते ही उस पर रिएक्शन की चाह भी तत्काल होने लगी है। किसी को भी एक क्षण की भी प्रतीक्षा नहीं रहती। ट्वीटर, फेसबुक, वाट्सएप, इंस्टाग्राम, मैसेंजर, शेयर चेट, कूकू, स्नेप चेट, हाईक, टेलीग्राम, मैसेज, रेडईट और ना जाने कितने ही सोशल मीडिया प्लेटफार्म दुनिया के देशों में चल रहे हैं। इनमें से कुछ केवल और केवल मात्र मनोरंजन के माध्यम है तो कुछ प्लेटफार्म अपना संदेश आसानी से पहुंचाने का प्रमुख माध्यम बन रहा है। सोशल मीडिया के इन प्लेटफार्म के चलते पोस्टकार्ड ही नहीं अपितु अब तो ईमेल भी बेमानी होती जा रही है। ईमेल तो अब केवल दस्तावेजों के आदान-प्रदान का माध्यम बनती जा रही है। हालांकि ईमेल का अपना महत्व आज भी बरकरार है। सोशल मीडिया के कारण ही साधारण मोबाइल फोन का स्थान अब एन्ड्राइड व कैमरा वाले मोबाइल फोन ने ले लिया है। इससे मोबाइल मार्केट में भी तेजी से विस्तार हुआ है तो नेटवर्क प्रदाता कंपनियों की बल्ले बल्ले का कारण भी बन गया है। डेटा देने के नाम पर कंपनियों में प्रतिस्पर्धा भी बढ़ी है तो बाजार में अधिक से अधिक पकड़ के लिए नित नए प्रयोग भी होने लगे हैं। सेल्फी और फोटो के लिए कैमरों की क्वालिटी और मोबाइल में स्टोरेज केपेसिटी को भी ग्राहकों को लुभाने का माध्यम बनाया जा रहा है। सोशल मीडिया के दुरुपयोग के मामले जिस तेजी से सामने आ रहे हैं वह भी एक नई चुनौती बनती जा रही है। पिछले तीन साल में कोरोना ने भी बहुत कुछ बदल कर रख दिया है। स्कूलों के बंद होने से ऑनलाइन पढ़ाई का जो दौर चला है उसके सकारात्मक परिणाम की तुलना में दुष्परिणाम भी सामने आ रहे हैं। दरअसल सोशल मीडिया के बढ़ते प्रयोग के साथ लोगों की सहनशीलता, संवेदनशीलता तेजी से कम होने लगी है। लोगों का धैर्य जवाब देता जा रहा है। दरअसल ज्योंही आपने सोशल मीडिया के किसी भी माध्यम पर कोई पोस्ट अपलोड की दूसरे ही क्षण आप उस पर प्रतिक्रिया को लेकर व्यग्र हो जाते हैं। एक नए तरह का टेंशन दिलो दिमाग में छा जाता है। पहला यह कि जो पोस्ट की है उसे संबंधित व्यक्ति या समूह ने देखा या नहीं, देख लिया तो उसकी प्रतिक्रिया व्यक्त हुई या नहीं। यदि प्रतिक्रिया नकारात्मक है तो अलग तरह की भावना पोस्टकर्ता के मन में आती है तो सकारात्मक रिएक्शन पर अलग तरह की भावना सामने आती है। पर सबसे पहले तो सोशल मीडिया पर पोस्ट करते ही टेंशन का दौर शुरू हो जाता है और इसका अंदाज इसी से लगाया जा सकता है कि बिना समय गंवाए बार-बार यह देखने का प्रयास करते हैं कि कितने लोगों ने देखा, फलां ने अभी तक क्यों नहीं देखा, अमुक ने मेरी पोस्ट को लाइक क्यों नहीं किया। अमुक की प्रतिक्रिया क्यों नहीं आई। खासतौर से जन्मदिन की विश या इसी तरह की पोस्टों पर बार-बार यही देखने की कोशिश की जाती है कि अब तक कितने लोगों ने अपनी प्रतिक्रिया दी है। यहां तक कि फलां व्यक्ति ने फलां की पोस्ट पर तत्काल प्रतिक्रिया दी और मेरी पोस्ट को अनदेखा कर दिया, यह भी तनाव का कारण बन जाता है। सोशल मीडिया को अपने विचारों की अभिव्यक्ति का माध्यम भी बनाया जा रहा है। खासतौर से फेसबुक पेज पर लंबी-लंबी पोस्ट अपलोड होती है और फिर उस पर प्रतिक्रियाओं का दौर शुरू होता है। यहां तक तो सब ठीक है पर अधिकांश लोग अप्रिय प्रतिक्रियाओं को पचा नहीं पाते और यह व्यक्तिगत द्वेष का कारण बनता जा रहा है। उसके बाद फ्रैंड-अनफ्रैंड करने का दौर शुरू हो जाता है। इसी तरह इंस्टाग्राम या अन्य प्लेटफार्म पर पोस्ट अपलोड करते ही किसने लाइक किया, किसने नहीं- इसका अंतहीन दौर शुरू हो जाता है। यह लगातार तनाव बनाए रखने का कारण बन जाता है। सोशल मीडिया आज के जमाने में एक दूसरे के नजदीक आने का जुड़ाव का बड़ा माध्यम है पर परिणाम इसके उलट ही देखने को मिल रहे हैं। सूचनाओं का आदान प्रदान तो हो रहा है पर यही सूचनाएं आपसी विवाद का कारण भी बनती जा रही है। बल्कि अब तो यहां तक होने लगा है कि सोशल मीडिया पर प्रतिक्रियाओं के आधार पर रिश्तों का ताना-बाना बुना जाने लगा है। कौन किसके नजदीक है इसका फैसला भी प्रतिक्रियाओं के आधार पर किया जाने लगा है। सोशल मीडिया के कारण जहां दिन रात इससे जुड़े रहने लगे हैं वहीं अनावश्यक तनाव भी बढ़ा रहे हैं। ऐसे में मनोविज्ञानियों के सामने नई चुनौती आने लगी है। लोग तेजी से डिप्रेशन का शिकार हो रहे हैं। मानवीय रिश्तों में मिठास के लिए आरंभ सोशल मीडिया खटास का कारण बनता जा रहा है। लगातार मानसिक दबाव के चलते लोग कुंठित और व्यग्र होते जा रहे हैं। रिश्तों का नए सिरे से विश्लेषण होने लगा है। इसे किसी भी तरह से समाज के लिए शुभ संकेत नहीं माना जा सकता। ऐसे में चिकित्सकों, समाज विज्ञानियों, मनोविश्लेषकों और चिंतकों को समय रहते कोई हल निकालना होगा नहीं तो डिप्रेशन का विस्तार रुकने वाला नहीं है। एक अच्छे उद्देश्य से शुरु सोशल मीडिया प्लेटफार्म अपनी राह भटक चुका है और यही कारण है कि लोगों के दिलोदिमाग पर नकारात्मक असर डालने लगा है। ऐसे में समय रहते समाधान खोजना ही होगा।

(लेखक स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

आज के कार्टुन

तप

सद्गुरु

करीब चार सौ साल पहले की बात है। जिला रायगढ़ (मध्य प्रदेश) में बिल्वा नाम का एक आदमी रहता था। ऊंची कदकाठी, गठीले बदन का सजीला व्यक्तित्व। जिंदगी से बहुत प्यार करने वाला बिल्वा यह तो जानता ही नहीं था कि डर किसे कहते हैं। यह किस चिड़िया का नाम है। सपेरों के उस कबीले में उसकी छवि, लीक से हटकर चलने वाले एक अजीब इंसान की थी। शिव का भक्त बिल्वा स्वभाव से ही विद्रोही था, जाहिर है कि हमेशा से समाज के कायदे-कानून को तोड़ने वाला। वह चलता तो इतने गर्व से था, मानो यह धरती उसे विरासत में ही मिली हो। वह एक ऐसा व्यक्ति था जो सामाजिक ढांचे में फिट नहीं बैठता था और उसे लोग एक विद्रोही के रूप में देखते थे। उसने कई विद्रोहपूर्ण कार्य भी किए, उनमें से एक यह था कि उस समय में प्रचलित कड़े जाति-भेद के नियमों की उसने कतई परवाह नहीं की। इस कारण बहुत कम उम्र में ही उसे मौत दे दी गई। बिल्वा को एक पेड़ से बांध कर उस पर उसी का एक भयंकर जहरीला सांप छोड़ दिया गया। इस तरह उसे जहरीले सांप से कटवाया गया। सांप का जहर उसकी रग-रग में फैलने लगा और उसका खून जमने लगा। दर्द बढ़ता जा रहा था। उसके फेफड़े सिकुड़ने लगे थे। उसने मन ही मन तय किया कि इन जालिमों को अपनी भयानक मौत का तमाशा देखकर खुश नहीं होने देगा। उसने अपनी सांसों पर नजर रखना शुरू कर दिया। सांसें भारी होने लगीं, मगर वह सिर्फ उन्हीं पर ध्यान देता रहा, जब तक कि उसकी सांसें थम न गई। उसने पूरी जागरूकता में शरीर छोड़ा। वह अपने जीवन-काल में सिर्फ एक भक्त था, उसने कभी कोई आध्यात्मिक साधना नहीं की थी। लेकिन अपने अंतिम समय में उसने जिस तरह से अपनी सांसों पर अपना ध्यान केंद्रित किया और जिस तरह से पूरी जागरूकता में उसने अपना शरीर छोड़ा, उसने उसका भविष्य कई तरह से बदल दिया। यही जागरूकता बिल्वा को अगले जन्म में अध्यात्म की गहरी खोज करने वाले इंसान के रूप में वापस ले आई। वह एक शिवयोगी थे। उनका जीवन बहुत ही तकलीफदेह था। कहना होगा कि दिल दहलाने वाले तप का जीवन था। शिवयोगी ने कठोर तप से योग में असाधारण दक्षता हासिल की।

सू-दोकू नवताल -2075

	4				5		2	
6	1			2			9	8
			9			4		
	7	8			6		5	3
				7				
9	6		5			1	4	
		7			8			
3	5			4			8	9
	2		3				1	

सू-दोकू -2074 का हल

8	6	4	2	7	9	5	3	1
7	3	9	1	8	5	2	6	4
1	5	2	4	3	6	7	9	8
4	1	3	8	6	7	9	5	2
5	8	6	9	2	4	3	1	7
2	9	7	5	1	3	8	4	6
9	4	8	7	5	1	6	2	3
3	7	5	6	4	2	1	8	9
6	2	1	3	9	8	4	7	5

प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं। इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है। आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3 X 3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें।

बायें से दायें:-

1. 'इश्क कभी करियो' गीत वाली फिल्म-4
4. 'किस कारण नैया डोली' गीतवाली सनी देओल, मीनाक्षी की फिल्म-3
7. मिथुन, रंभा, वैष्णवी की 'कारी कजरारी कंवारी' गीत वाली फिल्म-4
9. 'मैं एक प्यासी' गीत वाली सनी, संजय, धर्मेन्द्र, रवीना, दिव्या की फिल्म-3
11. विनोद खन्ना, शबाना आजमी की अरूणा विकास निर्देशित फिल्म-2
12. 'जब दिल चुराये कोई' गीत वाली दिनो मोरिया, बिपाशा की फिल्म-3
14. अनिलकपूर, अक्षय, ऐश्वर्या की 'इस टूटे दिल की पीर' गीत वाली फिल्म-2
17. 'मैं इश्क उसका' गीत वाली अर्जुन रामपाल, जायेद, अमीषा की फिल्म-2
19. सलमान खान, शिल्पा की 'फरियाद क्या करें हम' गीत वाली फिल्म-2
20. 'प्यार काहे बनाया' गीत वाली विनोद खन्ना, भानुप्रिया की फिल्म-2
21. 'प्रहार' में डिम्पल का नायक कौन-2
22. जैकी श्रॉफ, मनीषा कोइराला की 'एक बात बताऊं' गीतवाली फिल्म-3
24. लक्की अली, गौरी की एक फिल्म-2
25. फिल्म 'बड़े दिलवाला' में प्रिया गिल के साथ नायक-3
26. संजयकपूर, माधुरी की 'तूने अगर प्यार से देखा' गीत वाली फिल्म-2
28. 'जूली' में प्रियांशु की नायिका-2
29. जैकी श्रॉफ, डिम्पल कपाड़िया की 'फूल ये कहाँ से' गीत वाली फिल्म-2
30. 'मेरे चेहरे पे लिखा है' गीत वाली विकास भल्ला, काजोल की फिल्म-3
32. सनी देओल, अमीषा पटेल की 'घर आजा परदेसी' गीत वाली फिल्म-3
35. 'राज की बात कह दूं तो' गीत वाली नवीननिश्चल, प्राण, रेखा की फिल्म-2
36. मिथुन, मधु की तू चीज बड़ी है सख्त सख्त' गीत वाली फिल्म-5

फिल्म वर्ग पहेली- 2075

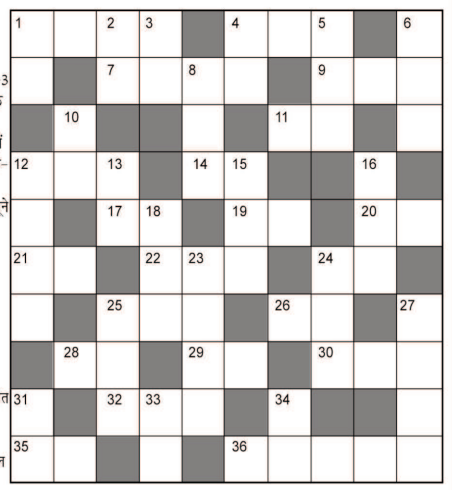

ऊपर से नीचे:-

13. इमरान, शाहबाज, तब्बू की फिल्म-2
15. परीक्षित साहनी, नूतन की 'एक छोरा है गोरा' गीत वाली फिल्म-3
16. आफताब, लिसा रे की फिल्म-3
18. 'बिन साजन झूला झूलू' गीत वाली फिल्म-3
23. राजेंद्रकुमार, धर्मेन्द्र, मालासिन्हा की 'बोल मेरे साथिया' गीत वाली फिल्म-4
24. 'जलते हैं जिसके लिये' गीत वाली सुनीलदत्त, नूतन की फिल्म-3
25. अक्षय, अजय, करिश्मा, नगमा की 'तेरे लिए जानम' गीत वाली फिल्म-3
27. अक्षय कुमार, करीना, प्रियंका की फिल्म-4
31. 'कहाँ गये ममता भरेदिन' गीतवाली फिल्म-2
33. 'बाबूजी जरा धीरे चलो' गीत वाली विवेक ओबेराय, दीया की फिल्म-2
34. अमिताभ, ओमपुरी, फरदीन, करीना की 'जब नही' गीत वाली फिल्म-2

फिल्म वर्ग पहेली- 2074

1. संजीवकुमार, विद्या सिन्हा की फिल्म-2
2. 'एक मैं हूं एक तू है' गीत वाली फिल्म-2
3. 'बड़े नाजुक दौर से' गीत वाली अभिषेक, भूमिका चावला की फिल्म-2
4. सनी, शाहरूख खान, जूही चावला फिल्म-2
5. 'तन्हा तन्हा दिल अपना' गीत वाली फिल्म-3
6. तुषार कपूर, अंतरा माली की 'मैं लव तुम से' गीत वाली फिल्म-3
8. 'चूड़े वाली छमिया मिला' गीत वाली सनी देओल, जयाप्रदा की फिल्म-3
10. फिल्म 'विश्वनाथ' में नायिका कौन थी ?-2
12. मनोजकुमार, नंदा की 'जाने चमन शोला बदन' गीत वाली फिल्म-4

बाइक राइडिंग का रखते हैं शौंक तो बेस्ट हैं ये जगहें!

अगर आप भी काम करते-करते थक गए हैं और बाइंकिग का भी शौंक रखते हैं तो और किसी छोटे वेकेशन की प्लानिंग कर रहे हैं तो निकल जाएं इन शानदार सड़कों के सफर पर। जहां ऊंचे पहाड़, गहरे झरने खूबसूरत हरे-भरे जंगल आपका इंतजार कर रहे हैं। ऐसी जगह खास तौर पर उन लोगों के लिए अच्छी है जो कि बाइक राइडिंग के शौकीन हैं। यहां पर आप कुदरती नजारों, पहाड़ों, झरनों का भी मजा ले सकते हैं। आइए जानते है उन जगहों के बारे में....

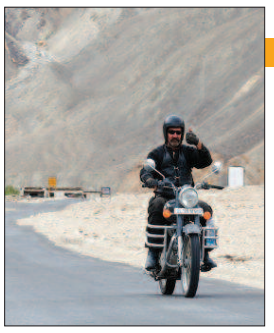

1. लेह, लद्दाख

चारो तरफ पहाड़ों से घिरे इस रूट पर ड्राइविंग का अपना एक अलग ही मजा आता है। ऊंचे पहाड़ों के बीच से निकलता खारदूंगला रोड, जो दुनिया भर में अपनी ऊंचाई के लिए जाना जाता है पर घूमने का अलग ही मजा है। इसके अलावा यहां का मैग्नेरटिक रोड खासतौर से मशहूर है। यहां पर टूरिस्ट अप्रैल से अगस्त तक बाइक राइडिंग करने के लिए आते हैं।

2.स्पीति वैली, हिमाचल

लद्दाख से थोड़ी ही दूर हिमाचल की स्पीति वैली हैं। बाइक से स्पीती वैली तक पहुंचने के लिए काजा, टैबो, स्पीती और पीन वैली जैसी कई खूबसूरत जगहें देखने को मिलती हैं। यहां पर सड़कों के किनारे सेब, खूबानी के पेड़ और सतलुज नदी की खूबसूरती के साथ प्राचीन मंदिरों को भी देख सकते है।

3.वालपराई और वाझाचल फॉरेस्ट

बाइक राइडिंग के लिए यह सबसे बेस्ट रूट है। यहां राइडिंग के दौरान घने, हरे-भरे जंगल और कई सारे छोटे-छोटे वाटर फॉल्स का नजारा देखने को मिलता है।।

4.गोवा, मुंबई

इंडिया के बिजनेस कैपिटल मुंबई से गोवा तक बाइक से सफर करना भी काफी मजेदार है। अमेरिका के 101 हाइवे से काफी मिलती-जुलती इस सड़क को इंडिया में बेस्ट कोस्टल राइडिंग के लिए जाना जाता है।

5.वेस्टर्न, अरुणाचल प्रदेश

हिमालय की ऊंची चोटियों को राइडिंग के वक्त देखना बहुत ही अच्छा एक्सपीरिएंस होता है। हालांकि यहां सड़कों की कमी है जिसके चलते ऊंचे-नीचे पहाड़ी रास्तों से गुजरना होता है। सफर के दौरान बर्फ से ढ़की सड़कें, ट्राइबल कल्चर और उनकी अलग सी लाइफस्टाइल को कैमरे में आसानी से कैद किया जा सकता है।

6. जैसलमेर, जयपुर

दोनों तरफ रेगिस्तारन और बीच में हाईवे का सफर में आपको राजस्थानी कल्चर देखने के कई मौके मिलते हैं। इसके साथ ही बीच-बीच में जोधपुर, ओसियां, पोकरन जैसे स्टॉकपेज आते हैं जो आपकी सैर को और भी मजेदार बनाएंगे।

एलीफेंट बीच अंडमान के मशहूर बीचों में से एक है। हैवेलॉक द्वीप पर स्थित इस बीच तक आप नाव से या फिर जंगल ट्रेक करके पहुंच सकते हैं। नीले पानी और चमकदार रेत वाले इस बीच पर आकर आपको बहुद सुकून मिलेगा। यह बीच शानदार कोरल रीफ और स्नॉर्कलिंग के लिए भी जाना जाता है। छुट्टियों में परिवार के साथ यदि आप भीड़भाड़ से अलग शांति और सूकुन वाली जगह की तलाश में है तो अंडमान-निकोबर बेस्ट जगह है। खूबसूरत कुदरती नज़ारों और साफ समुद्री तटों वाले अंडमान की शांति और सुंदरता हर किसी का मन मोह लेती है।

खूबसूरत कुदरती नज़ारों और बीचों की सैर करनी है तो जाएं अंडमान-निकोबार

साफ-सुंदर बीच

पानी से अटखेलियां करना पसंद है तो अंडमान के बीच आपको बुला रहे हैं। यहां के साफ पानी में आप स्कूबा डाइविंग, स्विमिंग, स्कीइंग, पैरास्लाइडिंग, बनान बोट राइड, अंडर वॉटर वॉकिंग आदि एडवेंचर गेम्स का मजा ले सकते हैं। स्कूब डाइविंग के दौरान समुद्र के नीचे रंग-बिरंगी मछलियों से मिलने का अनुभव यादगार बन जाएगा। यहां के बीच अपनी खूबसूरती और स्वच्छता के लिए मशहूर हैं। बीचों की सफेद और चमकीली रेत पर लेटकर जूस और कोल्ड ड्रिंक का मजा लें। क्योंकि अंडमान अपने बीचों के लिए ही मशहूर है तो कुछ खास बीचों की सैर करना न भूलें।

एलीफेंट बीच

यह अंडमान के मशहूर बीचों में से एक है। हैवेलॉक द्वीप पर स्थित इस बीच तक आप नाव से या फिर जंगल ट्रेक करके पहुंच सकते हैं। नीले पानी और चमकदार रेत वाले इस बीच पर आकर आपको बहुद सुकून मिलेगा। यह बीच शानदार कोरल रीफ और स्नॉर्कलिंग के लिए भी जाना जाता है।

राधानगर बीच

हैवलॉक द्वीप पर स्थित यह बीच भी बहुत मनोरम हैं यहां के दृश्य बेहद सुंदर हैं। अंग्रेजी मैगज़ीन टाइम द्वारा इसे भारत के सबसे अच्छे बीचों में से ए यर माना गया और पूरी दुनिया का यह सांतवा बेस्ट बीच है। फोटोशूट के लिए यह बीच एकदम परफेक्ट हैं तो यदि आप अंडमान जाएं तो इस बीच पर फोटो खिंचवाना न भूलें।

विजयनगर बीच

यह बीच भी अंडमान के बेस्ट बीचों में से एक है जो सैलानियों के बीच बहुत पॉप्युलर है। यहां का पानी बहुत साफ है और वातावरण स्वच्छ और सुंदर। यहां आप स्वीमिंगस बोटिंग, सर्फिंग और फोटोग्राफी का मज़ा ले सकते हैं। अंडमान के बीच फिलहाल अन्य जगहों के बीचों से साफ और सुंदर है, तो आप यदि कुदरत की गोद में सुकून भरे पल बिताना चाहते हैं तो अगली छुट्टी अंडमान में बिताएं।

काला पत्थर बीच

यह बीच भी बहुत सुंदर और शांत है। परिवार के साथ सुकून भरे तो पल बिताने वालों के लिए यह परफेक्ट जगह है। यहां की रेत चांदी की तरह चमकती है। इस बीच पर आप सनबाथ का मज़ा ले सकते हैं।

बेस्ट टाइम

572 छोटे-बड़े द्वीपों से मिलकर बना है अंडमान। यह देश के सबसे आकर्षक टूरिस्ट प्लेसेज में से एक है। सितंबर से लेकर मार्च तक का समय यहां जाने के लिए सबसे अच्छा है, क्योंकि तब आप यहां की कुदरती खूबसूरती के साथ ही सुहावने मौसम का पूरा मजा ले सकेंगे।

मलेशिया है बेहद ही खूबसूरत, बिताए गर्मियों की छुट्टियां

मलेशिया की राजधानी क्वालालम्पुर के अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर कदम रखते ही मुझे लगा कि मैं यूरोप, आस्ट्रेलिया या अमेरिका जैसे किसी विकसित देश की धरती पर खड़ी हूं। क्रोम और शीशे से बना यह हवाई अड्डा विश्व के सबसे आधुनिक हवाई अड्डों में एक है। चमकते हुए ग्रेनाइट के फर्श, नवीनतम तकनीक से लैस सभी सुविधाएं तथा डयूटीफ्री सामानों से भरी चमचमाती हुई दुकानें यहां आने वाले हर पर्यटक को सहज ही प्रभावित कर लेती हैं। मुझे लगा कि जब इतने ही दिनों में मलेशिया इतनी तरक्की कर सकता है तो हम क्यों नहीं? पर इस प्रश्न का जवाब सोचने से पहले ही मुझे पता लगा कि क्वालालम्पुर से पिनांग जाना है और वहां पहुंचने के लिए लगभग 40 मिनट की उड़ान फिर भरनी है। अभी भारतीय समय के अनुसार सुबह के पांच बजे थे, पर हवाई अड्डे की घड़ी सुबह साढ़े सात का समय दिखा रही थी यानी मलेशिया व भारत के समय में ढाई घंटे का अंतर था। मैंने स्थानीय समय के अनुसार अपनी घड़ी मिलाई और पिनांग जाने वाले विमान में बैठ गई।

सुपारी के पेड़ों वाला द्वीप

मलेशिया पर्यटन विभाग की ओर से गए हम आठ लोग थे जिनका स्वागत बहुत ही गर्मजोशी से पिनांग हवाई अड्डे पर टूर गाइड लेना व एडी ने किया। हवाई अड्डे से अपने होटल मुतियारा बीच रिसोर्ट तक जाते हुए लेना व एडी ने हमें पिनांग के बारे में तमाम जानकारियां दीं। पिनांग की खूबसूरती की एक झलक हमें रास्ते में ही मिल गई। हरी-भरी पहाड़ियों से घिरा पिनांग एक द्वीप है जिसका आकार एक तैरते हुए कछुए की तरह है। पिनांग की खूबसूरती से प्रभावित होकर ही ब्रिटिश रचनाकार सॉमरसेट मॉम ने लिखा था, यदि किसी ने पिनांग नहीं देखा, तो उसने संसार नहीं देखा। मुझे भी यहां आकर लगा कि मॉम ने कुछ गलत नहीं लिखा है। पूर्वी देशों के सबसे सुंदर शहरों में गिना जाता है पिनांग, जिसका नाम इस द्वीप पर बहुतायत से पाए जाने वाले सुपारी के पेड़ों के कारण पड़ा। मलय भाषा में पिनांग पान की सुपारी को कहते हैं। पूरब का मोती कहा जाने वाला यह द्वीप 1786 में सुदूर पूर्वी देशों में ब्रिटिश राज्य का पहला व्यापारिक केंद्र बना, पर आज यह पूरब और पश्चिम के मिलन का एक आकर्षक बिंदु है। चूंकि विश्व के लगभग सभी देशों से पर्यटक यहां वर्ष भर आते रहते हैं, अतः यहां की अर्थव्यवस्था का एक प्रमुख स्त्रोत पर्यटन है। पर्यटन संबंधी सुविधाएं यहां बहुत विकसित हैं और कई अंतरराष्ट्रीय इलेक्ट्रॉनिक्स कंपनियों का विकास भी काफी अच्छा है।

असर चीनी संस्कृति का

कई वर्षों तक ब्रिटिश शासन के अधीन रहने के कारण यहां की पुरानी इमारतों में ब्रिटिश स्थापत्य की झलक दिखती है। साथ ही चीनी संस्कृति का प्रभाव आज भी यहां के लोगों पर देखा जाता है। लेना व एडी ने चीनियों द्वारा बनाए गए कुआन यिन तेंग, वाट चैया मांगकालाराम तथा अन्य बौद्ध मंदिरों को दिखाते हुए बताया कि पिनांग की राजधानी जॉज टाउन में चीनियों द्वारा बनाए गए ऐसे कई बौद्ध मंदिर हैं, जहां एक विशेष जाति के चीनी लोग विभिन्न त्योहार मनाने के लिए आज भी इकट्ठे होते हैं। इन मंदिरों पर बनी अत्यंत महीन चीनी पेंटिंग व लकड़ी की नक्काशी से सजे पैनल इस देश के कलाकारों की प्रतिभा का परिचय देते हैं। थाईलैंड की स्थापत्य कला से प्रभावित वाट चैया मांगकालाराम मंदिर में भगवान बुद्ध की लेटने की मुद्रा में विश्व की तीसरी सबसे बड़ी प्रतिमा है।

एक अनुभव अनोखा सा

मीलों तक फैले रेतीले मैदान व नारियल के पेड़ों की कतारों से सजे पिनांग के समुद्र तट विदेशी पर्यटकों को वर्षो से आकर्षित करते आ रहे हैं। दो दिन की पिनांग यात्रा के दौरान लेना व एडी हमें यहां के लगभग सभी दर्शनीय स्थलों पर ले गए, हमने स्थानीय भोजन का स्वाद लिया और बटरवर्थ तथा पिनांग के द्वीप के बीच चलने वाली फेरी में बैठकर द्वीप के चारों ओर फैले नीले पानी की सैर की। इस फेरी में लगभग 100 से अधिक गाड़ियां लोड की जा सकती हैं और 20-25 मिनट में समुद्र के जरिये अपनी गाड़ी में बैठे-बैठे आप पिनांग द्वीप तक आ-जा सकते हैं। यह मेरे लिए एक अनोखा अनुभव था। चीन, ब्रिटेन, थाईलैंड, बर्मा आदि देशों से प्रभावित पिनांग के इतिहास की जानकारी लेते और यहां के शौकीन व बहुत ही मिलनसार लोगों की यादें दिल में लेकर हम पिनांग ब्रिज से होते हुए क्वालालम्पुर की ओर चल दिए। यह ब्रिज पिनांग द्वीप व मलेशिया प्रायद्वीप को जोड़ने वाला विश्व का तीसरा सबसे लंबा ब्रिज है। यहां इस ब्रिज से जाते हुए पिनांग द्वीप की आखिरी झलक हमें मिल रही थी।

ऐतिहासिक इमारतों के शहर में

क्वालालम्पुर जाते हुए हम मलेशिया के एक और राज्य पेराक से गुजरे जिसका मलय भाषा में अर्थ है चांदी। इस राज्य का यह नाम यहां पाई जाने वाली टिन की खानों के कारण पड़ा जिसका पेराक के इतिहास और अर्थव्यवस्था पर काफी गहरा प्रभाव रहा। पेराक की राजधानी ईपोह भी साफ सुथरे पार्क, चैड़ी सड़कों व आकर्षक ऐतिहासिक इमारतों के कारण दर्शनीय है। क्वाला कांगसार पेराक का शाही शहर है और यहां की प्राचीन खूबसूरत इमारतों में उबूदिहाह मसजिद व इस्कंदारियाह महल खास हैं। उबूदियाह मसजिद का निर्माण पेराक के 28वें सुलतान इदरीस मुर्शिदुल अदजाम शाह प्रथम के जमाने में शुरू हुआ पर इसके पूरा होने में काफी अड़चनें आई। प्रथम विश्वयुद्ध के दौरान हाथियों द्वारा यहां के इटैलियन मार्बल के फर्शो को तोड़ दिया गया और इसका उद्घाटन 1917 में हो सका। लगभग 100 वर्ष से भी अधिक पुराना रबर का पेड़ भी क्वाला कांगसार में दर्शनीय है। इसके अलावा पेराक की लाइमस्टोन गुफाएं और उनमें बौद्ध चित्रकला व बुद्ध की विशाल प्रतिमाएं भी देखने लायक हैं। लेटे हुए भगवान बुद्ध की 24 मीटर लंबी प्रतिमा के दर्शन करने हों, जो मलेशिया में सबसे लंबी प्रतिमा है, तो थाई बौद्ध मंदिर मेकप्रसित जाएं। यह ईपोह से तीन किलोमीटर उत्तर की ओर है। परिवार सहित आने वाले पर्यटकों के लिए आधुनिक राइड व झूलों से लैस बुकिट मेराह थीम पार्क भी यहां है, जो 600 हेक्टेयर में फैले लेक टाउन रिसोर्ट का एक हिस्सा है। पेराक टांग, सैम पोह टांग, शाही मसजिद, जैपनीज गार्डन, दारुल रिदजुआन संग्रहालय, ताम्बुन, सुंगकाई हिरण फार्म, क्वाला वोह जंगल पार्क, लता इस्कंदर वाटर फॉल आदि भी परोक के मुख्य दर्शनीय स्थलों में से हैं।

रोशनी के बाग में

क्वालालम्पुर देखने की उत्सुकता ने हमें चैथे दिन मलेशिया की राजधानी पहुंचा दिया। गार्डन सिटी ऑफ लाइट्स कहे जाने वाले अपने शहर को यहां के लोग प्यार से केएल कहते हैं। 88 मंजिलों वाले विश्व के सबसे ऊंचे फ्री स्टैंडिंग टॉवर्स पेट्रोनाज ट्विन टॉवर्स क्वालालम्पुर में प्रवेश करते ही दिखने लगते हैं। इस्लाम के पांच स्तंभों से प्रेरित यह इमारत मलेशिया की पहचान है। रात को ये टॉवर्स इतने खूबसूरत दिखते हैं कि इनकी ओर से आंखें हटाने की इच्छा नहीं होती। क्वालालम्पुर सिटी सेंटर के बीचोंबीच निर्मित पेट्रोनाज टॉवर्स मलय व आधुनिक आर्किटेक्चर का बेमिसाल नमूना है। इसके भीतर पेट्रोनाज फिलहारमोनिक हॉल है तथा पेट्रोनाज परफॉर्मिंग आर्ट्स ग्रुप भी। क्वालालम्पुर में हमने विश्व की चैथी सबसे लंबी (421 मीटर) तथा एशिया की सबसे ऊंची मीनार क्वालालम्पुर भी देखी, जिसके भीतर जाकर ऑब्जर्वेटरी डेक से आप पूरे क्वालालम्पुर तथा क्लैंग वैली का नजारा देख सकते हैं। यहां के रिवॉल्विंग रेस्टोरेंट में कई तरह के स्वादिष्ट भोजन का मजा लेते हुए आप क्वालालम्पुर की एक-एक इमारत, पार्क, संग्रहालय व घर आदि दूरबीन से देख सकते हैं। क्वालालम्पुर टॉवर दूरसंचार नेटवर्क, रेडियो व टीवी स्टेशन की ट्रांसमिशन टॉवर भी है।

सोना और चांदी के भाव में गिरावट

नई दिल्ली ।

कच्चे तेल के वैश्विक भाव में बढ़त के बाद सोने और चांदी की वायदा कीमतों में भी बुधवार को शुरुआती कारोबार में गिरावट देखने को मिली है।एमसीएक्स एक्सचेंज पर सोना वायदा गिरावट के साथ ट्रेड कर रहा था। एमसीएक्स पर पांच अप्रैल 2022 की डिलीवरी वाला सोना बुधवार सुबह 56 रुपए की मामूली गिरावट के साथ 51,323 रुपए प्रति 10 ग्राम पर ट्रेड करता दिखाई दिया। वहीं तीन जून 2022 की डिलीवरी वाला सोना इस समय 44 रुपए की मामूली गिरावट के साथ 51,663 रुपए प्रति 10 ग्राम पर ट्रेड करता दिखाई दिया। इसके अलावा वैश्विक स्तर पर बुधवार को शुरुआती कारोबार में सोने की वायदा कीमतें बढ़त के साथ ट्रेड करती दिखाई दीं। हालांकि सोने की वैश्विक हाजिर कीमत गिरावट के साथ ट्रेड करती दिखाई दी। दूसरी तरफ चांदी की घरेलू वायदा कीमतों में गिरावट देखने को मिली है। सोने के साथ ही चांदी की वायदा कीमतों में भी बुधवार सुबह गिरावट देखने को मिली। एमसीएक्स पर शुरुआती कारोबार में 5 मई 2022 की डिलीवरी वाली चांदी की कीमत 179 रुपए की गिरावट के साथ 67,513 रुपए प्रति किलोग्राम पर ट्रेड करती दिखाई दी। वैश्विक बाजार में सोने की वायदा कीमत मामूली बढ़त के साथ और हाजिर कीमत गिरावट के साथ ट्रेड करती दिखाई दीं। ब्लूमबर्ग के अनुसार सोने का वैश्विक वायदा भाव कॉमेक्स पर बुधवार सुबह 0.10 डॉलर की बढ़त के साथ 1926.80 डॉलर प्रति औंस पर ट्रेड करता दिखाई दिया। वहीं सोने का वैश्विक हाजिर भाव इस समय 0.11 डॉलर की गिरावट के साथ 1921.58 डॉलर प्रति औंस पर ट्रेड करता दिखाई दिया। चांदी के वैश्विक वायदा भाव बुधवार को शुरुआती कारोबार में चांदी की वायदा और हाजिर दोनों कीमतों में बढ़ोतरी के साथ कारोबार दर्ज किया गया।

सबसे बड़े तेल निर्यातक सऊदी अरब ने झाड़ा पल्ला, कहा- कच्चे तेल की कीमत के लिए मैं जिम्मेदार नहीं

बिजनेस डेस्क।

दुनियाभर में कच्चे तेल की लगातार बढ़ रही कीमतों पर सऊदी अरब ने अपना पल्ला झाड़ लिया है। इसके साथ ही उसने दुनिया को अपनी जिम्मेदारी समझने की बड़ी नसीहत दे डाली। सऊदी अरब का कहना है कि वैश्विक बाजार में क्रूड ऑयल की आपूर्ति में कमी के लिए वह जिम्मेदार नहीं है। वह इसके लिए कोई जिम्मेदारी नहीं उठाएगा। ईरान समर्थित यमन के हुती विद्रोहियों की ओर से किए गए हमले से सऊदी अरब में तेल उत्पादन बाधित होने के बाद उसने यह टिप्पणी की है। यूक्रेन पर रूसे के हमले की वजह से कच्चे तेल की कीमतों में हुई बढ़ोतरी और उत्पादन में वृद्धि को काबू में करने के ओपेक और अन्य तेल उत्पादक देशों के साथ समझौते को लेकर चल रही बातचीत के बीच सऊदी ने अपनी जिम्मेदारी से पल्ला झाड़ दिया है। अमेरिका में लोगों को चुकानी पड़ रही रिकॉर्ड कीमत सरकारी सऊदी प्रेस एजेंसी ने विदेश मंत्रालय के हवाले से कहा कि यमन के विद्रोहियों के खिलाफ मुकाबले के लिए ऊर्जा आपूर्ति बनाए रखने के लिए वैश्विक समुदाय अपनी जिम्मेदारी उठाए। ऐसा नहीं करने पर कच्चे तेल के मोर्चे पर मुश्किलें खत्म नहीं होंगी। फिलहाल स्थिति यह है कि अमेरिका में लोगों को पेट्रोल पंपों पर गैसोलीन (वाहन ईंधन) के लिए रिकॉर्ड कीमत चुकानी पड़ रही है। बार-बार हमले से प्रभावित हो रही उत्पादन क्षमता सऊदी अरब ने कहा कि हुतियों के बार-बार हमला करने की वजह से उसकी उत्पादन क्षमता प्रभावित हो रही है। वह तेल उत्पादन और आपूर्ति संबंधी अपने वादे पूरे नहीं कर पा रहा है। इससे दुनियाभर के बाजारों में ऊर्जा आपूर्ति की सुरक्षा और स्थिरता पर जोखिम पैदा होने लगा है। मंगलवार को कारोबार को दौरान बेंचमार्क ब्रेंट क्रूड 119 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया। एक दिन पहले यमन विद्रोहियों ने रविवार को सऊदी अरब के तेल और प्राकृतिक गैस उत्पादन को निशाना बनाकर सिलसिलेवार हमले किए।

एमबीएसआई ने चारपहिया इलेक्ट्रिक वाहन खंड में प्रवेश किया

मुंबई ।

यामाहा मोटर के साझा मोबिलिटी मंच मोटो बिजनेस सर्विस इंडिया (एमबीएसआई) ने वाहन सेवा फर्म मालबोर्क टेक्नोलॉजीज के साथ साझेदारी कर चार-पहिया इलेक्ट्रिक वाहन खंड में कदम रखा है। कंपनी ने बुधवार को कहा कि वह मालबोर्क के साथ इलेक्ट्रिक वाहन खंड में परिचालन शुरू करने के लिए काफी उत्साहित है। एमबीएसआई देश में साझा मोबिलिटी क्षेत्र में सक्रिय प्रौद्योगिकी स्टार्टअप को सेवाएं प्रदान करती है। वहीं बेंगलुरु स्थित मालबोर्क टेक्नोलॉजीज बेंगलुरु में ऐप-आधारित टैक्सी एग्रीगेटर सेवा देती है। एमबीएसआई के प्रबंध निदेशक शोजी शिरायशी ने कहा कि भारत में इलेक्ट्रिक वाहनों की बिक्री तेजी से बढ़ रही है। ग्राहक अब ईंधन की बढ़ती कीमतों की वजह से परंपरागत वाहनों से दूर हो रहे हैं। इस अहम संभावनाशील बाजार में तेजी आने के कई संकेत हैं।

एमबीएसआई का पिछले कुछ महीनों में यह दूसरा गठजोड़ है। पिछले महीने उसने किराए पर बाइक देने वाली कंपनी रॉयल ब्रदर्स के साथ भी साझेदारी की घोषणा की थी। मालबोर्क टेक्नोलॉजीज के संस्थापक एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी संजीव कुमार ने कहा कि हम सड़कों पर इलेक्ट्रिक वाहनों की संख्या बढ़ा रहे हैं और हमारा देश के कई अन्य शहरों में भी अपनी मौजूदगी बढ़ाने का इरादा है।

शहरी क्षेत्र में बेरोजगारी दर जुलाई-सितंबर, 2021 में घटकर 9.8 फीसदीः सर्वे

नई दिल्ली ।

देश में शहरी क्षेत्रों में 15 साल और उससे अधिक आयु व्यक्तियों के लिए बेरोजगारी दर जुलाई-सितंबर, 2021 में घटकर 9.8 प्रतिशत रह गई, जो इससे पिछले साल की इसी अवधि में 13.2 प्रतिशत थी। राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (एनएसओ) द्वारा जारी किए गए श्रमबल सर्वेक्षण से यह जानकारी मिली है। बेरोजगारी दर (यूआर) को श्रमबल में बेरोजगार व्यक्तियों के प्रतिशत के रूप में परिभाषित किया गया है। बेरोजगारी दर जुलाई-सितम्बर, 2020 में सबसे अधिक थी। ऐसा कोरोना वायरस महामारी को नियंत्रण में रखने के लिए लगाए गए देशव्यापी लॉकडाउन के कारण था। एनएसओ के 12वें आवधिक श्रम बल सर्वेक्षण (पीएलएफएस) के मुताबिक, अप्रैल-जून, 2021 में 15 वर्ष और उससे अधिक आयु के व्यक्तियों के लिए बेरोजगारी दर शहरी क्षेत्रों में 12.6 प्रतिशत थी। सर्वेक्षण के मुताबिक शहरी क्षेत्रों में महिलाओं (15 वर्ष और उससे अधिक आयु) की बेरोजगारी दर भी जुलाई-सितंबर, 2021 में घटकर 11.6 प्रतिशत रह गई, जो इससे एक साल पहले इसी अवधि में 15.8 प्रतिशत थी। यह आंकड़ा अप्रैल-जून, 2021 में 14.3 प्रतिशत था। इसी तरह शहरी क्षेत्रों में पुरुषों की बेरोजगारी दर भी घटकर 9.3 प्रतिशत रह गई, जो इससे एक साल पहले इसी अवधि में 12.6 प्रतिशत थी। जुलाई-सितंबर, 2021 के दौरान घटकर 9.3 प्रतिशत रह गई, जो इससे एक साल पहले इसी अवधि में 12.6 प्रतिशत थी। यह आंकड़ा अप्रैल-जून 2021 में 12.2 फीसदी था।

संक्षिप्त समाचार

भारत ने पहली बार हासिल किया 400 अरब डॉलर के निर्यात का लक्ष्य

नई दिल्ली । कोरोना संकट और रूस-यूक्रेन युद्ध से उपजे हालात के बीच मोदी सरकार ने बड़ी उपलब्धि हासिल की है। भारत ने पहली बार 400 अरब डॉलर के माल निर्यात का लक्ष्य हासिल किया है। पीएम नरेंद्र मोदी ने ट्वीट किया कि भारत ने पहली बार 400 अरब डॉलर के माल निर्यात का लक्ष्य हासिल किया है। मैं इस सफलता के लिए अपने किसानों, बुनकरों, एमएसएमई, निर्माताओं, निर्यातकों को बधाई देता हूं। यह हमारी आत्मनिर्भर भारत यात्रा में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है। ट्वीट में यह बताया गया है कि सरकार ने अपने तय समय सीमा से 9 दिन पहले ही यह लक्ष्य हासिल कर लिया। आंकड़ों के मुताबिक भारत ने हर दिन औसतन एक अरब डॉलर का माल निर्यात किया यानी हर दिन करीब 46 मिलियन डॉलर का माल दूसरे देशों को भेजा गया। अगर महीने की बात करें तो यह औसतन 33 अरब डॉलर प्रति माह बैठता है।

स्टेंजा लिविंग ने ऋण से 425 करोड़ का वित्त जुटाया

नई दिल्ली । किराए पर आवास मुहैया कराने वाली फर्म स्टेंजा लिविंग ने बुधवार को कहा कि उसने कारोबार विस्तार के लिए बैंकों से ऋण लेकर 425 करोड़ रुपए का वित्त जुटाया है। छात्रों एवं कामकाजी पेशेवरों को किराये पर आवास मुहैया कराने वाली फर्म स्टेंजा लिविंग ने एक बयान में कहा कि उसने कोटक महिंद्रा बैंक और आरबीएल बैंक से ऋण लेकर करीब 425 करोड़ रुपए का वित्त जुटाया है। वित्तपोषण के इस दौर में कंपनी की पुरानी ऋणदाता आल्टेरिया कैपिटल भी शामिल रही। कंपनी ने कहा कि इस वित्त का इस्तेमाल पूंजी व्यय और कई शहरों में कारोबार विस्तार के लिए किया जाएगा। फिलहाल 23 शहरों में वह परिचालन कर रही है। स्टेंजा लिविंग के प्रबंध निदेशक एवं सह-संस्थापक अनिंद्य दत्ता ने कहा कि ऋण के जरिये वित्त जुटाने की यह कोशिश बाजार की अल्पकालिक चुनौतियों से निपटने की योजना का हिस्सा है। इससे हमें इक्विटी पर ऊंचा रिटर्न देने और देश भर में अपना कारोबार फैलाने में मदद मिलेगी। गुरुग्राम स्थित इस कंपनी ने पिछले साल भी इक्विटी के जरिये 10 करोड़ डॉलर जुटाए थे। अब तक कंपनी करीब 22 करोड़ डॉलर का वित्त जुटा चुकी है।

भारत में खूब बिकती है 7 सीटर कारें

नई दिल्ली । भारत में चाहे सस्ती हो या महंगी, 7 सीटर कारों की खूब बिक्री होती है। मारुति सुजुकी की बजट एमपीवी मारुति अर्टिगा सबसे ज्यादा बिकने वाली 7 सीटर कार है। वहीं, महिंद्रा ऑटो की बजट 7 सीटर कार महिंद्रा बोलेरो भी खूब बिकती है। हाल ही में लॉन्च किआ कारेन्स भी अपनी किफायती कीमत से ग्राहकों को खूब आकर्षित कर रही है। आप भी इन दिनों अच्छी 7 सीटर एसयूवी, एमपीवी या यूवी खरीदने का मन बना रहे हैं तो आज हम आपको फरवरी 2022 की टॉप 10 बेस्ट सेलिंग 7 सीटर कारों के बारे में बताते हैं। भारत में सबसे ज्यादा बिकने वाली 6-7 सीटर कारों की बात होती है तो ज्यादातर लोग मारुति सुजुकी अर्टिगा का नाम लेते हैं और यह एमपीवी वाकई लाखों लोगों की फेवरेट है। पिछले महीने, यानी फरवरी 2022 में भी मारुति अर्टिगा की कुल 11,649 यूनिट बिकी है। इसके बाद महिंद्रा की सस्ती एसयूवी महिंद्रा बोलेरो की कुल 11,045 यूनिट बिकी। नई लॉन्च 6-7 सीटर किआ कारेन्स की पहले महीने ही 5,109 यूनिट बिक गई। चौछे नंबर पर रही टोयोटा इनोवा क्रिस्टा की कुल 4,318 यूविट बीते फरवरी बिकी है। मारुति सुजुकी की एसयूली मारुति एक्सएल6 पांचवें नंबर पर रही और इसकी पिछले महीने कुल 3304 यूनिट बिकी है। बेस्ट सेलिंग टॉप 10 6-7 सीटर कारों की बात करें तो छठे नंबर पर रही महिंद्रा स्कॉर्पियो की कुल 2610 यूनिट फरवरी 2022 में बिकी है। वहीं, ह्यूंदै अल्कजार की कुल 2516 यूनिट बिकी है। भारत में अच्छी कंपनी की सबसे सस्ती 7 सीटर एमपीवी रेनो ट्राइबर लिस्ट में आठवें नंबर पर है और इसकी कुल 2397 यूनिट बिकी है। भारत में अच्छी कंपनी की सबसे सस्ती 7 सीटर एमपीवी रेनो ट्राइबर लिस्ट में आठवें नंबर पर है और इसकी कुल 2397 यूनिट बिकी है। वहीं, 9वें नंबर पर मौजूद टाटा सफारी की कुल 1919 यूनिट बिकी है। टॉप 10 लिस्ट में आखिरी नंबर पर टोयोटा की धांसू एसयूवी टोयोटा फॉर्च्यूनर है, जिसकी कुल 1848 यूनिट बिकी है।

मार्च-मई के दौरान होटल बुकिंग महामारी-पूर्व के स्तर को पार करेगीः आईएचसीएल

नई दिल्ली । देश में इस वर्ष मार्च से मई के दौरान होटल बुकिंग कोविड-19 महामारी के पूर्व के स्तर को पार कर सकती है। इंडियन होटल्स कॉरपोरेशन लिमिटेड (आईएचसीएल) के एक वे रिष्ठ अे धिकारी ने यह बात कही। टाटा समूह की आतिथ्य फर्म के प्रमुख ने कहा कि उद्योग का दीर्घकालिक दृष्टिकोण पांच से दस साल पहले की तुलना में कहीं अधिक सकारात्मक होने जा रहा है। उन्होंने कहा कि पिछले चार से छह सप्ताह में हम जो अनुभव कर रहे हैं वह बहुत मजबूत पुनरुद्धार है। मैं निश्चित तौर पर कह सकता हूं कि मार्च, अप्रैल और मई में क्षेत्र का कारोबार 2019 की इसी अवधि की तुलना में अधिक होगा। उन्होंने कहा कि उद्योग में पुनरुद्धार का मुख्य कारण घरेलू मांग है, क्योंकि बायो बबल के कारण सीमित संख्या में ही अंतरराष्ट्रीय उड़ानों का संचालन हो रहा है। चटवाल ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय उड़ानों का संचालन फिर से शुरू होने में अभी समय है लेकिन घरेलू मांग बहुत ज्यादा मजबूत है। उल्लेखनीय है कि अंतरराष्ट्रीय उड़ानें 27 मार्च से फिर शुरू हो रही हैं।

पेट्रोल और डीजल की कीमतें लगातार दूसरे दिन 80 पैसे बढ़ी

नई दिल्ली ।

पेट्रोल और डीजल की कीमतों में लगातार दूसरे दिन बुधवार को 80 पैसे प्रति लीटर बढ़ गई है। दिल्ली के ईंधन खुदरा विक्रेताओं की मूल्य अधिसूचना के अनुसार दिल्ली में पेट्रोल की कीमत अब 97.01 रुपए प्रति लीटर होगी, जो पहले 96.21 रुपए प्रति लीटर थी। वहीं डीजल की कीमत 87.47 रुपए प्रति लीटर से बढ़कर 88.27 रुपए हो गई है। रिकॉर्ड 137 दिन के बाद 22 मार्च को कीमत में 80 पैसे प्रति लीटर की वृद्धि की गई थी। दिल्ली में पेट्रोल के दाम 97 रुपए और मुंबई 111.50 रुपए प्रति लीटर क्रॉस कर गए हैं। वहीं डीजल के दाम में भी 76 पैसे प्रति लीटर से लेकर 85 पैसे प्रति लीटर का इजाफा देखने को मिला है। इन दो दिनों में देश के चारों महानगरों में पेट्रोल और डीजल के दाम में डेढ़ रुपए प्रति लीटर से ज्यादा की तेजी देखने को मिली है। आईओसीएल के अनुसार देश के चारों महानगरों में पेट्रोल की कीमत में लगातार दूसरे दिन इजाफा देखने को मिला है। आंकड़ों के अनुसार देश की दिल्ली में पेट्रोल के दाम में 80 पैसे प्रति लीटर की तेजी देखने को मिली है। जबकि कोलकाता में 83 पैसे प्रति लीटर, मुंबई में 85 पैसे प्रति लीटर और चेन्नई में 75 पैसे प्रति लीटर का इजाफा देखने को मिला है। जिसके बाद चारों महानगरों में पेट्रोल के दाम क्रमशः 97.01 रुपए प्रति लीटर, 106.34 रुपए प्रति लीटर, 111.67 रुपए प्रति लीटर और 102.91 रुपए प्रति लीटर हो गए हैं। देश के चारों महानगरों में डीजल के दाम में 76 पैसे से लेकर 85 पैसे प्रति लीटर का इजाफा देखने को मिला है। वहीं चेन्नई में 76 पैसे प्रति लीटर की तेजी देखने को मिली है। जिसके बाद चारों महानगरों में दाम क्रमशः 88.27 रुपए प्रति लीटर, 91.42 रुपए प्रति लीटर, 95.85 रुपए प्रति लीटर, 92.85 रुपए प्रति लीटर हो गए हैं। दिलों में देश के चारों महानगरों में पेट्रोल और डीजल की कीमत में डेढ़ रुपए प्रति लीटर से ज्यादा का इजाफा देखने को मिला है। पहले दिल्ली में 1.60 रुपए, कोलकाता में 1.67 रुपए, मुंबई में 1.69 रुपए और चेन्नई में 1.51 रुपए प्रति लीटर कर इजाफा देखने को मिला है। वहीं डीजल दिल्ली में 1.60 रुपए, कोलकाता में 1.63 रुपए, मुंबई में 1.71 रुपए और चेन्नई में 1.52 रुपए प्रति लीटर का इजाफा देखने को मिला है।

1 हजार से कम कीमत के जूतों पर लगे 5 फीसदी जीएसटी

फुटवियर एसोसिएशन ऑफ इंडिया ने कहा

नई दिल्ली ।

फुटवियर एसोसिएशन ऑफ इंडिया के एक सम्मेलन में कन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स की ओर से यह कहा गया कि भारतीय उत्पादों के लिए वैश्विक बाजार में अधिक और पर्याप्त हिस्सेदारी हासिल करने के लिए देश में बनी वस्तुओं पर बीआईएस मानकों को लागू करना जरूरी है और देश के विकास कार्यों के लिए अधिक राजस्व अर्जित करने के लिए जीएसटी कर आधार का विस्तार करना और भी महत्वपूर्ण है। हालांकि, भारत में एक बड़ी आबादी और विविधता है, इसलिए यह बहुत जरूरी है कि कौन से उत्पाद बीआईएस मानकों को अपना सकते हैं और कौन से नहीं। इसके अलावा कौन से उत्पादों को जीएसटी टैक्स स्लैब की कौन सी कर श्रेणी में रखा जा सकता है, इस पर दोबारा से विचार होना चाहिए। इससे पीएम मोदी का आठे मनिर्भर भारत का दृष्टिकोण भी पूरा होगा। कैट के महासचिव प्रवीण खंडेलवाल ने कहा कि फुटवियर उद्योग द्वारा उठाई गई चिंताएं वाजिब हैं और कैट इस मामले को वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल और वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण के सामने उठाएगी। खंडेलवाल ने कहा कि पहले की तरह ही एक हजार रुपये से कम कीमत के जूते पर 5 फीसदी जीएसटी लगना चाहिए, और एक हजार रुपये से अधिक पर 12फीसदी के कर स्लैब के तहत रखा जाना चाहिए। इसी तरह, बीआईएस मानकों को भी उसी अनुपात में लागू किया जाना चाहिए। ऐसा इसलिए जरूरी है कि भारत विविधता का देश है जहां उपभोक्ता एक सामान्य व्यक्ति से लेकर सबसे संपन्न वर्ग तक हैं। हर प्रकार के सामान का खरीद व्यवहार उनके आर्थिक स्तर के अनुसार होता है और इसलिए उन्हें एक ही मापदंड से नियंत्रित नहीं किया जा सकता है। इसलिए सभी को समान शक्ति प्रदान करने और किसी भी कर चोरी की संभावना को कम करने या नियमों और नीतियों का पालन करने के लिए इसी प्रकार की कोई भी नीति या कर लगाया जाना चाहिए।खंडेलवाल ने कहा कि भारत में 90फीसदी लोग 1000 रुपये से कम की कीमत के जूते का उपभोग कर रहे हैं और जिनमें से सबसे बड़ी आबादी 500 रुपये से कम के जूते का उपभोग करती है। देश में 1800 से अधिक प्रकार के जूते चप्पल निर्मित होते हैं जिनमें महिलाओं, पुरुषों, बच्चों, खिलाड़ियों और उपभोक्ताओं के विभिन्न अन्य क्षेत्रों के लिए।

सुजुकी मोटर करेगी 10,445 करोड़ का निवेश

नई दिल्ली । भारत में कार निर्माता कंपनी सुजुकी मोटर करीब 10,445 करोड़ रुपये का निवेश करेगी। कंपनी यह निवेश इलेक्ट्रिक व्हीकल और बैटरी उत्पादन के लिए करने जा रही है। कंपनी के इस कदम से देश में इलेक्ट्रिक वाहनों (ईवी) क्षेत्र में तेजी आएगी। मारुति सुजुकी ने एक बयान में कहा, सुजुकी मोटर कॉरपोरेशन (एसएमसी) ने इलेक्ट्रिक वाहनों (बीईवी) और बैटरी के स्थानीय निर्माण के लिए लगभग 150 बिलियन येन (लगभग 104.4 बिलियन रुपये) का निवेश करने के लिए भारत के गुजरात राज्य के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं. एमओयू पर नई दिल्ली में आयोजित भारत-जापान आर्थिक मंच में जापानी प्रधान मंत्री फुमियो किशिदा और भारतीय प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी की उपस्थिति में हस्ताक्षर किए गए थे। मंच को संबोधित करते हुए एसएमसी के रिप्रेजेंटेटिव डायरेक्टर व प्रेसिडेंट तोशिहिरो सुजुकी ने कहा, ''सुजुकी का भविष्य का मिशन छोटी कारों के साथ कॉर्बन निरपेक्षता हासिल करने का है। हम आत्मनिर्भर भारत के लिए यहां लगातार निवेश जारी रखेंगे। एमओयू के तहत कंपनी की पूर्ण स्वामित्व वाली इकाई सुजुकी मोटर गुजरात प्राइवेट लिमिटेड 2026 तक एसएमसी के मौजूदा कारखाने के पास बीईवी बैटरियों के विनिर्माण संयंत्र पर 7,300 करोड़ रुपये का निवेश करेगी। इसके अलावा एसएमसी 2025 तक बीईवी विनिर्माण की उत्पादन क्षमता बढ़ाने के लिए भी 3,100 करोड़ रुपये का निवेश करेगी। समूह की एक अन्य कंपनी मारुति सुजुकी तोयोत्सु इंडिया प्राइवेट लि 2025 तक व्हीकल रिसाइक्लिंग संयंत्र के कंस्ट्रक्शन पर 45 करोड़ रुपये का और निवेश करेगी।

युद्ध के बीच इंटरनेट प्रतिबंध से रूस को 85 अरब का नुकसान

नई दिल्ली ।

यूक्रेन पर हमले के बाद से रूस को आर्थिक प्रतिबंधों और नुकसान का सामना करना पड़ रहा है। इस बीच इंटरनेट पर प्रे तिबंध लगाने से भी रूस को बड़ा नुकसान हुआ है। पहले इंटरनेट बंद करना और फिर सोशल मीडिया साइटों और न्यूज आउटलेट्स तक पहुंच रोककर रूस ने अब तक 2022 का सबसे बड़ा इंटरनेट शटडाउन किया है। एक टेक कंपनी की रिपोर्ट के मुताबिक यूक्रेन पर हमले के बाद से इंटरनेट बंद होने से रूस को 1.21 बिलियन डॉलर (85 अरब रुपए) का नुकसान हुआ है। महज कुछ हफ्तों के शटडाउन 22 मार्च तक 543 घंटे में 11.3 करोड़ लोग प्रभावित हुए। इस वजह से इसका बड़ा आर्थिक असर दिखाई पड़ रहा है। अब तक इंटरनेट को प्रभावित करने में कजाखस्तान सबसे आगे रहा है, लेकिन इस बार रूस उससे आगे निकल गया। कजाखस्तान में जनवरी में फ्यूल की बढ़ती कीमतों के विरोध में हिंसक प्रदर्शन हुए थे। इसके बाद वहां इंटरनेट शटडाउन किया गया, जिससे 430 मिलियन डॉलर का नुकसान हुआ था, लेकिन रूस कुछ ही हफ्तों में इस नुकसान से कई गुना आगे निकल गया। सबसे लंबे समय तक इंटरनेट बंद रखने के मामले में म्यांमार सबसे आगे है। यहां 2022 में 3,800 घंटे तक इंटरनेट शटडाउन हो चुका है। हालांकि, यह बांग्लादेश सीमा के पास देश के पश्चिमी हिस्से में हुआ, इस वजह से यह म्यांमार को इतना महंगा नहीं पड़ा। नाइजीरिया ने 2022 की शुरुआत में ट्विटर पर लगा प्रतिबंध हटा लिया, लेकिन जनवरी में इससे 10 करोड़ से अधिक लोग प्रभावित हुए और 83 मिलियन डॉलर का आर्थिक नुकसान हुआ। इथियोपिया में भी इस साल लगभग 2,000 घंटे के लंबे समय तक इंटरनेट बंद रहा। हालांकि, इसका असर कम लोगों पर पड़ा और सिर्फ 30 मिलियन डॉलर नुकसान का आकलन किया गया। 2021 में आई एक रिपोर्ट के मुताबिक सबसे ज्यादा इंटरनेट बंद करने वाले देशों में भारत प्रमुख चार देशों में शामिल है। बेलारूस, यमन, म्यांमार और भारत सबसे ज्यादा इंटरनेट बंद करने वाले देश हैं। 2020 में इंटरनेट शटडाउन के हवाले से यह रिपोर्ट बताती है कि भारत में 2020 में 8,927 घंटे इंटरनेट बंद रहा। 2020 में इंटरनेट शटडाउन के हवाले से यह रिपोर्ट बताती है कि भारत में 2020 में 8,927 घंटे इंटरनेट बंद रहा। इससे देश को तकरीबन 20 हजार करोड़ रुपए का नुकसान हुआ।

भारत मकानों की कीमतों में सालाना बढ़ोतरी मामले में 51 वें स्थान पर

नई दिल्ली । भारत मकानों की कीमतों में सालाना बढ़ोतरी के मामले में दुनियाभर के देशों में 51वें स्थान पर पहुंच गया है। 2021-22 की अक्टूबर-दिसंबर तिमाही में देश में मकानों की कीमतों में 2.1 फीसदी बढ़ोतरी हुई है। एक रिपोर्ट में कहा गया है कि अक्टूबर-दिसंबर तिमाही में मकानों की कीमतें बढ़ने के मामले में भारत वैश्विक सूची में पांच स्थान की छलांग लगाकर 51वें स्थान पर पहुंच गया है। 2020 की समान तिमाही भारत 56वें स्थान पर था। रिपोर्ट में कहा गया है कि 2020 की जनवरी-मार्च में भारत में मकानों की कीमतों में दो फीसदी का इजाफा हुआ था। हालांकि, दूसरी तिमाही में इसमें 1.9 फीसदी की गिरावट आई थी। उसके बाद 2020 की तीसरी तिमाही में कीमतें 2.4 फीसदी और चौथी तिमाही में 3.6 फीसदी बढ़ी थीं। वहीं, देश में मकानों के दाम 2021 की पहली तिमाही में 1.6 फीसदी व दूसरी तिमाही में 0.5 फीसदी बढ़े थे। आलोच्य तिमाही में तुर्की में मकानों की कीमतों में सालाना आधार पर सबसे तेज 59.6 फीसदी की वृद्धि हुई। न्यूजीलैंड में मकानों के दाम 22.6 फीसदी, चेक गणराज्य में 22.1 फीसदी, स्लोवाकिया में 22.1 फीसदी और ऑस्ट्रेलिया 21.8 फीसदी बढ़े हैं। हालांकि, मलयेशिया, माल्टा और मोरक्को में दाम क्रमशः 0.7 फीसदी, 3.1 फीसदी और 6.3 फीसदी की गिरावट देखने को मिली।

ईसीबी ने रॉय पर दो मैचों का प्रतिबंध लगाया

लंदन । इंग्लैंड क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) ने बल्लेबाज जेसन राय पर दो मैचों का प्रतिबंध लगाया है। प्रतिबंध के साथ ही उनपर 2,500 जीबीपी का जुर्माना भी लगाया गया है। ईसीबी ने हालांकि प्रतिबंध के कारणों का खुलासा नहीं किया है। वहीं एक रिपोर्ट के अनुसार राय ने प्रतिबंध लगाने के कुछ कारणों को स्वीकार किया है जो क्रिकेट के लिए नुकसानदेह हो सकते थे। राय टीम के प्रमुख बल्लेबाज है और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर एक बेहतरीन बल्लेबाज के रुप में जाने जाते हैं। ईसीबी ने एक बयान जारी करते हुए कहा है कि एक पूर्ण अनुशासनात्मक सुनवाई के बाद जिसमें सभी उपलब्ध सबूत सुने गए, अनुशासन पैनल ने फैसला सुनाया है कि रॉय को इंग्लैंड के अगले दो मैचों से निलंबित कर दिया जाना चाहिए। वहीं अगर वह अच्छा व्यवहार करते हैं तो इस निलंबन को समाप्त किया जा सकता है। इसके लिए उन्हें 2,500 जीबीपी का जुर्माना भी अदा करना होगा। इस बल्लेबाज ने अंतिम बार इंग्लैंड की ओर से जनवरी में वेस्टइंडीज के खिलाफ खेला था। इसके बाद वह पीएसएल खेले। वह आईपीएल में गुजरात टाइटन्स की के साथ हैं, लेकिन वह बायो बबल के कारण पीछे हट गए। माना गया कि जेसन ऑक्शन में मिली डेढ़ करोड़ की राशि से संतुष्ट नहीं है। एक वजह उनका परिवार से लंबे समय से दूर होना भी था।

टॅरनेशनल शतरंज टूर्नामेंट

रूस के पावेल पोंकरातोव नें जीता गुवाहाटी ग्रांड मास्टर शतरंज का खिताब

गुवाहाटी ,आसाम ।

नॉर्थ ईस्ट में पहली बार सम्पन्न हुए गुवाहाटी इंटरनेशनल शतरंज टूर्नामेंट का खिताब रोमांचक फाइनल मुक़ाबले में रूस के टॉप सीड पावेल पोंकरातोव नें जीत लिया उन्होने सबसे आगे चल रहे खिताब के प्रबल दावेदार परागुए के डेलगाड़ो रेमरीज़ को एक मुश्किल मुक़ाबले में पराजित करते हुए पहला स्थान हासिल किया । पहले बोर्ड पर अंतिम राउंड में काले मोहरो से खेल रहे पावेल पोंकरातोव नें सिसिलियन ड्रैगन ओपनिंग में बेहतर हाथी के एंडगेम में 56 चालों में बाजी अपने नाम की और 8.5 अंक बनाकर सबसे आगे निकल गए हालांकि दूसरे बोर्ड पर मिश्र के फावजी अधम नें भी भारत के सीआरजी कृष्णा को पराजित करते हुए 8.5 अंक बनाए पर बेहतर टाईब्रेक के आधार पर पावेल पहले और वह दूसरे स्थान पर रहे । भारत के एस नितिन तीसरे स्थान पर रहे उन्होने भारत के एस नितिन तीसरे स्थान पर रहे उन्होने अंतिम राउंड में हमवतन के रत्नाकरण को मात देते दी तो भारत के पूर्व राष्ट्रीय जूनियर चैम्पियनआराध्य गर्ग नें हमवतन शायांतन दास को हराकर ना सिर्फ चौंथा स्थान हासिल किया बल्कि अपना आखिरी इंटरनेशनल मास्टर नार्म भी हासिल कर लिया आराध्य गर्ग नें हमवतन शायांतन दास को हराकर ना सिर्फ चौंथा स्थान हासिल किया बल्कि अपना आखिरी इंटरनेशनल मास्टर नार्म भी हासिल कर लिया ,अब आराध्य को इंटरनेशनल मास्टर बनने के लिए अपनी फीडे रेटिंग को 2400 करने की औपचारिकता पूरी करनी है और उसके बाद वह भारत के अगले इंटरनेशनल मास्टर बन जाएँगे । महिला वर्ग में भारत के सिरजा शेषाद्री 6.5 अंक बनाकर पहले तो कोलोम्बिया की एंजेला फ़्रांको 6.5 अंक बनाकर टाईब्रेक के आधार पर दूसरे स्थान पर रही ।

जूनियर विश्व कप में उपयोगी साबित होगा एफआईएच प्रो लीग का अनुभव : सलीमा टेटे

भुवनेश्वर ।

भारतीय कप्तान सलीमा टेटे का मानना है कि एफआईएच प्रो लीग 2022 में सीनियर स्तर पर पदार्पण करने वाले कई युवाओं को इस अनुभव का फायदा जूनियर महिला विश्व कप में मिलेगा। अक्षता अबासो धेकाले, दीपिका, संगीता कुमारी और बिछू देवी खारीबाम ने एफआईएच प्रो लीग में सीनियर टीम में पदार्पण किया था। सलीमा ने कहा कि हमने सीनियर टीम के साथ एक अभ्यास मैच खेला जिससे काफी मदद मिली। टीम के कई खिलाडियों को भी एफआईएच हॉकी प्रो लीग में पदार्पण का मौका मिला। सलीमा ने कहा कि हमने इसका पूरा फायदा उठाकर तैयारी की। अभ्यास सत्र भी बहुत अच्छे रहे और सभी ने टीम को तैयार करने में काफी मदद की। जूनियर विश्व कप एक अप्रैल से दक्षिण अफ्रीका के पोशेफ्स्ट्रूम में खेला जाएगा। भारत को 2 अप्रैल को पहले मैच में वेल्स से खेलना है। सलीमा ने कहा कि कप्तान के तौर पर मैं हर खिलाड़ी के लिए जरूरत के समय उपलब्ध रहूंगी। मैं अच्छे संयोजन भी बनाना चाहूंगी। सीनियर खिलाडियों के साथ मिलकर रणनीति तय की जाएगा। मेरा काम टीम को साथ लेकर चलना है। भारत को पूल डी में जर्मनी, मलेशिया और वेल्स के साथ रखा गया है। भारत को तीन अप्रैल को जर्मनी से और 5 अप्रैल को मलेशिया से खेलना है।

आईपीएल में सबसे सफल विकेटकीपर में धोनी शीर्ष पर

मुम्बई । इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में सबसे सफल विकेटकीपरों में धोनी सहित सहित भारतीय खिलाड़ियों का दबदबा है। चेन्नई सुपरकिंग्स (सीएसके) सीएसके टीम के कप्तान महेंद्र सिंह धोनी आईपीएल में विकेटकीपर के तौर पर सबसे ज्यादा सफल हैं। धोनी ने 220 मैचों में 122 कैच और 39 स्टंपिंग के साथ ही कुल 161 शिकार किये हैं। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास के बाद भी धोनी आईपीएल में जमे हुए हैं। वह साल 2008 से आईपीएल खेल रहे हैं। टीम की सफलता में उनकी अहम भूमिका रही है। दिनेश कार्तिक : आईपीएल के इस सत्र में आईपीएल 2022 में रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर (आरसीबी) की ओर से खेलने जा रहे दिनेश कार्तिक विकेटकीपर के तौर पर सफलता के मामले में दूसरे नंबर पर हैं। कार्तिक ने 213 मैचों में कुल 147 शिकार किए हैं, जिसमें 115 कैच और 32 स्टंपिंग शामिल है। कार्तिक पिछले सत्र में केकेआर के कप्तान थे पर टीम के खराब प्रदर्शन के कारण उन्हें इस्तीफा देना पड़ा। रॉबिन उथप्पा : इस सत्र में सीएसके की ओर से खेलने जा रहे रॉबिन उथप्पा के नाम आईपीएल में विकेट कीपर के तौर पर कुल 90 विकेट हैं। उथप्पा ने 193 मैचों में 58 कैच और 32 स्टंपिंग की हैं। इस बार धोनी के विकेटकीपर की जिम्मेदारी संभालने के कारण उन्हें विकेटकीपर के तौर पर शायद ही अवसर मिले। ऋद्धिमान साहा : ऋद्धिमान साहा ने 133 आईपीएल मैचों में अभी तक कुल 82 शिकार किए हैं, जिसमें 62 कैच और 20 स्टंपिंग शामिल है।

औबेदुल्ला खां हेरीटैज कप हॉकी टूर्नामेंट-2022

म.प्र. हॉकी को 4-1 से हराकर की विजयी शुरूआत

भोपाल।

औबेदुल्ला खां हेरीटैज कप हॉकी टूर्नामेंट के दूसरे दिन दो मुकाबले खेले गए। पहला मैच पंजाब पुलिस और म.प्र. हॉकी के मध्य हुआ। दूसरा मैच इंडियन ऑयल और सीएजी के मध्य खेला गया। एडीसी टू गर्वनर अगम जैन ने किया प्लेयर ऑफ दी मैच को पुरस्कृत औबेदुल्ला खां हेरीटैज कप हॉकी टूर्नामेंट के दूसरे दिन मध्य प्रदेश हॉकी और पंजाब पुलिस की टीमों के मध्य पहला मुकाबला अपरांह 2:30 बजे खेला गया। इस मुकाबले में पंजाब पुलिस की टीम ने मध्य प्रदेश हॉकी को 4-1 से परास्त किया। इस मुकाबले में पंजाब पुलिस के खिलाड़ी बलविन्दर सिंह प्लेयर ऑफ द मैच रहे। जबकि दूसरा मुकाबला इंडियन ऑयल और सीएजी के मध्य खेला गया। इस मुकाबले में दोनों ही टीमें 2-2 से बराबरी पर रही। इस मैच में सीएजी के खिलाड़ी चंदन सिंह प्लेयर ऑफ दी मैच रहें। टूर्नामेंट के दूसरे दिन आज 2:30 बजे पहला मुकाबला मध्य प्रदेश हॉकी विरूद्ध पंजाब पुलिस के मध्य खेला गया। इस मुकाबले के पहले क्वार्टर में पंजाब पुलिस के खिलाड़ी बलबीन्दर सिंह ने मैच के 11वें मिनट में पेनॉल्टी स्ट्रोक को गोल में बदलकर अपनी टीम को 1-0 की बढ़त दिलायी। मैच के दूसरे क्वार्टर के 17वें मिनट में पंजाब पुलिस के खिलाड़ी समशेर सिंह ने फील्ड गोल कर टीम को 2-0 से आगे कर दिया। मैच के तीसरे क्वार्टर के 36वें मिनट में मध्य प्रदेश हॉकी के खिलाड़ी शॉन ग्लैडविन ने फील्ड गोल कर अपनी टीम का स्कोर 2-1 कर दिया। इसी क्वार्टर के 45वें मिनट में पंजाब पुलिस के खिलाड़ी अर्शदीप सिंह ने एक फील्ड गोल कर अपनी टीम को 3-1 से बढ़त दिलायी। मैच के चौथे और अंतिम क्वार्टर के 54वें मिनट में अर्शदीप सिंह ने एक फील्ड गोल कर अपनी टीम को 4-1 से विजय दिलायी। इस मैच के प्लेयर ऑफ दी मैच बलविन्दर सिंह रहे। उन्हें पांच हजार रूपये की नकद राशि से सम्मानित किया गया। प्रतियोगिता के अंतर्गत आज दूसरा मुकाबला इंडियन ऑयल और सीएजी के मध्य खेला गया। इस मुकाबले के पहले क्वार्टर में दोनों ही टीमें कोई गोल नहीं कर सकी। मैच के दूसरे क्वार्टर के 20वें मिनट में इंडियन ऑयल के खिलाड़ी रघुनाथ ने पेनॉल्टी कार्नर को गोल में बदलकर अपनी टीम को 1-0 की बढ़त दिलायी। इसी क्वार्टर के 29वें मिनट में सीएजी के खिलाड़ी चंदन सिंह ने पेनॉल्टी कार्नर को गोल में बदल का अपनी टीम को 1-1 की बराबरी पर ला दिया।

मैच के तीसरे क्वार्टर में एक बार फिर दोनों ही टीमें कोई गोल नहीं कर सकी। मैच के चौथे और अंतिम क्वार्टर में सीएजी के खिलाड़ी चंदन सिंह ने पेनॉल्टी स्ट्रोक को गोल में बदल कर अपनी टीम को 2-1 से बढ़त दिलायी। इसी क्वार्टर के 55वें मिनट में इंडियन ऑयल के खिलाड़ी तलविन्दर सिंह ने एक फील्ड गोल का अपनी टीम को 2-2 से बराबरी पर ला दिया। इसके पश्चात दोनों ही टीमें कोई गोल नहीं कर सकी और मुकाबला 2-2 की बराबरी पर समाप्त हुआ। इस मैच के प्लेयर ऑफ दी मैच सीएजी के खिलाड़ी चंदन सिंह रहे।

संक्षिप्त समाचार

आईपीएल के 15 वें सत्र में नई जर्सी में नजर आयेगी सीएसके

नई दिल्ली । इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के 15 वें सत्र में चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) टीम नई जर्सी में नजर आयेगी। महेन्द्र सिंह धोनी की सीएसके का पहला मुकाबला कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) से होगा। सीएसके ने अपने ट्विटर अकाउंट पर नई जर्सी का एक वीडियो साझा किया है। इसमें कप्तान धोनी, रवींद्र जडेजा, और ऋतुराज गायकवाड़ टीम की नई जर्सी में नजर आ रहे हैं। सीएसके से पहले नई टीम लखनऊ सुपर जायंट्स ने भी अपनी जर्सी जांच की थी। सीएसके ने यह नई जर्सी पिछले सत्र में पहनी गई जर्सी जैसी ही है। इसके डिजाइन और रंग में बहुत ज्यादा बदलाव नहीं है। जर्सी के कंधे पर अलग से एक पैटर्न बना हुआ है। वहीं जर्सी के सामने वाले हिस्से पर पुराने अंदाज में ही शेर का निशान है। वीडियो के अंत में धोनी की जर्सी नंबर-7 को बिल्कुल नए अवतार में दिखाया गया है। सीएसके ने मेगा नीलामी से पहले ही 4 खिलाड़ियों रवींद्र जडेजा, महेंद्र सिंह धोनी, मोइन अली और ऋतुराज को बरकरार रखा था पर मोईन अभी तक भारत नहीं पहुंचे हैं। ऐसे में उनकी जगह न्यूजीलैंड के बल्लेबाज डेवोन कॉनवे को भी पहले मैच में जगह मिल सकती है। सीएसके दल इस प्रकार है : महेन्द्र सिंह धोनी (कप्तान), रवींद्र जडेजा, मोईन अली, ऋतुराज गायकवाड़, अंबाती रायुडू, ड्वेन ब्रावो, रॉबिन उथप्पा, शिवम दुबे, महेश थीक्षाना, दीपक चाहर, केएम आसिफ, राजवर्धन हैंगरगेकर, सिमरजीत सिंह, डेवोन कॉनवे, ड्वेन प्रिटोरियस, मिचेल सैंटनर, एडम मिल्ने, सुभ्रांशु सेनापति, प्रशांत सोलंकी, मुकेश चौधरी, सी हरि निशांत, एन जगदीसन, क्रिस जॉर्डन और भगत वर्मा, तुषार देशपांडे।

आईपीएल के लिए टिकट ब्रिकी शुरु

मुंबई । इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के 15 वें सत्र की शुरुआत शनिवार से चेन्नई सुपरकिंग्स (सीएसके) और कोलकाता नाईट राइडर्स (के के आर) के बीच होने वाले मैच से होगी। इस बार आईपीएल में दर्शकों को भी प्रवेश मिलेगा। वहीं इससे पहले कोरोना महामारी के कारण पिछले दो साल से दर्शकों को स्टेडियम में प्रवेश नहीं मिला था पर इस बार आईपीएल मुकाबले दर्शकों के बीच ही खेले जाएंगे। प्रशंसकों के रहने से खेल का भी रोमांच बढ़ने के साथ ही खिलाड़ियों का भी उत्साह बढ़ेगा। दर्शक के लिए टिकट की ऑनलाइन बुकिंग भी शुरु हो गयी है। आईपीएल मुकाबले मुंबई, नवी मुंबई और पुणे में खेले जाएंगे। इसमें कोविड-19 प्रोटोकॉल के तहत 25 फीसदी दर्शकों को ही प्रवेश मिलेगा। 20-20 मैच वानखेड़े और डीवाई पाटिल स्टेडियम में होंगे जबकि 15-15 मैच ब्रेबोर्न और पुणे के एमसीए स्टेडियम में खेले जाएंगे। आईपीएल का प्रायोजन इस बार टाटा कर रही है। आयोजकों को उम्मीद है कि भारी तादाद में लोग मैच देखने आयेंगे।

रॉयल्स के गेंदबाजों से कोच मलिंगा को काफी उम्मीदें

मुंबई ।

आईपीएल के 15 वें सत्र के लिए राजस्थान रॉयल्स के गेंदबाजी कोच बने पूर्व श्रीलंकाई कप्तान लसिथ मलिंगा बेहद उत्साहित हैं। मलिंगा के अनुसार इस टीम के साथ जुड़कर उन्हें खुशी हुई है। मलिंगा ने कहा कि हमारे पास खिलाड़ियों का एक शानदार समूह है। इसमें ऐसे खिलाड़ी हैं भविष्य में भारत की ओर से खेल सकते हैं। टीम के सभी खिलाड़ी परिधाम की परवाह किये बिना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन का प्रयास कर रहे हैं। मलिंगा ने कहा कि कोचिंग में आना और युवा खिलाड़ियों को अपना अनुभव देना मेरे लिए नई बात नहीं है। मैंने इससे पहले मुंबई इंडियंस में भी यही भूमिका निभाई थी।

वहीं अब मैं रॉयल्स के साथ काम करने को लेकर उत्साहित हूं। यह मेरे लिए एक नई जगह है। मैं प्रतिभावान गेंदाबाजों के समूह के साथ काम करने का आनंद ले रहा हूं। 13 वें सत्र में मुम्बई के साथ रहे मलिंगा ने कहा राजस्थान टीम में पहले भी अच्छे अंतरराष्ट्रीय और स्थानीय खिलाड़ी थे। मैं जब भी उनका सामना करता था, तो मेरे लिए मुश्किल था। मुझे लगता है कि वे बहुत प्रतिस्पर्धी थे और अपना दिन होने पर किसी भी टीम को हरा सकते थे। वहीं इस बार की राजस्थान रॉयल्स की टीम में शामिल तेज गेंदबाजों के को लेकर मलिंगा ने कहा कि मेरा मानना है कि हमारे पास बेहतरीन तेज गेंदबाजी आक्रमण है। टीम में ट्रेंट बोल्ट और नाथन कुल्टर नाइल जैसे अनुभवी खिलाड़ी हैं, जिनके साथ मैंने पहले काम किया है। फिर हमारे पास प्रसिद्ध कृष्णा, नवदीप सैनी जैसे तेज गेंदबाज भी हैं,जो अपने आप को पहले ही साबित कर चुके हैं। उनके अलावा अनुनय सिंह, कुलदीप सेन और कुलदीप यादव भी हैं। मैं यहां सभी परिस्थितियों में उनसे सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन कराने के लिए उनका मार्गदर्शन करने के लिए तैयार हूं।

आईपीएल 2022 : किस टीम के खिलाफ कब और कहां खेलेगी मुंबई इंडियंस

स्पोर्ट्स डेस्क । इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) की सबसे सफल टीमों में से एक मुंबई इंडियंस अपने सफर की शुरुआत दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ मैच से करेगी। यह मैच 27 मार्च को मुंबई के ब्रेबोर्न स्टेडियम में होगा। आईपीएल 2022 में रोहित शर्मा मुंबई इंडियंस की कप्तानी करेंगे। मुंबई इंडियंस ने 2022 सीजन के लिए अपने टीम में 4 खिलाड़ियों को बरकरार रखा जिसमें कप्तान रोहित शर्मा के अलावा तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह, सूर्यकुमार यादव और कीरोन पोलार्ड शामिल थे। आईपीएल 2022 की नीलामी के दौरान मुंबई ने अपनी टीम में 21 खिलाड़ियों को खरीदा। ईशान किशन पर फ्रेंचाइजी ने सबसे 15.25 करोड़ की बोली लगाई। कुछ अन्य महत्वपूर्ण खिलाड़ी जिन्हें मुंबई ने नीलामी के दौरान खरीदा था उनमें मुरुगन अश्विन, टाइमल मिल्स, फैबियन एलन, जोफ्रा आर्चर और रिले मेरेडिथ शामिल हैं। हालांकि आर्चर चोटिल होने के कारण इस सीजन में नहीं खेलेंगे। मुंबई इंडियंस का शेड्यूल 27 मार्च - एमआई बनाम दिल्ली कैपिटल्स, ब्रेबोर्न स्टेडियम, मुंबई, दोपहर 3:30 बजे 02 अप्रैल - एमआई बनाम राजस्थान रॉयल्स, डॉ डीवाई पाटिल स्पोर्ट्स अकादमी, मुंबई, दोपहर 3:30 बजे 06 अप्रैल - एमआई बनाम कोलकाता नाइट राइडर्स, महाराष्ट्र क्रिकेट एसोसिएशन स्टेडियम, पुणे, शाम 7:30 बजे 09 अप्रैल - एमआई बनाम रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर, महाराष्ट्र क्रिकेट एसोसिएशन स्टेडियम, पुणे, शाम 7: 30 बजे 13 अप्रैल - एमआई बनाम पंजाब किंग्स, महाराष्ट्र क्रिकेट एसोसिएशन स्टेडियम, पुणे, शाम 7: 30 बजे 16 अप्रैल - एमआई बनाम लखनऊ सुपर जायंट्स, ब्रेबोर्न स्टेडियम, मुंबई, शाम 7: 30 बजे 21 अप्रैल - एमआई बनाम चेन्नई सुपर किंग्स. डॉ डी वाई पाटिल स्पोर्ट्स अकादमी, मुंबई, शाम 7: 30 बजे 24 अप्रैल - एमआई बनाम लखनऊ सुपर जायंट्स, वानखेड़े स्टेडियम, मुंबई, शाम 7: 30 बजे 30 अप्रैल - एमआई बनाम राजस्थान रॉयल्स, डॉ डी वाई पाटिल स्पोर्ट्स अकादमी, मुंबई, शाम 7:30 06 मई - एमआई बनाम गुजरात टाइटन्स, ब्रेबोर्न स्टेडियम, मुंबई, शाम 7:30 बजे 09 मई - एमआई बनाम कोलकाता नाइट राइडर्स, डॉ डी वाई पाटिल स्पोर्ट्स अकादमी, मुंबई, शाम 7:30 बजे 12 मई - एमआई बनाम चेन्नई सुपर किंग्स, वानखेड़े स्टेडियम, मुंबई, शाम 7:30 बजे।

धवन को मिल सकती है ऑरेंज कैप: चोपड़ा

मुम्बई । पूर्व क्रिकेटर आकाश चोपड़ा ने कहा है कि इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के 15 वें सत्र में अनुभवी सलामी बल्लेबाज शिखर धवन को ऑरेंज कैप मिल सकती है। वहीं पंजाब किंग्स प्ले-ऑफ में अपनी जगह बनाएगी और आगामी सत्र में शीर्ष-4 टीमों में जगह बनाएगी। उन्होंने कहा कि अपने पहले खिताब की तलाश में लगी पंजाब किंग्स टीम ने मेगा नीलामी में अच्छे खिलाड़ियों को खरीदा है। चोपड़ा ने कहा है कि पंजाब किंग्स टीम आईपीएल के आगामी सत्र में अच्छा प्रदर्शन करेगी। उन्होंने कहा, धवन पंजाब किंग्स के लिए सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी होंगे। ऐसी संभावना है कि वह इस प्रक्रिया में ऑरेंज कैप भी हासिल कर सकते हैं। वहीं तेज गेंदबाज कागिसो रबाडा सबसे अधिक विकेट लेकर वह पर्पल कैप जीत सकते हैं। वहीं सबसे ज्यादा स्ट्राइक रेट को लेकर मयंक अग्रवाल, लियाम लिविंगस्टोन और शाहरुख खान के बीच मुकाबला होगा। साथ ही कहा कि पंजाब शीर्ष-4 में पहुंच सकती है क्योंकि उनके पास अच्छे खिलाड़ी हैं। पंजाब किंग्स टीम की कप्तानी आगामी सत्र में मयंक अग्रवाल संभालेंगे। चोपड़ा ने रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर (आरसीबी) के खिलाफ पहले मैच के लिए पंजाब किंग्स की संभावित अंतिम ग्यारह हो लेकर भी बात की। उन्होंने कहा, धवन और मयंक पारी की शुरुआत करेंगे। यह सबसे बेहतरीन ओपनिंग जोड़ी साबित हो सकती हैं।

25 साल की उम्र में संन्यास ले रहीं बार्टी

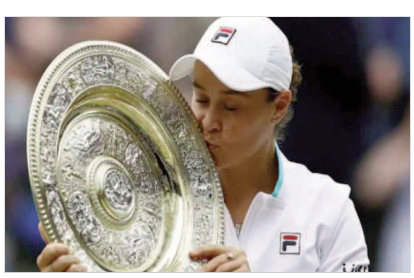

सिडनी ।

ऑस्ट्रेलियाई महिला टेनिस स्टार एश्ले बार्टी टेनिस जगत को अलविदा कहने जा रही हैं। विश्व की नंबर एक खिलाड़ी बार्टी के केवल 25 साल की उम्र में ही संन्यास के फैसले से टेनिस जगत हैरान है हालांकि इसकी औपचारिक घोषणा वह गुरुवार को करेंगी। किसी को भी उम्मीद नहीं थी कि इतनी कम उम्र में बार्टी खेल को अलविदा कह देंगी। विश्व की नंबर एक खिलाड़ी और तीन बार की ग्रैंड स्लैम विजेता खिलाड़ी के अचानक खेल से दूर होने की घोषणा से प्रशंसकों में निराशा फैल गयी है। बार्टी ने पेशेवर टेनिस को अलविदा कहने का फैसला सोशल मीडिया पर एक वीडियो संदेश जारी कर दिया। बार्टी ने इस वीडियो संदेश में अपने जीवन के इस सबसे अहम फैसले की जानकारी अपने प्रशंसकों के साथ साझा की है। इस खिलाड़ी ने लिखा, मेरे लिए आज का दिन बहुत ही कठिन और भावनाओं से भरा रहा है क्योंकि मैंने पेशेवर टेनिस से अचानक ही संन्यास लेने का फैसला लिया है। मैं इस बात की घोषणा कर रही हूं और मुझे यह बिल्कुल नहीं पता की आप सभी के साथ इस बात को किस तरह से साझा किया जाए, इसी वजह से अपने दोस्त की सहायता से ऐसा कर रही हूं। इस खिलाड़ी का सफर शानदार रहा है। वह अभी विश्व की नंबर एक खिलाड़ी होने के अलावा ऑस्ट्रेलियन ओपन, फ्रेंच ओपन और विंबलडन विजेता भी हैं। बार्टी ने साल 2019 में अपने करियर का सबसे पहला ग्रैंड स्लैम स्लैम फ्रेंच ओपन के तौर पर जीता था। इसके अलावा गत वर्ष 2021 में विंबलडन और इस साल आस्ट्रेलिया ओपन में भी जीत हासिल की थी।

रिचर्डसन पाकिस्तान के खिलाफ एकदिवसीय सीरीज से बाहर

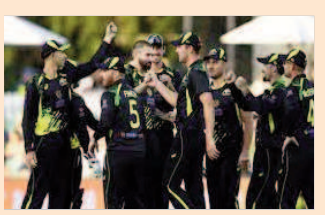

सिडनी । पाकिस्तान के खिलाफ सीमित ओवरों की एकदिवसीय क्रिकेट सीरीज शुरू होने से पहले ही ऑस्ट्रेलियाई टीम को करारा झटका लगा है। टीम के तेज गेंदबाज केन रिचर्डसन हैमस्ट्रिंग की चोट के कारण एकदिवसीय और एकमात्र टी20 सीरीज से बाहर हो गये हैं। ऐसे में अब रिचर्डसन की जगह पर टीम में एक नये खिलाड़ी बेन द्वारशुइस को शामिल किया गया है हालांकि बेन ने अभी तक कोई अंतरराष्ट्रीय मैच नहीं खेला है। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया (सीए) ने अपने एक बयान में कहा है कि दोनों देशों के बीच तीन एकदिवसीय मैचों की सीरीज के अलावा एक टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच भी खेला जाएगा। एकदिवसीय सीरीज में तेज गेंदबाज मिचेल स्टार्क, जोस हेजलवुड और पैट कमिंस के भी नहीं होने से ऑस्ट्रेलियाई टीम को रिचर्डसन की कमी खलेगी। ऑस्ट्रेलिया की क्रिकेट टीम 24 साल के बाद पाकिस्तान दौरे पर है। इसमें एकदिवसीय सीरीज का पहला मुकाबला लाहौर के गद्दाफी स्टेडियम में 29 मार्च को खेला जाएगा। वहीं एक मात्र टी20 मैच 5 अप्रैल को लाहौर में खेला जाएगा। एकदिवसीय सीरीज के सभी मुकाबले लाहौर में खेले जाएंगे। रिचर्डसन के इस दौरे से बाहर होने के बाद अब गेंदबाजी आक्रमण की कमान जेसन बेहरेनडॉर्फ पर रहेगी। इस दौरान सीन एबॉट, नाथन एलिस और बेन द्वारशुइस उनका साथ देंगे।

रेलवे विद्युतीकरण विभाग ने अहमदाबाद मंडल के मेहसाणा-पाटन-भीलडी सेक्शन को चालू करके एक और उपलब्धि हासिल की

अहमदाबाद । भारतीय रेलवे के शत-प्रतिशत विद्युतीकरण के क्रम में, केंद्रीय रेल विद्युतीकरण संगठन प्रयागराज (कोर) की अहमदाबाद इकाई के रेलवे विद्युतीकरण विभाग ने अहमदाबाद मंडल के मेहसाणा-पाटन-भीलडी सेक्शन को चालू करके एक और उपलब्धि हासिल की है। रेलवे विद्युतीकरण, अहमदाबाद के मुख्य परियोजना निदेशक डी के श्रीवास्तव के नेतृत्व और मार्गदर्शन में उत्कृष्ट कार्य प्राप्त किया गया है, जिसके बाद नए विद्युतीकृत खंड में माल और यात्री ट्रेन के उद्घाटन के लिए रेल संरक्षा आयुक्त द्वारा निरीक्षण किया गया। रेल संरक्षा आयुक्त के निरीक्षण के लिए खंड की पेशकश करने से पहले, विद्युत लोको परीक्षण 110 किमी प्रति घंटे की गति से सफलतापूर्वक पूरा कर लिया गया है। आर के शर्मा, रेल संरक्षा आयुक्त /पश्चिम परिमंडल ने दिनांक 23.03. 2022 को 47.5 आरकेएम और 57.4 टीकेएम के पाटन-भीलडी अनुभाग का निरीक्षण किया और तकनीकी पहलू और ओएचई प्रणाली की विश्वसनीयता और सुरक्षा में सुधार के लिए सलाह दी। रेल संरक्षा आयुक्त ने प्रमुख मुख्य विद्युत अभियंता पश्चिम रेलवे, जी एस भावरिया के साथ मुख्यालय/पश्चिम रेलवे के अधिकारियों और अहमदाबाद मंडल के मंडल रेल प्रबंधक तरुण जैन के एवं अहमदाबाद मंडल के अधिकारियों के साथ अनुभाग का निरीक्षण किया7 यह कमीशनिंग जोधपुर को जोड़ने वाले मेहसाणा - पाटन - भीलड़ी - भगत की कोठी खंड को पूरा करने की दिशा में एक कदम आगे ले जाएगा जो पश्चिमी राजस्थान में स्थित है। जोधपुर एक लोकप्रिय पर्यटन स्थल है, जिसमें कई महल, किले और मंदिर हैं, जो थार रेगिस्तान के परिदृश्य में स्थित हैं। यह राजस्थान और पूरे भारत के लोगों के बीच “ब्लू सिटी” के रूप में लोकप्रिय है। यह विद्युतीकृत खंड इलेक्ट्रिक ट्रैक्शन के साथ तेज और बेहतर ट्रेन सेवा का कार्य करेगा, जो भारतीय रेलवे पर एक नवीनतम हरित पहल के रूप में हरित भारत के महत्वाकांक्षी मिशन को भी बढ़ावा देगा। रेलवे विद्युतीकरण के शीघ्र पूरा होने का लाभ बहुत प्रभावशाली है जो डीजल लोकोमोटिव की निर्भरता को कम करके कार्बन फुटप्रिंट को कम करेगा और इससे प्रति वर्ष लगभग 80 करोड़ रुपये की बचत होने की उम्मीद है, जो ईंधन के आयात के कारण वित्तीय बोझ को कम करने में भारत का समर्थन करेगा।

सूरत वेसू जैन संघ के प्रांगण में समस्त सूरत के वर्षीतप के तपस्वीयों का सम्मान होगा

सूरत भूमि, सूरत। धर्म नगरी सूरत में स्थित वेसू जैन संघ के पहल के तहत अग्निशामक यंत्र धानेरा आराधना भवन में प. पू. आ. भ. श्री सागरचंद्रसागरसूरी म. सा. के निश्रा में समस्त सूरत शहर में हो रहे वर्षी तप के तपस्वीयों का सम्मान समारोह फागुन महीने की अष्टमी तिथि तारीख 25-03-2022 शुक्रवार सुबह 8:30 बजे नई बनी हुई रिसोर्ट में आयोजित किया जाएगा।

इस प्रसंग पर सूरत शहर में वर्षी तप चलाने वाले तपस्वीयों के साथ साथ फागुन महीने की अष्टमी से वर्षी तक शुरू करने वाले तपस्वियों के सामने वर्षी तप का पाठ किया जाएगा। इनमें से प्रत्येक तपस्वी को चांदी के घड़े से सम्मान किया जाएगा। इस प्रसंग पर रिसॉर्ट के मोटीवेटर गाइड प. पू. आ. भ. श्री सागरचंद्रसागरसूरी म. सा की निश्रा में कार्यक्रम आयोजित होगा। इस प्रसंग पर इस प्रसंग पर सूरत के तमाम तपस्वी हूं साथ ही जैन संघ के श्रेष्ठ गण लोग शामिल होंगे। सभी तपस्वी को कंकू तिलक हार नारियल अक्षत माला और श्रेयांश कुमार द्वारा चांदी के घड़े से सम्मानित किया जाएगा।

सूरत शहर के वर्षी तप के हर तपस्वी यों को इस प्रसंग पर जॉली रेसिडेंसी के पीछे बने नए रिसॉर्ट में समय पर पहुंचने को कहा गया है।

गुजरात में केजरीवाल के रोड शो से पहले ‘आप’ के 1500 कार्यकर्ता भाजपा में शामिल

अहमदाबाद। पंजाब में शानदार जीत के बाद आम आदमी पार्टी (आप) की नजर अब गुजरात में इस साल के आखिर में होनेवाले विधानसभा चुनावों पर है। आगामी दिनों में दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल और पंजाब के मुख्यमंत्री भगवत मान के रोड शो का आयोजन किया गया है। रोड शो से पहले आम आदमी पार्टी को गुजरात में बड़ा झटका लगा है। आज गुजरात के 11 जिलों के 1500 से ज्यादा कार्यकर्ताओं ने आप को छोड़ भाजपा जॉइन कर ली। गुजरात प्रदेश भाजपा मुख्यालय कमलम में आप के कार्यकर्ता पार्टी की टोपी लगाकर ही पहुंचे थे। जहां प्रदेश भाजपा प्रमुख सीआर पाटील के पहुंचने से पहले सभी कार्यकर्ताओं को आप की टोपी निकलवाकर भगवा टोपी पहनाई गई। प्रदेश भाजपा के महासचिव रजनी पटेल, उपाध्यक्ष जयंति कवाडिया और विधायक रमण पटेल, मयूर रावल ने आप के कार्यकर्ताओं को भगवा टोपी पहनाई। गुजरात विधानसभा के इस साल के अंत में चुनाव होने हैं और उसमें ज्यादा से ज्यादा सीटें जीतने के लिए भाजपा और कांग्रेस समेत आप अपनी अपनी रणनीति बना रही हैं। ऐसे में आप को आज बड़ा झटका लगा है। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल और पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान रोड शो करें, उससे पहले डेढ़ हजार से भी अधिक कार्यकर्ताओं के भाजपा जॉइन करने से गुजरात में आप के लिए राह आसान नहीं है। भाजपा पहले से दावा कर रही थी कि आप के हजारों कार्यकर्ता उसके आएंगे। इस संदर्भ में आप के गुजरात प्रवक्ता योगेश जादवाणी ने कहा था कि पार्टी के नेता और कार्यकर्ताओं के भाजपा में शामिल होने की बातें केवल अफवाह है। साथ ही उन्होंने यह भी कहा था कि जो लोग भाजपा में शामिल होनेवाले उन्हें पार्टी पहले ही सस्पैंड कर चुकी है। बता दें कि कुछ समय पहले ही सूरत में आप के पांच नगर पार्षद भी भाजपा में शामिल हो गए थे। आज डेढ़ हजार से अधिक कार्यकर्ताओं के भाजपा में शामिल होने से आप को बड़ा झटका लगा है।

वडोदरा क्राइम ब्रांच ने युवती की हत्या के हत्यारे को 16 घंटों में धर दबोचा

वडोदरा। वडोदरा क्राइम ब्रांच ने तरसाली बाइपास के निकट धनिवायी रोड पर युवती की हत्या के मामले की गुत्थी सुलझाते हुए 16 घंटों में आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। पकड़े आरोपी ने कबूल किया है कि उसने ही युवती की हत्या की थी। जानकारी के मुताबिक पंचमहल जिले के सामली गांव की मूल निवासी 19 वर्षीय तृषा सोलंकी वडोदरा के माणेजा में अपने मामा के घर रह कर पढाई कर रही थी। तृषा वडोदरा के अलकापुरी स्थित एक्टिवा लेकर कोचिंग पर जाती थी। रोज की भांति बीते दिन भी तृषा अपने मामा सज्जनसिंह के घर से कोचिंग के लिए रवाना हुई थी, जिसके बाद वह वापस नहीं लौटी। कुछ देर उसके मामा सज्जनसिंह को पता चला कि तृषा की हत्या कर दी गई है। तृषा की हत्या के बाद उसका शव नेशनल हाईवे नंबर 48 पर लैन्ड फिल्ड साइट पर फैंक गया था। इसकी खबर मिलते ही पुलिस काफिला घटनास्थल पर पहुंच गया और जांच शुरू कर दी। घटना के 16 घंटों के भीतर ही पुलिस ने कल्पेश ठाकोर नामक आरोपी गिरफ्तार कर लिया। वडोदरा के अतिरिक्त पुलिस आयुक्त चिराग कोरडिया के मुताबिक कल्पेश ठाकोर ने तृषा सोलंकी की हत्या की होने का कबूल कर लिया है। कल्पेश ठाकोर पिछले चार वर्ष से युवती के संपर्क मंआ था और उसे परेशान कर रहा था। बीती शाम कल्पेश ने तृषा को मिलने के लिए हाईवे पर बुलाया था। जहां तृषा के पहुंचने के बाद कल्पेश उसके शरीर पर तीक्ष्ण हथियार से कई वार कर उसे मौत के घाट उतार दिया। इतना ही नहीं कल्पेश ने तृषा का एक हाथ भी काट दिया था। हत्या के बाद तृषा का शव नेशनल हाईवे नंबर 48 पर लैंड फिल्ड साइट पर फैंक कल्पेश फरार हो गया। तृषा का एक्टिवा हाईवे पर पार्क किया गया था और उससे कुछ दूरी पर झाडियों से तृषा सोलंकी का शव बरामद हुआ। चिराग कोरडिया ने बताया कि कल्पेश ठाकोर कैसे तृषा के संपर्क में आया और उसका पीछा क्यों करता था और हत्या की वजह का फिलहाल खुलासा नहीं हुआ है। कल्पेश ठाकोर अगर तृषा को परेशान कर रहा था तो उसके बुलावे पर तृषा उसके पास क्यों गई? इस दिशा में पुलिस जांच कर रही है।

कोटक सिक्योरिटीज़ लिमिटेड ने 30 साल से कम उम्र के अपने सभी ग्राहकों के लिए ‘नो ब्रोकरेज प्लान’ लॉन्च किया

सूरत। कोटक सिक्योरिटीज़ लिमिटेड ने आज ट्रेडिंग करने वाले 30 साल से कम उम्र के अपने सभी युवा ग्राहकों के लिए “नो ब्रोकरेज प्लानज्ज लॉन्च करने की घोषणा की, ताकि उन्हें अपने निवेश से जुड़े लक्ष्यों को हासिल करने में मदद मिल सके। लॉन्च की गई इस नई योजना के तहत, 30 साल से कम उम्र के सभी ग्राहकों से किसी भी तरह का ब्रोकरेज शुल्क नहीं लिया जाएगा, जिसमें इक्विटी, करेंसी, कमोडिटी तथा स्न×ह्व सेगमेंट में डिलीवरी ट्रेड और इंट्राडे ट्रेड शामिल हैं। ग्राहक सालाना 499 रुपये का भुगतान करके च्नो ब्रोकरेज प्लानज्ज का लाभ उठा सकते हैं।

यह योजना खुद से सोच-समझकर निवेश करने वाले सभी निवेशकों और ट्रेडर्स के लिए उपलब्ध है। डीलरों या अन्य सेवा अधिकारियों के माध्यम से ट्रेडिंग करने वाले सभी ग्राहकों से उनके द्वारा चुनी गई योजनाओं के अनुसार उचित ब्रोकरेज शुल्क लिया जाएगा। “नो ब्रोकरेज प्लान” का विकल्प चुनने वाले नए ग्राहकों को भी ऑनबोर्डिंग की प्रक्रिया पूरी होने के बाद 1998 रुपये के वाउचर दिए जाएंगे।

श्री जयदीप हंसराज, एमडी एवं सीईओ – कोटक सिक्योरिटीज़, ने कहा, “कोटक सिक्योरिटीज लिमिटेड ने अपने ‘नो ब्रोकरेज प्लान’ के लिए विशेष शुल्क निर्धारित किए हैं जिससे पहली बार ट्रेडिंग करने वाले ग्राहकों तथा हमारे देश के युवा निवेशकों को काफी फायदा मिलेगा। हमें पूरा यकीन है कि शुल्क में इस तरह के बदलाव से युवाओं को अधिक लाभ होगा, साथ ही उन्हें अपनी जमा-पूँजी को बढ़ाने का प्रोत्साहन भी मिलेगा।”

इस नए प्लान के लॉन्च के बारे में बात करते हुए, श्री सुरेश शुक्ला, संयुक्त अध्यक्ष – कोटक सिक्योरिटीज़ लिमिटेड, ने कहा, च्व्हाल के महीनों में हमने पहली बार ट्रेडिंग करने वाले लोगों तथा युवा ट्रेडर्स की संख्या में बढ़ोतरी देखी है। ग्राहक निश्चित तौर पर कोटक सिक्योरिटीज़ की नई पेशकश, यानी ‘नो ब्रोकरेज प्लान’ का स्वागत करेंगे। इस प्रस्ताव में कई मूल्य-वर्धित सेवाओं के साथ-साथ हमारे विशेषज्ञ विश्लेषकों द्वारा अनुसंधान पर आधारित सुझावों को भी शामिल किया गया है। युवा निवेशक ऑनलाइन माध्यमों से पाँच आसान चरणों में हमारे साथ अपनी ट्रेडिंग के सफर की शुरुआत कर सकते हैं।”

इनसाईड द पॉकेट ने भारत में डेली फैंटेसी प्लेटफॉर्म वंडरविन्स के लॉन्च के लिए ईएसपीएन क्रिकइन्फो के साथ की एक्सक्लुज़िव साझेदारी

अग्रणी ग्लोबल फ्री-टू-प्ले (एफ2पी) एग्रीगेटर प्लेटफॉर्म इनसाईड द पॉकेट (आईटीपी) ने भारत और उपमहाद्वीप में डेली फेंटेसी प्लेटफॉर्म वंडरविन्स के आधिकारिक लॉन्च की घोषणा की है। वंडरविन्स इंडिया की शुरूआत के साथ डेली फेंटेसी का फ्री प्लेटफॉर्म एक्सक्लुज़िव रूप से दुनिया के सबसे बड़े डिजिटल क्रिकेट गंतव्य ईएसपीएन क्रिकइन्फो पर उपलब्ध होगा। वंडरविन्स की शुरूआत आईपीएल के 2022 सीज़न से ठीक पहले हो रही है, जिसकी शुरूआत 26 मार्च से होगी। यह ऐप लाईव है और वेबसाईट एवं ऐप स्टोर पर क्रमश: एंड्रोइड और आईओएस यूज़र्स के लिए डाउनलोड हेतु उपलब्ध है। भारतीयों को गेम का अनूठा अनुभव प्रदान करने के लिए ऐप में एक विशेष फीचर ‘सैकण्ड इनिंग्स’ भी शामिल किया गया है, जहां यूज़र्स को गेमप्ले की योजनाओं को संशोधित करने का मौका मिलेगा, इससे वे गेमप्ले के बीच अपने फेंटेसी परफोर्मेन्स को बेहतर बना सकेंगे।

भारत में निर्मित वंडरविन्स लगातार विकसित होती गेमिंग कम्युनिटी को ऐसा प्लेटफॉर्म उपलब्ध कराता है, जो मस्ती से भरपूर होने के साथ-साथ उन्हें रिवॉर्ड भी देता है। फैंटेसी गेमर प्रोफाइल्स को ध्यान में रखते हुए वंडरविन्स को इनोवेशन्स के साथ विकसित किया गया है, गेम को सहज तरीके से डिज़ाइन किया गया है ताकि हर प्लेयर इसे आसानी से समझ सके और रिवॉर्ड का बेहतर अनुभव पा सके, फिर चाहे उनके कौशल का स्तर कुछ भी हो!

यूज़र कुछ ही पदों में रजिस्टर कर अपनी टीम बना सकता है और बड़ी आसानी से इस प्लेटफॉर्म के साथ जुड़ सकता है। आईपीएल से पहले लॉन्च किए गए वंडरविन्स के साथ प्लेयर्स दुनिया के सबसे रोचक टी20 क्रिकेट एक्शन के फैंटेसी अनुभव में शामिल होने के लिए इंस्टेन्ट एक्सेस पा सकते हैं। यह भविष्य में दुनिया भर में होने वाले सभी क्रिकेट मैचों के लिए एक्सेस देगा तथा गेमप्ले के रोचक फोर्मेट जैसे रिवर्स और क्लासिक फेंटेसी भी पेश करेगा।

यह सामरिक साझेदारी वंडरविन्स को भारत एवं उपमहाद्वीप में ईएसपीएन क्रिकइन्फो के लिए एक्सक्लुज़िव डेली फेंटेसी प्रदाता बनाती है और साथ ही वंडरविन्स ब्राण्ड को भी ईएसपीएल क्रिकइन्फो प्लेटफॉर्म पर 85 मिलियन से अधिक क्रिकेट प्रशंसकों के साथ जोड़ती है। इस साझेदारी के तहत उच्च गुणवत्ता का विशेष स्पोर्ट कवरेज एवं विश्लेषण भी शामिल है, जो यूज़र को बेजोड़ कंटेंट पोर्टफोलियो उपलब्ध कराता है, प्लेयर की स्किल्स में सुधार लाकर उसे फैंटेसी का बेहतरीन अनुभव प्रदान करता है। आकर्षक गेमपले से लेकर, इंटेलीजेन्ट आंकड़ों, डेटा विश्लेषण एवं कस्टमाइज़्ड कंटेंट तक, यह साझेदारी फेंटेसी गेमिंग के लिए वन-स्टॉप शॉप के निर्माण हेतू उद्योग जगत में अनूठे बेंचमार्क स्थापित करेगी और यूज़र को सशक्त फेंटेसी अनुभव प्रदान करेगी।

ईएसपीएन क्रिकइन्फो ने बीस्पोक कंटेंट एवं कम्युनिकेशन को पहले से मजबूत बनाना शुरू कर दिया है, ताकि प्लेयर्स वंडरविन्स प्लेटफॉर्म के साथ जुड़ कर प्रोडक्ट को समझ सकें और गेमप्ले का उत्कृष्ट अनुभव पा सकें।

अमेजॉन डिजिटल केंद्र से सूरत में एमएसएमई के डिजिटायजेशन को गति शुभारम्भ के बाद 700 से अधिक एमएसएमईज डिजिटाईज हुए

सूरत। अमेजॉन इंडिया ने आज घोषणा की कि, विगत आठ महिनों में सूरत के अपने डिजिटल केन्द्र द्वारा अमेजॉन ने 700 से अधिक सूक्ष्म एवम् मध्यम उद्यम (एमएसएमईज) को डिजिटाईज किया है। अमेजॉन डिजिटल केन्द्र ऐसे ठोस और सक्षम संसाधन केन्द्र हैं जहाँ एमएसएमईज को ई- कॉमर्स के लाभों के बारे में सीखने के अवसर मिलते हैं और डिजिटल उद्यम बनने की दिशा में उन्हे शुरूआत करने हेतु व्यापक सहायता, सहयोग और सेवाओं के द्वारा बढ़ावा दिया जाता है। ऐसा पहला डिजिटल केन्द्र जुलाई 2021 में गुजरात के सूरत में शुरू हुआ था। औसतन हफ्ते में 118 एमएसईज इस सूरत के कृषि बजार में बसे डिजिटल केन्द्र के पास आए जो ई- कॉमर्स के लाभ जानना चाहते थे और अमेजॉन.इन पर बेचना, अमेजॉन ग्लोबल सेलिंग, अमेजॉन स्थानीय दुकान, अमेजॉन ईझी, आय हैव स्पेस और एडब्ल्यूएस के द्वारा अमेजॉन डिजिटल सूट में विविध तकनिकी भागीदारों के द्वारा उपलब्ध की गई एसएएएस सोल्युशन्स सेवाएँ प्राप्त कर ई- कॉमर्स की अपनी यात्रा को आगे ले जाना चाहते हैं। कुल मिला कर शुभारम्भ के बाद अमेजॉन डिजिटल केन्द्र में 3500 से अधिक एमएसएमईज ने सेवाएँ प्राप्त की हैं।

अमेजॉन इंडिया में सेलिंग पार्टनर सर्विसेस के डायरेक्टर सुमित सहाय के अनुसार, च्पीछले वर्ष सूरत में हमने हमरा पहला डिजिटल केन्द्र शुरू किया था और एमएसएमईज को डिजिटल बनने में आवश्यक सेवाएँ देने के लिए सहयोग देना उसका उद्देश्य था। हमें खुशी है कि सूरत और आसपास के इलाकों के एमएसएमईज से हमें बड़ा प्रतिसाद और उत्साह बढ़ानेवाला सहभाग मिला है। डिजिटल केन्द्र में उपलब्ध सेवाओं की श्रेणि में और विस्तार करने हेतु हम स्थानीय एमएसएमईज के साथ के हमारे संवाद से बहुत कुछ सीख भी रहे हैं। 2025 तक 1 करोड़ एमएसएमईज को डिजिटल रूप से सक्षम करने के हमारी लक्ष्य का यह एक हिस्सा है।”

सूरत के ए. व्ही. स्टेशनरी के प्रोप्रायटर विजय नाथाभाई कारवाद पीछले 4 वर्षों से ऑफलाईन मार्केट में खिलौने और गेम्स बेचते हैं। जुलाई 2021 में वे सूरत के डिजिटल केन्द्र में आए और उससे उन्हे अमेजॉन.इन के साथ ई- कॉमर्स की उनकी यात्रा शुरू करने में सहायता मिली। अपने अनुभव के बारे में वे कहते हैं, “मै अमेजॉन को जानता था, लेकीन तकनीक में उतना कुशल न होने के कारण मेरे उत्पादों को ऑनलाईन मार्केटप्लेस में बेचने के लिए कैसे प्रवेश करें, इसको ले कर मै स्पष्ट नही था। ई- कॉमर्स मार्केटप्लेस के बारे में अधिक जानने में अमेजॉन डिजिटल केन्द्र ने मुझे सहायता की है और सहजता के साथ मै यह कर सकूँ, इसका ख्याल रखा है। वहाँ के अधिकारियों ने सब प्रक्रिया मुझे शान्ति से गुजराती में समझाई और मुझे आश्वस्त किया कि मुझे दिक्कतें हो, तो मै केन्द्र में आ सकता हूँ या फोन पर उनसे सम्पर्क कर सकता हूँ।

एक्वा-कनेक्ट ने ट्राइफेक्टा कैपिटल से 8 मिलियन डॉलर की पूंजी जुटाई

चेन्नई । एक्वा कनेक्ट ने आज घोषणा करते हुए बताया कि इसने वेंचर डेट फर्म ट्राइफेक्टा कैपिटल के नेतृत्व में वेंचर डेट फंडिंग राउंड में 60 करोड़ रुपये की पूंजी जुटाई है। एक्वाघकनेक्ट फुल-स्टैक एक्वाटकल्चर इनपुट और आउटपुट प्लेटफॉर्म है।

यह स्टार्टअप नए सिरे से जुटाई गई पूंजी का इस्तेमाल एक्वाक पार्टनर्स-फ्रैंचाइजी स्टोर्स के अपने नेटवर्क का विस्तार करके भारत भर में अपनी उपस्थिति को मजबूत करने में करेगा, जो मछली और झींगा किसानों के लिए गुणवत्ता वाले इनपुट उत्पादों तक पहुंच को सक्षम बनाता है। जुटाई गई पूंजी का इस्तेमाल संचालन का विस्तार करने और एक्वापकनेक्ट के फसल-पश्चात बाजार जुड़ाव समाधानों को बढ़ाने के लिए भी किया जाएगा। बाजार से जुड़ाव में सुधार से किसानों को संभावित खरीदारों की एक विस्तृत श्रृंखला तक पहुंचने में मदद मिलेगी, जिससे मूल्य प्राप्ति में वृद्धि होगी।

एक्वा कनेक्ट उत्कृष्ट तकनीकी समाधानों के माध्यम से कृषि उत्पादकता, वित्तीय पहुंच और बाजार से जुड़ाव में सुधार के लिए मछली और झींगा किसानों के साथ काम करता है। यह स्टार्टअप एक एकीकृत तकनीक-संचालित दृष्टिकोण के माध्यम से जलीय कृषि मूल्य श्रृंखला में चुनौतियों को संचालित करने के लिए काम कर रहा है और इसका लक्ष्य सबसे बड़ा जलीय कृषि मूल्य श्रृंखला एग्रीगेटर बनना है।

पूंजी जुटाए जाने के मामले में टिप्पणी करते हुए एक्वांकनेक्ट के संस्थापक और सीईओ, राजामनोहर सोमासुंदरम ने कहा, 卐एक्वा कनेक्ट में हमारा उद्देश्य तकनीकी हस्तक्षेप के माध्यम से मूल्य प्राप्ति में वृद्धि करते हुए जलीय कृषि मूल्य श्रृंखला को अधिक कुशल और पारदर्शी बनाना है। पूंजी का नया दौर भारत में हमारे एक्वा पार्टनर नेटवर्क के विस्तार का मार्ग प्रशस्त करके इस लक्ष्य को प्राप्त करने में हमारी मदद करेगा और हमारे फसल के बाद के बाजार से जुड़ाव बनाने वाले समाधानों को मजबूत करके जलीय कृषि किसानों को अधिक खरीदारों तक पहुंचने में मदद करेगा।''

ट्राइफेक्टा कैपिटल के मैनेजिंग पार्टनर नीलेश कोठारी ने कहा, 卐एक्वाककनेक्ट जलीय कृषि क्षेत्र में अग्रणी है और किसानों को इनपुट निर्माताओं और संस्थागत खरीदारों से जोड़ने वाली संपूर्ण मूल्य श्रृंखला का डिजिटलीकरण कर रहा है। इस प्रक्रिया में, वे जलीय कृषि किसानों को उनकी उपज के बेहतर मूल्य का एहसास कराने और उचित मूल्य पर उच्च गुणवत्ता वाले इनपुट तक पहुंच प्रदान करने की सुविधा प्रदान कर रहे हैं। भारत शीर्ष तीन समुद्री खाद्य उत्पादक देशों में से एक है और फिर भी यह क्षेत्र काफी हद तक असंगठित है। ट्राइफेक्टा कैपिटल को एक्वा कनेक्ट के साथ साझेदारी करने पर गर्व है, जो अपने विस्तृत जलीय-किसान नेटवर्क, मजबूत टेक-स्टैक और अनुभवी टीम के साथ भारतीय जलीय कृषि क्षेत्र के सामने आने वाली कई चुनौतियों का समाधान करने में सक्षम होगी।''

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, सम्पादक: संजय रमाशंकर मिश्रा द्वारा ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सुरत (गुजरात) प्रिन्टर्स- भूनेश्वरा प्रिन्टर्स, प्लाट नं. 29, परमानन्द इण्डस्ट्रीयल सोसायटी, चौकसी मील के पास, उधना मगदल्ला रोड (गुजरात) से मुद्रित एवं ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सूरत (गुजरात) से प्रकाशित। कार्यालय फोन: 0261-2274271, (न्यायिक क्षेत्र सूरत रहेगा)